मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	24.1	16.0
जमशेदपुर	17.9	15.0
डालटनगंज	16.4	12.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

* * * * *

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

www.lagatar.in

शुक्रवार, 19 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल पक्ष 08, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 1, अंक : 272

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

#HOCKEYINVITES

ENROUTETOPARIS

FIH

HOCKEY INDIA

FIH HOCKEY OLYMPIC QUALIFIERS 2024

RANCHI

FREE ENTRY

FIH HOCKEY OLYMPIC QUALIFIERS RANCHI 2024

MARANG GOMKE JAIPAL SINGH ASTROTURF HOCKEY STADIUM, RANCHI

TODAY'S MATCHES

TIME: 10:30
Loser Match 13 VS Loser Match 14

TIME: 13:30
Winner Match 13 VS Winner Match 14

TIME: 16:30
Loser Match 15 VS Loser Match 16

TIME: 19:30
Winner Match 15 VS Winner Match 16

19 JANUARY 2024

FINAL

19:30 ONWARDS

STADIUM ENTRY (FOR SPECTATORS) 08:30 am Onwards

INDIA

WATCH LIVE ON

sports 18

JioCinema

HEMANT SOREN
Chief Minister, Jharkhand

GLOBAL PARTNERS: ODISHA INDIA'S BEST KEPT SECRET, Watch Hockey

NATIONAL PARTNERS: ODISHA INDIA'S BEST KEPT SECRET

GLOBAL SUPPLIER: polytan

NATIONAL SUPPLIERS: SHALBY DIVINE, Limca Sportz

INFORMATION & PUBLIC RELATIONS DEPARTMENT, JHARKHAND

जमशेदपुर सांसद को मिल सकती है दूसरी जिम्मेवारी, गोड्डा सांसद भागलपुर से लड़वाये जा सकते हैं चुनाव

भाजपा अपने छह सिटिंग सांसदों का काट सकती है टिकट

प्रवीण कुमार/सत्य शरण।रांची

लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा अपने सिटिंग सांसदों का रिपोर्ट कार्ड तैयार करवा रही है. सर्वे के जरिए सांसदों के टिकट पर फैसला लिया जाएगा. दिल्ली से सर्वे कराने वाली भाजपा की टीम के एक सदस्य के मुताबिक दो राउंड में सर्वे किया गया है. दूसरे राउंड में हुए सर्वे के मुताबिक अबतक झारखंड के 6 सिटिंग सांसदों का टिकट कटने की संभावना है.

इसमें चतरा, धनबाद, लोहरदगा, दुमका, रांची और हजारीबाग शामिल हैं. इसके अलावा गोड्डा सीट पर भी प्रत्याशी बदला जा सकता है. गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे भागलपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़वाये जा सकते हैं. वहीं जमशेदपुर सीट से कैंडिडेट में फेरबदल किया जा सकता है. उन्होंने बताया कि सर्वे का काम पूरा होने के बाद केंद्रीय टीम प्रदेश नेतृत्व के साथ पूरा रिपोर्ट कार्ड लेकर बैठेगी और रायशुमारी के बाद सिटिंग सांसदों के टिकट काटने और नये कैंडिडेट के नाम पर फाइनल मुहर लगेगी. वहीं 14 सीटो के लिए तीन-तीन कैंडिडेट का नाम चयन किया जाना है. सभी लोकसभा सीट से तीन-तीन नाम सबसे पहले झारखंड के लिए लोकसभा सीटों पर नाम तय करने वाली कमेटी के पास जाएंगे. यह कमेटी तीन नामों को अपनी सिफारिश के साथ बीजेपी पार्लियामेंट्री बोर्ड में भेजेगी. इसके बाद पार्लियामेंट्री बोर्ड कैंडिडेट के नाम तय करके घोषणा करेगी. जानकारी के मुताबिक राजमहल और चाईबासा लोकसभा सीटों के प्रत्याशियों के नाम की घोषणा सबसे पहले की जाएगी.

खास बातें

- इंटरनल सर्वे में तैयार हो रहा है सांसदों का रिपोर्ट कार्ड
- प्रदेश नेतृत्व से रायशुमारी के बाद होगा अंतिम फैसला

हर संसदीय सीट को स्कैन कर रही भाजपा

पार्टी झारखंड के हर संसदीय क्षेत्र का इंटरनल सर्वे करवा रही है. इसके तहत सिटिंग सांसदों के कामकाज को स्कैन किया जा रहा है. सांसद की उपलब्धियां क्या हैं. उन्होंने लोकसभा में जनता की कितनी आवाज उठाई. क्षेत्र में कितना समय देते हैं. 2024 के चुनाव में उनकी जीत के कितने चांस हैं. कार्यकर्ता सांसद से कितने खुश हैं. कितने कार्यकर्ता संसदीय सीट पर कैंडिडेट बदलने के पक्ष में हैं. इन सब चीजों को खंगाला जा रहा है. सर्वे का काम दिल्ली में भाजपा नेताओं के निर्देश पर हो रहा है. देशभर में कई टीमें इसमें लगी हैं. इस सर्वे को लेकर भाजपा के अंदर भी भागदौड़ मची हुई है. कई सिटिंग सांसद अपने टिकट कटने की संभावना से निराश हैं, जबकि चुनाव लड़ने की इच्छा पाले कई नेता इस कोशिश में हैं कि किसी भी तरह सर्वे में उनका नाम आ जाए और वे केंद्रीय नेतृत्व की नजरों में आ जाएं.

किस आधार पर टिकट कट सकता है

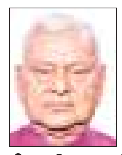

धनबाद : धनबाद के सिटिंग सांसद पीएन सिंह हैं. इनकी उम्र 75 के करीब हो चुकी है. भाजपा 75 प्लस वाले नेताओं को चुनाव लड़वाने से परहेज करती है. इसी आधार पर पीएन सिंह का टिकट कट सकता है.

चतरा : चतरा से सुनील सिंह सिटिंग सांसद हैं. सुनील सिंह को लेकर चतरा में भाजपा कार्यकर्ताओं के अंदर काफी नाराजगी है. 2019 के चुनाव में भी इनका विरोध हुआ था. सांसद का रिपोर्ट कार्ड बहुत अच्छा नहीं है. इस वजह से चतरा में प्रत्याशी बदला जा सकता है.

लोहरदगा : लोहरदगा में सुदर्शन भगत सिटिंग सांसद हैं. सुदर्शन यहां से लगातार तीन बार चुनाव जीते हैं, लेकिन तीनों बार वे बहुत कम मार्जिन से जीत पाये हैं. संसदीय क्षेत्र में बहुत ज्यादा एक्टिव भी नहीं हैं. लोहरदगा में कांग्रेस मजबूती के साथ उभरी है. इसलिए इस बार वहां पार्टी नये नेता को ट्राई कर सकती है.

दुमका : सुनील सोरेन दुमका के सिटिंग सांसद हैं. वे झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन को चुनाव हरा कर सांसद बने थे, लेकिन उनका रिपोर्ट कार्ड बहुत अच्छा नहीं है. पार्टी के कार्यकर्ताओं में भी नाराजगी है. प्रदेश नेतृत्व से भी वे दूर दिखते हैं. इस वजह से उनका टिकट कटना तय माना जा रहा है.

रांची : संजय सेठ रांची के सिटिंग सांसद हैं. इनका रिपोर्ट कार्ड अच्छा है. संसदीय क्षेत्र में एक्टिव भी रहते हैं. पीएम मोदी भी संजय सेठ की तारीफ कर चुके हैं, लेकिन इनका स्वास्थ्य खराब होने के कारण भाजपा रांची में नया कैंडिडेट उतार सकती है.

हजारीबाग : जयंत सिन्हा हजारीबाग के सिटिंग सांसद हैं. जंयत के पिता यशवंत सिन्हा भाजपा के बागी हैं. एक ही घर में पक्ष और विपक्ष होने से पार्टी को नुकसान हो सकता है. वहीं जयंत सिन्हा संसदीय क्षेत्र के बाहर एक्टिव भी नहीं हैं. केंद्रीय और प्रदेश के नेताओं से बहुत मेलजोल नहीं है.

चुनाव के लिए पदाधिकारियों को किया जा रहा है प्रशिक्षित

- चल रहा 5 दिवसीय प्रशिक्षण सह सर्टिफिकेशन कार्यक्रम

संवाददाता।रांची

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार के मार्गदर्शन में श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए राज्य के सभी संसदीय क्षेत्र के सहायक रिटर्निंग पदाधिकारियों का प्रशिक्षण सह सर्टिफिकेशन कार्यक्रम 16 जनवरी से शुरू है, जो 20 जनवरी तक चलेगा. कार्यक्रम में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एवं राज्य के एनएलएमटी प्रशिक्षकों द्वारा सभी पदाधिकारियों को लोकसभा चुनाव के एआरओ के दायित्वों से जुड़े जरूरी बिंदुओं पर विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है. प्रशिक्षण के क्रम में पदाधिकारियों को ईवीएम, वीवीपैट, नामांकन, पोस्टल बैलट, चुनाव संबंधित सामग्री से संबंधित ट्रेनिंग भी दी जा रही है.

निर्वाचन प्रक्रियाओं की जानकारी दी : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों, निर्वाचन प्रक्रियाओं तथा बारीकियों के बारे में जानकारी दी. साथ ही ईडीसी, ईटीपीबीएस से जुड़ी तकनीकी जानकारी भी दी जा रही है. डाक मत-पत्र की मदद से मताधिकार का प्रयोग करने वाले सभी कोटि के मतदाताओं के लिए निर्धारित प्रक्रिया, ईवीएम और वीवीपैट जागरूकता के संबंध में नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर्स भी विस्तार से बता रहे हैं. कार्यक्रम में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संदीप सिंह, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नेहा अरोड़ा, ओएसडी गीता चौबे, अवर सचिव देव दास दत्ता व अन्य मौजूद रहे.

काम की है तलाश : 544415 युवक व 240148 युवती बिना रोजगार के

राज्य के 43 नियोजनालयों में 7.84 लाख युवा निबंधित

- 2.40 लाख ग्रैजुएट, 47497 पोस्ट ग्रेजुएट और 121 पीएचडी धारक हैं बेरोजगार
- ओबीसी कैटेगरी में 2.73 लाख और जेनरल कैटेगरी में1.60 लाख युवाओं के पास नौकरी नहीं

रवि भारती।रांची

राज्य के युवा बेरोजगारों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है. आज की तारीख में झारखंड के 43 नियोजनालयों में 784563 युवाओं ने रोजगार के लिए निबंधन कराया है. जिसमें 240064 ग्रैजुएट को रोजगार की तलाश है. इसमें 162495 युवा और 77569 युवती हैं. इसी तरह 47497 युवा पोस्ट ग्रैजुएट हैं. जिसमें 27858 पुरुष और 20238 महिलाएं हैं. राज्य सरकार के श्रम विभाग की ओर से अब तक 50358 लोगों को ही रोजगार उपलब्ध कराया जा सका है. राज्य में फिलहाल 544415 युवा और 240148 युवती बेरोजगार हैं.

डिप्लोमाधारी बेरोजगारों की संख्या 50 हजार के पार : राज्य में डिप्लोमाधारी बेरोजगारों की संख्या 51231 हो गई है. इसमें 38529 पुरुष और 12702 महिलाएं हैं. आइटीआइ सर्टिफिकेटधारी बेरोजगारों की संख्या 46178 है. इसमें 45032 पुरुष और 1146 महिलाएं हैं. इसी तरह सर्टिफिकेट और ट्रेनिंग कोर्स किए हुए बेरोजगारों की संख्या 6871 है, जिसमें 4609 पुरुष और 2262 महिलाएं शामिल हैं. 10वीं पास बेरोजगारों की संख्या 181198 है. जिसमें 130970 युवक और 50168 युवतियां शामिल हैं.

256382 है 12वीं पास बेरोजगारों की संख्या : 12 वीं पास बेरोजगारों की संख्या 256382 है. इसमें 173705 युवक और 82677 युवती हैं. मिडिल ओर लेस कटेगरी में बेरोजगारों की संख्या 22264 है. इसमें 6146 पुरुष और 2106 महिलाएं हैं. अनस्किल्ड कटेगरी में 8252 लोग बेरोजगार हैं. जिसमें 6146 पुरुष और 2106 महिलाएं शामिल हैं.

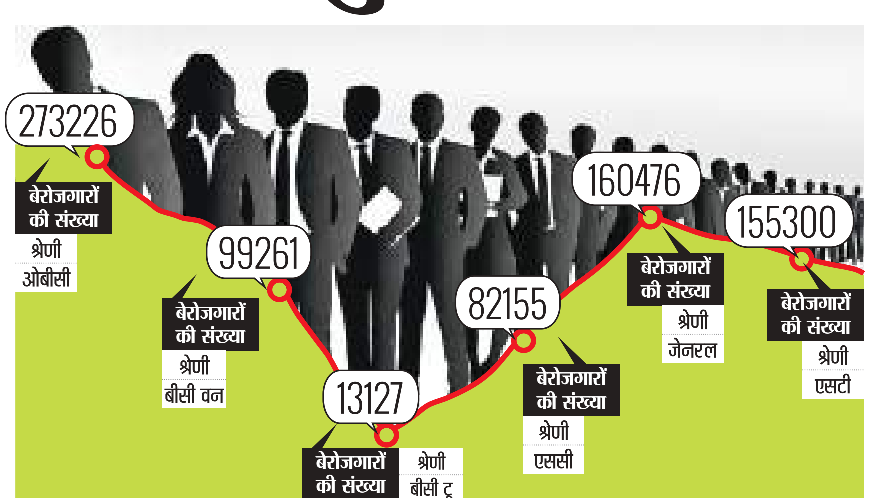

किस नियोजनालय में कितने युवक व युवतियों ने कराया है निबंधन

नियोजनालय	पुरुष	महिला	नियोजनालय	पुरुष	महिला
चाईबासा	5558	2996	चांडिल	11858	5294
चतरा	11254	4156	घाटशिला	9978	4170
डाल्टनगंज	39615	15373	किरीबुरू	5054	2592
देवघर	35841	12624	कुमारडुबी	5374	2690
गढ़वा	30024	14448	ललमटिया	3596	1125
गिरिडीह	40338	12596	सिंदरी	8574	1093
गोड्डा	15479	5312	तेनुघाट	4016	1998
गुमला	11425	10454	तोरपा	1264	1119
जामताड़ा	13511	6684	रांची वन	15020	10290
खरसांवा	10241	4027	बोकारो	3069	643
खूंटी	3845	3227	जमशेदपुर वन	6984	2194
कोडरमा	14600	5514	रांची टू	1744	710
लातेहार	8741	5322	रांची थ्री	0000	21082
लोहरदगा	9718	8952	बोकारो वन	37174	9556
पाकुड़	7910	3521	धनबाद	32591	12183
रामगढ़	10684	6966	दुमका	9990	3744
साहिबगंज	11760	5229	हजारीबाग	20169	7316
सिमडेगा	3022	3325	जमशेदपुर टू	29907	9169
आदित्यपुर	3923	1168	रांची (फोर)	30643	683
बीटीपीएस	6714	2333	दुमका वन	4514	3638
चक्रधरपुर	3229	2366	दुमका टू	4277	1836
			रांची (फाइव)	632	430

रांची स्मार्ट सिटी योजनाओं का डिस्प्ले

- प्रगति मैदान के हॉल नंबर 2 में रांची स्मार्ट सिटी का स्टॉल लगाया गया है

प्रमुख संवाददाता।रांची

नई दिल्ली के प्रगति मैदान में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय समेत कई संगठनों के सहयोग से 31वां कन्वर्जेंस इंडिया और 9वीं स्मार्ट सिटी इंडिया एक्सपो का आयोजन किया गया है. तीन दिनी इस एक्सपो में रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन की ओर से भी स्टॉल लगाया गया है, जिसमें स्मार्ट सिटी की योजनाओं की जानकारी दी जा रही है. प्रगति मैदान के हॉल नंबर 2 में रांची स्मार्ट सिटी का स्टॉल लगाया गया है, जहां विभिन्न परियोजनाओं के डिस्प्ले लगाए गए है. स्टॉल में पूरे शहर का 3डी मॉडल है. ई ऑक्शन प्रक्रिया, पब्लिक बाइसाइकिल शेयरिंग सिस्टम, इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर, इंटीग्रेटेड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, ग्रीन इनिशिएटिव, जीआईएस सब स्टेशन, एसटीपी और महत्वपूर्ण अवार्ड्स का भीडिस्प्ले लगाया गया है.

स्टॉल पर बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं : पीआरओ

रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन के पीआरओ अमित कुमार ने बताया कि स्टॉल पर बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं, जहां उनके जिज्ञासा भरे प्रश्नों का जवाब दिया जा रहा है. स्टॉल पर पहुंचने वाला हर व्यक्ति स्टॉल और 3डी मॉडल का फोटो क्लिक कर रहा है. लोगों के प्रश्नों का जवाब देने के लिए स्मार्ट सिटी के जीएम राकेश कुमार नदकुलियार और पीआरओ बारी-बारी से स्टॉल में मौजूद रह रहे हैं. 19 जनवरी को भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन ने स्पीकर के रूप में रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन के सीईओ अमित कुमार को भी बुलाया है. गौरतलब है कि इस बार एक्सपो का थीम ब्रांड इंडिया है. इस थीम के माध्यम से देशभर के शहरों में हो रहे सस्टेनेबल डेवलपमेंट को शोकेस करने के लिए विभिन्न शहरों और विभिन्न कंपनियों की ओर से स्टॉल लगाया गया है. 17 जनवरी को उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने एक्सपो का उद्घाटन किया था.

साहिबगंज डीसी से ईडी कल करेगी पूछताछ, पहले समन पर नहीं हुए थे हाजिर

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) शुक्रवार को साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव से पूछताछ करेगी. इससे पहले बीते 11 जनवरी को ईडी ने रामनिवास यादव को पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा था. हालांकि वो ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे. इसके बाद बुधवार को ईडी ने दूसरा समन भेजकर डीसी को 19 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया है. बीते तीन जनवरी को ईडी ने साहिबगंज डीसी के आवास, कार्यालय और उनके राजस्थान स्थित आवास पर एक साथ छापेमारी की थी. रेड के दौरान साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव के पास से रिश्वत में मिले आठ लाख रुपये के साथ-साथ नाइन एमएम पिस्टल की 21 कारतूस भी मिले थे. ईडी ने अपनी जांच में पाया है कि डीसी रामनिवास यादव ने साहिबगंज में पोस्टिंग के बाद अपने सैलरी अकाउंट से कभी पैसे नहीं निकाले. इस सारे मामले को लेकर ईडी उनसे पूछताछ करेगी.

CLASSIFIED

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शुक्रवार, 19 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल पक्ष 08, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 272 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

जमीनी हकीकत पार्ट 1

आज खिलखिला रहा दहशत में रहनेवाला बूढ़ा पहाड़

बूढ़ा पहाड़ से लौट कर प्रवीण कुमार

नक्सलवाद के दहशत से खामोश रहने वाला राज्य के गढ़वा जिले का बूढ़ा पहाड़ आज खिलाखिला रहा है. पूरे इलाके में अमन चमन है. शिक्षा की अलख भी जगायी जा रही है. हर तरफ शांति ही शांति. दहशत के साये से निकल कर मुख्य धारा से जुड़ने के लिए वहां की आदिम जनजाति बेताब है.

कभी बूढ़ा पहाड़ का इलाका मओवादियों का अभेद्य दुर्ग कहा जाता था. सरकार क्या होती है, इसका इलाके के लोगो को इल्म नहीं था. आजादी के बाद से कभी इस इलाके के बच्चों ने कलम नहीं थामी थी. पढ़ाई इनके जेहन में भी नहीं थी. लेकिन आज यहां के बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं. दिन के 10 बजते ही बच्चे पीठ पर बैग लेकर सीआरपीएफ कैंप पहुंच जाते है. जिन बच्चों को किताब और कलम क्या होती है, इसका एहसास नहीं हुआ था, अब पढ़ाई कर रहे हैं.

बूढ़ा पहाड़ पर स्थापित कैंप रख रहा विकास की बुनियाद

100 साल के सफर के बाद मुस्कुरा रहे लब

इलाके के बाशिंदों के लब 100 साल के बाद मुस्कुरा रहे हैं. गढ़वा के बरगढ़ प्रखंड, टेंहड़ी पंचांचयत अंतर्गत तुमेरा गांव का एक टोला है. एक ऐसा दुर्गम इलाका जिसके पहाड़ की चोटी में 9 आदिम जनजाति परिवार लगभग 100 सालों से वास करते आ रहे हैं. लेकिन इन बाशिदों की खुशियां देखते ही बनती हैं. यहां रहने वाले लोग कभी माओवादियों के हर फरमान की तमीर करते थे, आज अपनी इच्छा से अपना जीवन सवार रहे हैं.

सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस का यहां संयुक्त कैंप स्थापित है . कैंप के भीतर ही मिनी सोलर पावर प्लांट हैं, जिससे 10 घरों में बिजली की रौशनी से उजियारा फैल रहा है. यह उजियारा आगे बढ़ता ही जा रहा है. कैंप के अंदर ही सीआरपीएफ जवानों के द्वारा स्कूल संचालित किया जा रहा है. जहां न सिर्फ गांव के बच्चे बल्कि आस – पास के गांवों थलिया और छत्तीसगढ़ के पुंदाग गांव से भी बच्चे पढ़ने के लिए आते हैं. कैंप के अंदर भवन और दूसरे निर्माण कार्य चल रहे हैं उसमें ग्रामीणों को बतौर मजदूर रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है. सीआरपीएफ के जावन कहते हैं कि इलाका काफी पिछड़ा हुआ है. इलाके के लोगों का समुचित विकास जरूरी है. सीआरपीएफ अपने प्रयास से लोगों के लिए रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी जरूरतों के लिए जितना संभव है, करने का प्रयास कर रहा है. वहीं जवान यह भी कहते हैं कि इलाके के विकास के लिए सरकार को अपना सांविधानिक दायित्व निभाना चाहिए था, लेकिन उसका घोर अभाव इन इलाकों में साफ दिखाई पड़ता है.

इंटरनेट और मोबाइल से भी रू-ब-रू

आधुनिक विकास की परिभाषा के हिसाब से देखना चाहें, तो पूरे इलाके में मोबाइल संपर्क बहाल कर दिया गया है और बरगढ़ प्रखंड के परसवार गांव से बूढ़ा पहाड़ चोटी तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का काम तेजी से चल रहा है. तीसरा यह भी कि प्रत्येक 2 से 7 किलोमीटर के दायरे में सीआरपीएफ कैंप स्थापित हैं. ये शिविर क्रमशः कूल्ही, हेसातू, बहेराडीह और बूढ़ा पहाड़ में हैं. चारों शिविर गांव के बिल्कुल प्रवेश मुहाने पर स्थापित हैं, जहां कोई बाहर से जाकर आम ग्रामीणों से बात – मुलाकात करना चाहे तो पहले कैंप के आगंतुक पंजी में व्यक्तिगत जानकारी की प्रविष्टि करेंगे. कैंप कर्मियों को उचित महसूस होगा तो वह ग्रामीणों से मिल सकेगा अन्यथा उसे खाली हाथ वापस लौट जाना होगा.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,000
चांदी (किलो)	74,000

ब्रीफ खबरें

अब आधार जन्म तिथि का वैध प्रमाण नहीं होगा

नयी दिल्ली। ईपीएफओ ने कहा है कि अब जन्म तिथि के प्रमाण के लिए आधार को वैध दस्तावेज नहीं माना जाएगा. ईपीएफओ ने परिपत्र में कहा है कि आधार को वैध दस्तावेजों की सूची से हटाने का निर्णय भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के निर्देश के बाद लिया गया है. जन्म तिथि के लिए प्रमाण के रूप में जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रार से जारी होने वाला प्रमाण पत्र, किसी मान्यता प्राप्त सरकारी बोर्ड या विवि द्वारा जारी अंकपत्र, पैन कार्ड जैसे दस्तावेजों का इस्तेमाल होता है.

नौका पलटने से 16 लोगों की हुई मौत

वडोदरा। गुजरात में वडोदरा शहर के बाहरी क्षेत्र में एक झील में गुरुवार को एक नौका के पलट जाने से उसमें सवार 14 बच्चों और दो शिक्षकों की मौत हो गई. नौका में 27 विद्यार्थी सवार थे जो पिकनिक मनाने आए थे. अधिकारियों ने बताया कि अन्य विद्यार्थियों की तलाश के लिए खोज अभियान शुरू कर दिया गया है. गुजरात के शिक्षा मंत्री कुबेर डिंडोर ने कहा, मुझे अभी पता चला है कि स्कूली छात्रों को ले जा रही एक नाव के झील में पलट जाने से 16 लोगों की मौत हो गई.

जन भागीदारी से देश में गरीबी कम: मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार द्वारा अपनाई गई पारदर्शी व्यवस्था, ईमानदार प्रयासों और जनभागीदारी पर जोर देने की वजह से पिछले नौ साल में करीब 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है. उधर, कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार 25 करोड़ लोगों को फ्री राशन न देना पड़े इस लिए साजिश के तहत ऐसे दावे कर रही है. कांग्रेस ने कहा कि नीति आयोग का परिचर्चा पत्र वैश्विक मानकों से हट कर तैयार किया गया है तथा किसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने इसकी पुष्टि नहीं की है.

राज्य में अगले तीन दिनों तक छाया रहेगा घना कोहरा

23 तक राहत नहीं

ठंड से ठिठुरा झारखंड

कई हिस्सों में बारिश

शुभम किशोर। रांची

सर्द हवा और कोहरे के चलते राजधानी रांची समेत पूरे झारखंड में में कड़ाके की ठंड पड़ रही है. कई जिलों में बारिश भी हो रही है. कई जगहों पर देर रात से बारिश हो रही है. चाईबासा में रात भर बारिश हुई है. घाटशिला और जामताड़ा में भी सुबह से ही बारिश हो रही है. धनबाद और बोकारो में भी बूंदा-बांदी हुई है. राजधानी रांची में भी बूंदाबादी हुई है. मौसम विभाग ने ठंड को लेकर यलो अलर्ट भी जारी किया है. राजधानी रांची में घने कोहरे ने सुबह- सुबह पूरे शहर को ढंक रखा है. कई जिलों में सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला नजर आया. कहीं बादल दिखे, कहीं धुंध तो कहीं बारिश ने मौसम बदल दिया है. इससे ठंड काफी बढ़ गयी है. मौसम विभाग ने झारखंड में अगले तीन दिनों तक घना कोहरा छाये रहने की संभावना जताई है. विजिबिलिटी कम रहने से लोगों ने दिन में ही अपने वाहनों की लाइट जला कर सफर किया. पिछले 24 घंटों में राज्य में कई स्थानों पर हल्के से मध्यम वर्षा हुई. सबसे अधिक वर्षा 54.4 एमएम सिमडेगा में दर्ज की गयी. कुछ जिलों में घना कोहरा दिखा. उच्चतम तापमान 23.8 चाईबासा में, जबकि न्यूनतम तापमान 10 डिग्री पाकुड़ में दर्ज किया गया. मौसम विभाग के अनुसार अगले 3-4 दिनों में 2-4 डिग्री की गिरावट होगी.

तापमान में आएगी गिरावट, बढ़ेगी ठंड : बारिश की वजह से राज्य के कुछ हिस्सों में तापमान में गिरावट आ सकती है. सुबह-शाम ठंड का अनुभव होगा. जिन इलाकों में बारिश की संभावना है, वहां भी तेज बारिश नहीं होगी, हल्की बारिश हो सकती है. बिहार से सटे हुए झारखंड के इलाकों में घटना कोहरा होने की संभावना है. राज्य के मध्य और दक्षिण पूर्व भाग में ही घने कोहरे की संभावना जताई जा रही है. मौसम विभाग ने बदलते मौसम के आधार पर लोगों से सतर्क रहने की अपील की है.

23.8⁰ उच्चतम तापमान चाईबासा में दर्ज किया गया

10⁰ डिग्री न्यूनतम तापमान पाकुड़ में दर्ज किया गया

19 से 23 तक सुबह में कोहरे के बाद आंशिक बादल छाएंगे

कई जगहों पर अगले तीन दिन तक घना कोहरा छाया रहेगा. राज्य में अगले दो से तीन दिनों में न्यूनतम तापमान धीरे-धीरे दो से तीन डिग्री की बढ़ोतरी होगी. इसके बाद अगले दो से तीन दिनों में दो से तीन डिग्री की गिरावट होगी. शुक्रवार से सुबह में कोहरे, धुंध के बाद आंशिक बादल छाए रहेंगे. 23 तक ठंड से राहत मिलने की संभावना नहीं है, उसके बाद थोड़ी कमी आने के आसार हैं.

आज भी कई इलाकों में बारिश की संभावना

मौसम विभाग ने राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश की संभावना जाहिर की है. शुक्रवार को भी राज्य के कुछ इलाकों में बारिश हो सकती है. बारिश के बाद तापमान में थोड़ी गिरावट आ सकती है. राज्य के मध्य और पूर्वी भागों में आज बारिश की संभावना है. राज्य के कई हिस्सों में बल्कि बारिश हो सकती है.

बदला क्लास 5 तक स्कूलों का टाइम, आदेश जारी

झारखंड में बढ़ी हुई ठंड और शीतलहरी को देखते हुए स्कूलों के समय में परिवर्तन किया गया है. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इसे लेकर आदेश जारी कर दिया है. राज्य में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त और गैर सहायता प्राप्त (अल्संख्यक सहित) और सभी प्राइवेट स्कूलों के टाइम टेबल में परिवर्तन हुआ है. 19 जनवरी से 25 जनवरी तक केजी से पांचवीं (प्राइमरी) की कक्षाएं सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेंगी. जबकि क्लास 6 से 12 तक की कक्षाएं पहले की तरह सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेगी.

घने कोहरे के कारण रांची से 14 उड़ानें रद्द

घने कोहरे के कारण गुरुवार को यहां बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर 14 उड़ानें रद्द कर दी गईं. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. किसी भी उड़ान के रवाना होने या सुरक्षित तरीके से उतरने के लिए 1,300 मीटर से ऊपर की दृश्यता की आवश्यकता होती है. एक मौसम अधिकारी ने बताया कि रांची में गुरुवार दोपहर दो बजे तक दृश्यता 50 मीटर से 500 मीटर के बीच रही. रांची हवाई अड्डा के निदेशक आरआर मौर्य ने बताया, खराब मौसम के कारण दोपहर दो बजे तक 14 उड़ानों का आगमन और प्रस्थान रद्द कर दिया गया. उन्होंने कहा कि दोपहर में भी घने कोहरे के कारण कई और उड़ानें रद्द की जा सकती हैं. वर्तमान में, कुल मिलाकर 44 उड़ानें बिरसा मुंडा हवाई अड्डे से संचालित होती हैं. उड़ानें रद्द होने से कई यात्री हवाई अड्डा पर फंसे हुए हैं. हवाई अड्डा के एक अन्य अधिकारी ने कहा, यह उड़ान संचालकों की जिम्मेदारी है कि वे यात्रियों की समस्याओं से कैसे निपटते हैं.

कहां कितना तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	22.1	14.5
जमशेदपुर	23.2	15.0
डाल्टेनगंज	22.6	12.5
बोकारो	22.1	14.5
देवघर	19.3	11.8
गिरिडीह	18.2	12.9
गढ़वा	18.0	12.2
गोड्डा	17.8	10.9

पीएम ने राम मंदिर स्मारक डाक टिकट जारी किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अयोध्या में राम मंदिर पर स्मारक डाक टिकट और दुनिया भर में भगवान राम पर जारी डाक टिकटों की एक पुस्तक जारी की और कहा कि ये श्री राम, माता सीता और रामायण की एक झलक पेश करते हैं. उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा कि डाक टिकट केवल कागज या कलाकृति का एक टुकड़ा भर नहीं हैं बल्कि यह महाकाव्यों और महान विचारों का एक लघु रूप हैं. इसके डिजाइन में राम मंदिर, चौपाई 'मंगल भवन अमंगल हारी' सूर्य, सरयू नदी और मंदिर की एवं इसके आसपास की मूर्तियां शामिल हैं. छह डाक टिकट राम मंदिर, भगवान गणेश, भगवान हनुमान, जटायु, केवटराज और मां शबरी पर हैं. मोदी ने कहा कि राम, सीता और रामायण का महात्मय समय, समाज, जाति, धर्म और क्षेत्र की सीमाओं से परे है और ये हर किसी को जोड़ते हैं.

केंद्रीय कार्यालयों में 22 को आधे दिन की छुट्टी

नयी दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के कारण 22 जनवरी को देश भर में केंद्र सरकार के सभी कार्यालय आधे दिन के लिए बंद रहेंगे. कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में गुरुवार को यह जानकारी दी गई. राम मंदिर के गर्भगृह में राम लला की नई मूर्ति का ''प्राण प्रतिष्ठा'' समारोह सोमवार को निर्धारित है. यह समारोह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाना तय है. मंत्रालय ने केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों को जारी आदेश में कहा, अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जश्न 22 जनवरी को पूरे भारत में मनाया जाएगा. इस उत्सव में कर्मचारी भाग ले सकें, इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि पूरे भारत में केंद्र सरकार के सभी कार्यालय, केंद्रीय संस्थान और केंद्रीय औद्योगिक प्रतिष्ठान 22 जनवरी को अपराह्न ढाई बजे तक आधे दिन के लिए बंद रहेंगे.

असम की सरकार भारत में सबसे भ्रष्ट: राहुल गांधी

भाषा। शिवसागर (असम)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को दावा किया कि देश में शायद सबसे भ्रष्ट सरकार असम में है. भारत जोड़ो न्याय यात्रा के नगालैंड से असम में प्रवेश करने के बाद, गांधी ने भाजपा और आरएसएस की आलोचना की और कहा कि वे नफरत फैला रहे हैं और जनता का पैसा लूट रहे हैं. गांधी ने शिवसागर के हालोवाटिंग में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, भारत में सबसे भ्रष्ट सरकार असम में है. हम न्याय यात्रा में असम के मुद्दों को उठाएंगे. मणिपुर पर बात करते हुए गांधी ने कहा कि वहां गृह युद्ध जैसी स्थिति है. उन्होंने कहा, भाजपा-आरएसएस नफरत फैला रहे और एक - दूसरे से लड़वा रहे हैं. उनका एकमात्र काम जनता का पैसा लूटना है. राहुल ने आरोप लगाया कि सभी भाजपा शासित राज्य आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक अन्याय का सामना कर रहे हैं. यात्रा में इन सभी मुद्दों को उठाया जाएगा. असम में यह यात्रा 25 तक जारी रहेगी. उधर, असम के सीएम हिमंता विश्व शर्मा ने पलटवार करते हुए कहा कि गांधी परिवार देश में सबसे भ्रष्ट है. सीएम ने कहा, गांधी परिवार देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है. यह न्याय यात्रा नहीं, मियां यात्रा है.

जाके प्रिय न राम वैदेही

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

कांग्रेस के नये दिमागदार सलाहकार जयराम रमेश ने तीन बड़े नेताओं के अयोध्या न जाने के जाने के जो कारण बताये हैं, वे काबिल-ए-गौर हैं.

प्रसंगवश

कांग्रेस ने फैसला कर लिया है. उसके तीन बड़े नेता सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और अधीर रंजन चौधरी रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नहीं जाएंगे. लेकिन जो कांग्रेसी निजी हैसियत से अयोध्या जाएंगे, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी. कार्रवाई क्यों नहीं होगी, इसका कोई युक्तिसंगत उत्तर कांग्रेस ने नहीं दिया है. तो क्या कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व मंदिर के प्रश्न पर पार्टी में संभावित भूचाल से चौकन्ना हो गया है ? क्या उसे यह भय सता रहा है कि कांग्रेसियों को अयोध्या जाने से रोका गया, तो पार्टी में कोलाहल की स्थिति पैदा हो जाएगी ? कांग्रेस के नये दिमागदार सलाहकार जयराम रमेश ने तीन बड़े नेताओं के अयोध्या न जाने के जो कारण बताये हैं, वे काबिल-ए-गौर हैं. पहला यह कि रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह संघ और विहिप की राजनीतिक परियोजना है. बिल्कुल सही है. यदि अयोध्या आंदोलन राजनीतिक नहीं होता और उसे सांस्कृतिक चाशनी में डुबोकर समाज में परोसा नहीं गया होता, तो आज मंदिर नहीं बन रहा होता. यह मुद्दा तो राजनीतिक उसी दिन बन गया था, जिस दिन अपने पालमपुर अधिवेशन में भाजपा ने इसे अंगीकार कर लिया था. उसके बाद से भाजपा अपने चुनावी घोषणा पत्रों में कहती रही है कि मंदिर वहीं बनाएंगे और कांग्रेस सहित अनेक विपक्षी पार्टियां तंज कसती रही हैं- तारीख नहीं बताएंगे. अब भाजपा 22 जनवरी की तारीख बता रही है, तो सभी विघ्नसंतोषी कह रहे हैं कि हम नहीं जाएंगे. कांग्रेस भी तो कहती रही है कि उसने मंदिर का ताला खुलवाया और शिलान्यास की अनुमति दी, तो क्या वह राजनीति नहीं कर रही थी ?

कांग्रेस सांप्रदायिक ताकतों की पुरानी इश्कबाज है : दरअसल राजनीति दोनों तरफ से हुई और अब भी हो रही है. फर्क सिर्फ इतना है कि कांग्रेस चिलमन से लगी बैठी है और चिथड़े हो चुकी शश्तिराना सेक्युलरिटी सियासत की ओट से चालें चल रही है और भाजपा खुला खेल फर्रुखाबादी के अंदाज में ललकार रही है. कांग्रेस सांप्रदायिक ताकतों की पुरानी इश्कबाज है. उसने राम मंदिर के बारे में जो भी पहल की, उसका कारण शाहबानो मामले में उसके रवैये से उपजा आक्रोश था. तब उसने कठमुल्लों के आगे घुटने टेक दिये थे और सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलट दिया था. जनता सब जानती है और देख भी रही है. उसे पता है कि अयोध्या में राम मंदिर के लिए कौन कितना लड़ा, मरा, खपा और कौन समय-समय पर अड़ंगे लगाता रहा. निश्चित रूप से लोकसभा चुनाव में राम मंदिर सबसे प्रमुख मुद्दा होगा और भाजपा इसे उबाल बिंदु तक पहुंचाने में न कोई कसर छोड़ेगी, ना ही संकोच करेगी. कांग्रेस ने अपने शीर्ष नेताओं के बायकाट का दूसरा कारण यह बताया है कि धर्म निजी आस्था का मामला है. इसका सार्वजनिक प्रदर्शन नहीं करना चाहिए. बिल्कुल दुरुस्त बात है. लेकिन यह दिव्य ज्ञान कांग्रेस को कब प्राप्त हुआ? क्या अब राहुल गांधी कोट और कुर्ते के ऊपर जनेऊ पहन कर अपने गोत्र और जाति के बारे में नहीं बताएंगे? क्या त्रिपुंडधारी, भगवा वस्त्रधारी, मंदिरगामी महान कांग्रेसियों के दर्शन अब दुर्लभ हो जाएंगे? प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बहिष्कार का कारण यह भी बताया गया है कि मुहूर्त गलत है, मंदिर भी आधा-अधूरा है और शंकराचार्य भी इसके खिलाफ हैं.

-शेष पेज 12 पर

स्वास्थ्य मंत्रालय का बड़ा फैसला

एंटीबायोटिक्स लिखें, तो डॉक्टर्स को पर्ची पर लिखनी होगी वजह

एजेंसी। नयी दिल्ली

सरकार ने एंटीबायोटिक दवाओं को अधिक मात्रा में लिखने पर रोक लगाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए एक चेतावनी जारी की है, जिसमें डॉक्टरों से एंटीबायोटिक दवाएं लिखते समय निश्चित रूप से कारण लिखने के लिए कहा गया है. देश में लोग एंटीबायोटिक का उपोग धड़ल्ले से करते हैं. इसे खाने का दुष्परिणाम क्या होता, इससे ज्यादातर लोग अनजान हैं. इस कारण हर वर्ष विश्व में कितनी मौतें होती है, हमारे स्वास्थ्य पर यह कितना बुरा असर डालता है, इस बारे जानना बेहद जरूरी है. अब इस गंभीर मसले पर सरकार ने ध्यान देना शुरू कर दिया है. स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल ने मेडिकल कॉलेजों के डॉक्टरों से एक पत्र में अपील की है कि एंटीबायोटिक दवा लिखते समय उचित कारण का अनिवार्य रूप से उल्लेख करें.

दवाई दुकानदारों को भी नसीहत

एंटीबायोटिक को लेकर सरकार ने एक पत्र जारी किया है जिसमें डॉक्टर्स, फार्मासिस्टों को नसीहत देते हुए कहा कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स नियमों की अनुसूची एच और एच1 को लागू करें और केवल वैध नुस्खे देखने के बाद ही एंटीबायोटिक्स बेचें. सरकार ने बताया कि एंटीबायोटिक विश्व के शीर्ष स्वास्थ्य खतरों में से एक है. पत्र में कहा गया है, अनुमान है कि वर्ष 2019 में 1.27 मिलियन वैश्विक मौत बैक्टीरिया एएमआर के कारण हुई है, जबकि 4.95 मिलियन मौतें केवल दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों से हुई.

खतरनाक है लगातार सेवन : एंटीबायोटिक्स चिकित्सा के लाभों को खतरे में डालता है. यह प्रतिरोधी रोगाणुओं के कारण संक्रमण की रोकथाम और इलाज को भी खतरे में डालता है, जिससे लंबी बीमारी होती है और मृत्यु का खतरा बढ़ता है. पत्र में कहा गया कि डॉक्टर मेडिकल कॉलेजों में अगली पीढ़ी के डॉक्टरों के लिए एंटीबायोटिक्स का सही उपयोग करना इन्हें बताएं.

उरांव समाज का देव स्थल में पक्की शेड का निर्माण होगा: दीपक बिरुवा

बारिश के बीच विधायक ने शेड निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

संवाददाता। चाईबासा

शहर के पुलहातु में स्थित उरांव समाज का देव स्थल में पक्की शेड का निर्माण होगा. इसका शिलान्यास गुरुवार को रिमझिम बारिश के बीच विधायक दीपक बिरुवा में विधिवत पूजा अर्चना के बाद किया. विधायक ने सर्वप्रथम पुलहातु देव स्थल में पूजा-अर्चना की. इसके बाद विधायक ने शेड निर्माण कार्य का शिलान्यास उरांव समाज के श्रद्धालु की उपस्थिति में किया. मालूम हो कि पुलहातु देव स्थल में पक्की शेड निर्माण को लेकर लंबे समय से मांग की जा रही थी. विधायक ने अपने विधायक निधि से यहां पक्की शेड निर्माण करने की स्वीकृति प्रदान की है. जिसके तहत जल्द ही पक्की शेड का निर्माण कर समाज को सुपुर्द किया जाएगा. विधायक ने कहा कि देवी देवताओं के आशीर्वाद और क्षेत्र की जनता के प्रेम के कारण क्षेत्र में विकास संभव हो पाया है और तेजी से विकास हो रहा है. श्रद्धालुओं को परेशानी ना हो इसके लिए देव स्थल पर पक्की शेड का निर्माण कराया जा रहा है. उन्होंने कहा कि देवस्थलों के सौंदर्यीकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं.

जरूरतमंदों के बीच बांटे कंबल

मौके पर विधायक ने अपनी ओर से उरांव समाज के जरूरतमंदों के बीच कंबल का भी वितरण किया. विधायक ने कहा कि बढ़ते ठंड को देखते हुए जरूरतमंदों के बीच कंबलों का वितरण किया जा रहा है. ताकि खासकर जरूरतमंद बुजुर्गों को इस कड़ाके की ठंड से निजात दिलाया जा सके. मौके पर जिला 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति सदस्य सुभाष बनर्जी, पुलहातु मुखिया धर्मा तिग्गा, मेरीटोला मुखिया सह पूर्व नप कार्यकारी अध्यक्ष डोमा मिंज, चित्रटोला मुखिया संचू तिर्की, छेदिया कच्छप, विश्वकर्मा टोप्पो, वीरेंद्र तिर्की,किरण मुनिया, ललिता खलको समेत सातों अखाड़ा के उरांव समाज की महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित थे.

आओ जानें
सपनों से जुड़े रोचक तथ्य

- जो व्यक्ति 6 घंटों से कम सोते है वो कम सपने देखते है.
- एक व्यक्ति अपने पूरे जीवन में 6 वर्षों का समय सपने देखने में व्यतीत कर देता है.
- 1990 में रंगीन टीवी आने से पहले तक अधिकांश लोग ब्लैक एन्ड वाइट सपने ही देखा करते थे.
- अधिक सोचने वाले लोगो को कम सोचने वाले व्यक्तियों की तुलना में अधिक सपने आते है.
- आदमियों के सपनो में 70 प्रतिशत लोग पुरुष ही होते है जबकि स्त्रियों के सपनों में स्त्री-पुरुष समान रूप से आते है.
- जन्म से ही ना देख पाने वाले व्यक्ति सपने देखने के बजाए भावनाएं, ध्वनियां एवं गंध इत्यादि को अनुभव करते है.
- बहुत से लोग अपने सपनों के दौरान लकवाग्रस्त भी हो जाते है जोकि रैपिड आई मूवमेंट के समय होता है. बहुत से मामलो में तो उठने के 10 मिनट बाद भी यह हालत बनी रहती है.

▼ ब्रीफ खबरें

केवी मेघाहातुबुरु के समीप पेड़ गिरा, हादसा टला

किरीबुरु। केन्द्रीय विद्यालय मेघाहातुबुरु के समीप मुख्य मार्ग पर एक गुलमोहर का पेड़ जड़ से उखड़ कर गिरने से बडा.हादसा टला. यह पेड़ शहर में जारी भारी वर्षा के दौरान आज दोपहर में तब गिरा जब इस मार्ग से एक भी वाहन या लोग गुजर नहीं रहे थे. अगर यह पेड़ दोपहर 2 बजे के आसपास गिरता तो कई वाहन व लोग इसके चपेट में आते, जिससे जान-माल का नुकसान होता. केन्द्रीय विद्यालय की छुट्टी के दौरान काफी संख्या में लोग दोपहिया, चारपहिया वाहनों या पैदल अपने-अपने बच्चों को लेने स्कूल आते हैं.

गुवा में घर पर गिरा पेड़, घर क्षतिग्रस्त

किरीबुरू। गुवा के जाटा हाटिंग निवासी सागर गोप के घर पर एक बड़ा नीम का पेड़ गिर जाने से घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. इस दुर्घटना में घर में मौजूद लोग बाल-बाल बच गये. इस घटना की सूचना गुवा वन विभाग को दी गई. सूचना पाकर वन कर्मियों ने पेड़ गिरने से क्षतिग्रस्त घर की जांच की. परंतु वन विभाग कर्मियों ने मुआवजा देने से यह कहते हुये मना कर दिया की उक्त घर सेल की गुवा प्रबंधन के लीज क्षेत्र में अवैध रुप से बनाया गया है.

सिक्योरिटी गार्ड व सुपरवाइजर की डायरेक्ट बहाली 20 को

डुमरिया। डुमरिया थाना परिसर में 20 जनवरी शनिवार को सिक्योरिटी गार्ड व सुपरवाइजर की सीधी बहाली की जायेगी. दसवीं पास से ग्रेजुएट युवा इस बहाली में भाग ले सकते हैं. गार्जियंस सिक्योरिटी एकाडमी द्वारा सीधी बहाली में चयनित युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा. साथ ही उन्हें निर्धारित वेतनमान पर नियोजित किया जायेगा.
गार्जियंस सिक्योरिटी एकाडमी के रिक्रुटमेंट ऑफिसर राजेंद्र तिवारी व थाना प्रभारी संजीवन उरांव ने बेरोजगार युवाओं से सीधी बहाली में भाग लेने की अपील की है.

भाकपा के सोपोडेरा ब्रांच का 30 साल बाद गठन

जमशेदपुर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की बैठक सोपोडेरा दास भवन में हुई. इसकी अध्यक्षता गणेश दास ने की. उन्होंने कहा कि पार्टी के जिला सचिव कामरेड अंबुज कुमार ठाकुर के प्रयास एवं सभी साथियों का संघर्ष का परिणाम है कि 30 वर्षों के बाद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का सोपोडेरा में ब्रांच का गठन किया गया है.
सर्वसमिति से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सोपोडेरा ब्रांच का सचिव गणेश दास को बनाया गया. उप सचिव नीरज दास और कोषाध्यक्ष उपेंद्र यादव को बनाया गया.

न्यूनतम तापमान 12 डिग्री पहुंचा, अलाव बना सहारा

किरीबुरु। किरीबुरु-मेघाहातुबुरु में वर्षा व बादलों के साथ-साथ चल रही सर्द हवाओं की वजह से शहर का न्यूनतम तापमान 12-13 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा. अचानक बढी.ठंड से बचने के लिये लोग दिन में भी गर्म कपडा.व टोपी पहन इलेक्ट्रिक हीटर अथवा अलाव सेकते नजर आये.
मेघाहातुबुरु के मीना बाजार में भी कुछ युवक एक दुकान शेड के नीचे हीटर जलाकर सेकते नजर आये. आज किरीबुरु का न्यूनतम तापमान 12 डिग्री एवं अधिकतम 18 डिग्री तक रहने का अनुमान है.

टोंटोगड़ा क्षेत्र में हाथी आने से ग्रामीण भयभीत

किरीबुरु। सारंडा जंगल के छोटानागरा थाना अन्तर्गत टोंटोगड़ा गांव क्षेत्र में एक हाथी के आ जाने से ग्रामीणों में भय व्याप्त है.
टोंटोगड़ा के मुंडा सेलाय बुरमा ने बताया की एक हाथी गांव से सटा जंगल में मौजूद है. गांव के लोग सुबह जब पत्ता तोड़ने गये तो उक्त हाथी ने उन लोगों को काफी दूर तक दौड़ाया. सभी ग्रामीण व बच्चे सुरक्षित भाग कर गांव पहुंच गये. किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंच है. उसने बताया कि हाथी से हम ग्रामीणों में भयभीत हैं. अगर गांव में घुसा तो नुकसान पहुंचा सकता है.

बाइक से गिरकर गंभीर रूप से युवक घायल

नोवामुंडी। नोवामुंडी प्रखंड अंतर्गत बड़ाजामदा से गुवा आने के क्रम में गुवा सेवा नगर निवासी 21 वर्षीय कार्तिक करुवा मोटरसाइकिल से गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया. इस दुर्घटना में उसके चेहरे एवं आंख पर गंभीर चोटें लगी है. घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को बड़ाजामदा में हाट बाजार लगता है. इसी हाट बाजार में गुवा निवासी कार्तिक करुवा सब्जी खरीदने बड़ाजामदा गया हुआ था.

सीओ कहते हैं, सीएनटी एक्ट की धारा-49 (6) ए के तहत नेवटिया ने आदिवासी जमीन खरीदी

जमीन खरीद -बिक्री में उड़ रही है सीएनटी एक्ट की धज्जियां

संवाददाता। चाईबासा

चाईबासा तथा इसके आसपास इलाकों में आदिवासी जमीनों की खरीद-बिक्री में सीएनटी एक्ट की खुलेआम धज्जियां उड़ायी जा रही है. इसका खुलासा सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मिली सूचना से हुआ है. दरअसल कोल्हान भूमि बचाओ समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार सावैयां ने उप समाहर्ता, भूमि सुधार (एलआरडीसी) चाईबासा से सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत पूछा था कि सीएनटी एक्ट-1908 की धारा-49 में कितनी उपधाराएं हैं. इसके जवाब में जन सूचना पदाधिकारी सह उप समाहर्ता प्रभारी, विधि शाखा चाईबासा ने जानकारी दी है कि इस अधिनियम की धारा-49 में केवल पांच उपधाराएं है. श्री सावैयां का कहना है कि ऐसे में उद्योगपति बनवारी लाल नेवटिया का यह दावा कि उन्होंने सीएनटी एक्ट की धारा-49 की उपधारा (6) ए के तहत आदिवासी रैयत डीबर देवगम की जमीन खरीद लिया है. बिल्कुल झूठा और फर्जी है. क्योंकि एलआरडीसी सूचना में कानूनी तौर कह रहे हैं कि धारा-49 में पांच तक ही उप धाराएं मौजूद हैं.

कौन सही बोल रहा है

यदि एलआरडीसी की सूचना सही मानी जाये, तो सदर अंचलाधिकारी का दावा गलत हो जायेगा. क्योंकि उन्होंने ही तीन महीने पूर्व जमीन मालिक डीबर देवगम को नोटिस (सीमांकन वाद संख्या-154/2023-2024) भेजकर कहा था कि उनकी जमीन को श्री नेवटिया ने सीएनटी एक्ट की धारा-49 (6) ए के तहत खरीद लिया है. अंचलाधिकारी ने उस नोटिस में ये भी कहा था कि डीबर की इस जमीन, जिसका खाता-54, प्लॉट-1116, रकवा-1.44 एकड़ है, की खरीद बनवारी लाल नेवटिया ने 25 नवंबर 1988 में अपर उपायुक्त से अनुमति प्राप्त कर किया था. जबकि उनके बड़े अधिकारी एलआरडीसी कहते हैं कि ऐसी उप धारा तो धारा-49 में तो है ही नहीं. इससे साफ पता चलता है कि संबंधित अधिकारी भी यहां सीएनटी एक्ट-1908 का अक्षरश: अनुपालन नहीं कर रहे हैं. बल्कि उनकी गलत व्याख्या कर जमीन हस्तांतरण में फर्जीवाड़े को अंजाम दिया जा रहा है.

खास बातें

- सूचना का अधिकार अधिनियम से प्राप्त सूचना से हुआ खुलासा
- धारा-49 में पांच तक ही उप धाराएं भी मौजूद हैं

खामियाजा रैयतों को भुगतना पड़ रहा है

इसका खामियाजा यहां के भोले-भाले आदिवासी रैयतों को भुगतना पड़ रहा है. जनप्रतिनिधि भी इस मामले में खामोश हैं. सीएनटी एक्ट में तो थाना क्षेत्र की बाध्यता की भी धज्जियां उड़ायी जा रही है. अंचल कार्यालय हो या अवर निबंधन कार्यालय या फिर भूमि सुधार विभाग हर जगह भ्रष्ट अधिकारियों व भू-माफियाओं का ही बोलबाला है. कहने को सीएनटी एक्ट-1908 आदिवासी जमीनों की सुरक्षा के लिये बनी थी. लेकिन भू-माफियाओं ने संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से इसे मजाक बना दिया है.

वर्षा व घना कोहरा से जनजीवन प्रभावित

संवाददाता। किरीबुरु

किरीबुरु-मेघाहातुबुरु समेत सारंडा क्षेत्र में गुरुवार की अहले सुबह से जारी भारी वर्षा, ठंड व घने कोहरे की वजह से जन जीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है. सुबह केन्द्रीय विद्यालय समेत अन्य स्कूलों के बच्चे वर्षा के बीच भींग कर स्कूल जाते दिखे. कुछ बच्चों को तो चप्पल में स्कूल जाते देख जब कारण पूछा गया तो उसने बताया कि जूता साथ में है, लेकिन भींग जाएगा, इसलिए चप्पल पहन स्कूल जा रहे हैं. स्कूल में चेंज कर लेंगे. खराब मौसम व वर्षा की वजह से स्कूलों में बच्चों की

उपस्थिति आज कम रही. घने कोहरे की वजह से दिन में भी अंधेरा जैसा नजारा है. भारी वर्षा की वजह से मेन मार्केट क्षेत्र का ड्रेनेज नाली जाम होने के कारण जल जमाव की स्थिति देखने को मिल रही है. जल जमाव के कारण दुकानदारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है.

ठंड को लेकर पूर्व विधायक ने कराया अलाव की व्यवस्था

चक्रधरपुर। बढ़ती ठंड को देखते हुये चक्रधरपुर के पूर्व विधायक शशिभूषण सामड ने चक्रधरपुर शहर के विभिन्न स्थानों पर अलाव का व्यवस्था कराया. अलाव की व्यवस्था होने पर शहर के ठेला चालक, दैनिक मजदूरी करने वाले लोगों को ठंड से राहत मिली. मौके पर पूर्व विधायक शशिभूषण सामड ने कहा कि पिछले दो दिनों से बारिश के कारण अत्यधिक ठंड बढ़ गई है. जिससे आमजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. खासकर रिक्शा, ठेला चालक व मजदूरी करने वाले लोगों को ठंड में परेशानी बढ़ गई है.इसे देखते हुये ही शहर के विभिन्न स्थानों पर अलाव की व्यस्था करायी गई है. इस मौके पर भाजपा नेता गणेश तांती, रुपेश साव, दुर्योधन प्रधान, मुन्ना साव, मो.फिरोज, दुर्गा महतो समेत अन्य मौजूद थे.

प. सिंहभूम जिला तीरंदाजी संघ का किया गया पुनर्गठन

संवाददाता। चाईबासा

आदिवासी हो समाज महासभा, कला संस्कृति भवन हरिगुटू, चाईबासा में पश्चिम सिंहभूम जिला तीरंदाजी संघ का पुनर्गठन करते हुए अध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवार का प्रस्ताव आया और चुनाव प्रक्रिया के द्वारा किया गया. जिसमें सिध्दार्थ पाड़ेया को 26 में से 22 वोट मिले वही तुरी सुन्डी को 26 मे से मात्र 4 वोट मिले. वहीं सचिव पद के लिए भी दो उम्मीदवार का प्रस्ताव आया. जिसमें महर्षि महेन्द्र सिंकू व गंगाधर नाग दोनों के बीच मे वोटिंग किया गया. महर्षि महेन्द्र सिंकू को 26 मे से 18 वोट मिले एवं गंगाधर नाग को 26 में से मात्र 6 वोट मिला और सुमित बलमुचु को कोषाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुना गया. संघ का पुनर्गठन हेतु झारखंड तीरंदाजी संघ की ओर से दो पर्यवेक्षक के रूप में हरेन्द्र कुमार सिंह एवं राहुल कुमार सिंह के देखरेख मे शांति एवं सफलपूर्वक चुनाव को सम्पन्न कराया गया. जिला खेल पदाधिकारी रूपारानी तिर्की को भी उक्त कार्यक्रम में शामिल रही.

खास बातें

- सिध्दार्थ पाड़ेया 22 वोट पाकर अध्यक्ष चुने गये
- सचिव पद पर महर्षि महेन्द्र सिंकू ने विजय श्री प्राप्त की

उन्हीं के माध्यम से विजेता उम्मीदवार का घोषणा किया गया. तीरंदाजी संघ के पुनर्गठन मे पहली बार जिला खेल पदाधिकारी का मौजूदगी में संघ का चुनाव संवैधानिक तरीके से किया गया. साथ ही खेल पदाधिकारी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष को ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं दिए. मौके पर पश्चिम सिंहभूम ओलम्पिक एसोसिएशन के महासचिव अजय नायक, अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक राजेन्द्र गुईया, तुरी सुन्डी, बोड़नायक कुंकल ,संगीता महतो, पुष्पा बोयपाई एवं जिले के विभिन्न केन्द्र, क्लबों एवं केजीबीवी स्कूल पदाधिकारियों का सहयोग सराहनीय रहा.

पूर्व मंत्री बड़कुवर गागराई का जिप सदस्य ने किया स्वागत

संवाददाता। मझगांव

झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री सह पूर्व मझगांव विधायक बडकुंवर गागराई को भाजपा का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर मझगांव जिला परिषद सदस्य सह भाजपा नेता लंकेश्वर तामसोय ने मझगांव में मिलकर फूल माला पहनाकर स्वागत किया. भाजपा नेता ने कहा कि केंद्र नेतृत्व ने जिश आशा और भरोसे के साथ पूर्व मंत्री बडकुंवर गागराई को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाई है वह काफी सराहनीय है, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में बडकुंवर गागराई पूरे झारखंड के साथ-साथ कोल्हान के एक-एक कार्यकर्ता को पार्टी में जोड़ने का कार्य करते आए हैं और अब बेहतर तरीके से भी करेंगे. 2024 का आम चुनाव और विधानसभा चुनाव मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बनना तय है. बडकुंवर गागराई पार्टी के लिए हमेशा कद्दावर नेता रहे हैं.

खास बातें

- बडकुंवर गागराई को भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बनाये गये
- मझगांव में मिलकर फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया

सड़क मरम्मत व चौड़ीकरण के लिए कार्यपालक अभियंता को सौंपा पत्र

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर शहर के तम्बाकू पट्टी से लेकर टेबल लाईन तक सड़क की मरम्मत कराने व अन्य मांगों को लेकर राष्ट्रीय भ्रष्टाचार नियंत्रण एवं जन कल्याण संगठन के राज्य महासचिव तजम्मुल हुसैन उर्फ जॉनी ने नगर परिषद् के कार्यपालक पदाधिकारी राहुल यादव से मुलाकात किया. इस दौरान उन्होंने कार्यपालक पदाधिकारी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते हुये समाधान के लिए मांग पत्र सौंपा. उन्होंने कार्यपालक पदाधिकारी से कहा कि तम्बाकू पट्टी से टेबल लाईन तक सड़क जर्जर रहने के कारण काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है.खासकर बच्चों को स्कूल आवाजाही में दिक्कतें उठानी पड़ती है. सौंपे गए पत्र में कहा गया है कि इन दिनों चक्रधरपुर के शहरी क्षेत्रों में कहीं भी फुटपाथ एवं पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने के कारण आम राहगीरों का चलना मुश्किल हो गया है.वहीं पक्की गल्ली, अतुल वस्त्रालय के सामने एक चापानल है, जिसमें निजी पंप डाला गया है, जिससे हैंडपंप बार-बार खराब हो जाता है. यहां एक जलमीनार बनाकर इस समस्या को दूर कर राहगीर और आसपास दुकानदारों को पानी की समस्या से राहत दी जाए.

स्थायीकरण में अड़चन पैदा कर रहे लोग : आरके सिंह

संवाददाता। जमशेदपुर

टाटा मोटर्स में अस्थायी कर्मियों के स्थाईकरण पर पैकेज और एक्शन प्लान को लेकर टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन लगातार प्रयासरत है पर कुछ लोग है जो इसमें अड़चन पैदा कर रहे है. यह बाते गुरुवार को यूनियन के महामंत्री आरके सिंह ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कही. आर के सिंह ने कहा कि अस्थायी कर्मियों के मुद्दे को लेकर यूनियन लगातार प्रबंधन और सरकार के साथ वार्ता कर रहा है. अगर यह एक्शन प्लान अमल में आता है तो यह यूनियन के साथ-साथ अस्थायी कर्मियों के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि साबित होगी. आरके सिंह ने सीधे तौर पर कहा कि हर्षवर्धन सिंह टेल्को वर्कर्स यूनियन का मेंबर नहीं है पर फिर भी वह राज्यपाल को पत्र लिखकर वार्ता में शामिल होने की मांग करते है.

प्लांट हेड के साथ चल रही वार्ता

आरके सिंह ने बताया कि सभी अस्थायी कर्मी यूनियन से आस लगाए बैठे है कि स्थाईकरण में उनका नंबर कर आएगा. इसको लेकर प्लांट हेड के साथ वार्ता चल रही है और जल्द ही इसका परिणाम भी सामने आएगा. टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन अपने मजदूरों के लिए काम करती है और साथ ही वह प्रबंधन के लिए भी काम करती है. अब ऐसे में कुछ लोग इस उपलब्धि से जल रहे है और वे नहीं चाहते की यूनियन मजदूर हित में काम करे.

आयोजन लोकसभा स्तरीय महिला कांग्रेस मैत्री सम्मेलन का आयोजन

नारी शक्ति के बिना कोई भी कार्य अधूरा : गुंजन

संवाददाता। चाईबासा

सिंहभूम लोकसभा स्तरीय महिला कांग्रेस मैत्री सम्मेलन गुरुवार को कांग्रेस भवन चाईबासा में लोकसभा महिल कांग्रेस जिलाध्यक्ष नीतिमा बारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया. सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह मौजूद थी. सम्मेलन में पूर्व और वर्तमान महिला पदाधिकारियों के साथ-साथ नए लोगों को जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया. महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गुंजन सिंह ने कहा कि नारी शक्ति के बिना कोई भी कार्य अधूरा है. उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए हम सभी को सशक्त रहना होगा. महिला कांग्रेस पार्टी का सशक्त विंग है. ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को पार्टी से जोड़कर आने वाले लोकसभा चुनाव 2024 में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को विजयी बनाने के लिए पहल करनी है. सभी अग्रणी मोर्चा संगठन को संगठित होकर कार्य करने की जरूरत है. आगे उन्होंने कहा कि महिला बहनों को मिशन 2024 को लेकर कार्य करने की आवश्यकता है. सभी लोगों को कांग्रेस की विचारधारा को शहर से लेकर गांव तक पहुंचाने के लिए काम करने की जरूरत है. कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो महिलाओं की सच्ची हितैषी है. कांग्रेस ने ही पहली बार किसी महिला को पार्टी का अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, स्पीकर, सांसद, विधायक और विभिन्न पदों पर बैठाया है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण का बिल लाकर चुनावी दांव खेला है.

यात्रा का विवरण वितरित किया

बैठक के उपरांत भारत जोड़ो न्याय यात्रा को सफल बनाने को लेकर यात्रा का विवरण वितरित किया तथा अधिक से अधिक संख्या में कांग्रेस के भारत जोड़ो न्याय यात्रा में अपनी सहभागिता निभाने पर बल दिया गया. सम्मेलन को महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष नीतिमा बारी, बैजंती बारी, नालिनी सिन्हा, महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव पिंकी सिंह, पुनीता चौधरी, महिला नेत्री शकीला बानो, एलडीएम कॉर्डिनेटर मनोज सिंह, सीताराम चौधरी ने संबोधित किया. सम्मेलन का संचालन महिला नेत्री अनिता सुम्बरुई, जया सिंकु ने किया. जबकि धन्यवाद ज्ञापन चाईबासा प्रभारी लबी शर्मा ने किया.

एसीबी ने नोवामुंडी के कनीय अभियंता पर दर्ज किया मामला

किरीबुरू। ग्रामीण कार्य विभाग के कार्य प्रमंडल चाईबासा में एसीबी की करवाई से अभियंताओं में हड़कंप मचा हुआ है. सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार नोवामुंडी के कनीय अभियंता अशोक कुमार पर आय से अधिक सम्पत्ति का मामला दर्ज किया गया है. एसीबी के द्वारा चाईबासा प्रमंडल से अशोक कुमार के आय से सम्बंधित जानकारी मांगने की सूचना प्राप्त हुई है. सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि यह मामला आठ साल से चल रहा है. उक्त अभियंता द्वारा करोड़ों की जमीन और मकान खरीदे जाने की चर्चा है. एसीबी की करवाई से प्रमंडल के अभियंता सकते में हैं. सूत्रों की माने तो प्रमंडल के दो अभियंता पर भी आय से अधिक सम्पत्ति की जांच गोपनीय ढंग से की जा रही है. वहीं प्रमंडल के दो कर्मचारी पर भी संवेदकों से भारी कमिशन वसूली किए जाने की भी शिकायत दर्ज करवाई गई है.

F9 होटल्स एंड इंडिया ट्रेवल
में आपका स्वागत और अभिनंदन!

आपके यात्रा को सुखद और सुविधाओं के आकांक्षा के लिए अयोध्या धाम श्रीराम नगरी, दिल्ली, पहाड़गंज नोएडा, गुड़गांव, देहरादून मसूरी, मुक्तेश्वर, हरिद्वार, ऋषिकेश, केदारनाथ, बद्रीनाथ, नैनीताल, अमृतसर, जम्मू, कटरा, वैष्णो देवी, जयपुर, उदयपुर, पुष्कर, अजमेर, आगरा, मथुरा, वृंदावन समेत पूरे भारत मे होटल और रूम मे ठहरने की उचित सुविधा और बस, ट्रेन और हवाई जहाज की टिकट की सुविधा निरंतर उपलब्ध है।

- FLIGHT TICKETS
- CRUISE BOOKING
- HOTEL BOOKING
- TRAIN TICKET
- TAXI SERVICE
- CURRENCY EXCHANGE
- HOLIDAY PACKAGES
- GROUP BOOKINGS
- E VISA SERVICE
- INTERNATIONAL TOUR PACKAGES

BOOKING
Call 8527271652-ved

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शुक्रवार, 19 जनवरी 2024 ● पौष शुक्ल पक्ष 08, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 272 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

पेनाल्टी शूटआउट में हारा भारत

पेरिस ओलंपिक में जाने के लिए आज दर्ज करनी होगी जीत

शुभम किशोर। रांची

एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर्स के भारत और जर्मनी के बीच खेले गए कांटेदार रोमांचक सेमी फाइनल मुकाबले में सडेन डेथ में भारत को सामना करना पड़ा. दोनों टीमें खेल समाप्त होने पर 2-2 गोल से बराबरी पर रही. इसके बाद वहीं पेनाल्टी शूट आउट का सहारा लिया गया. पेनाल्टी शूट आउट में जर्मनी ने 4-3 से मैच जीत कर फाइनल में प्रवेश किया. इसके साथ ही जर्मनी ने पेरिस ओलंपिक 2024 में क्वालिफाई कर लिया. अब भारत को तीसरे चौथे स्थान के लिए होने वाले मैच में उम्दा प्रदर्शन कर जीत हासिल करनी होगी. तभी भारत को पेरिस ओलंपिक का टिकट मिल सकेगा. भारत शुक्रवार को जापान से 3-4 स्थान के लिए भिड़ेगा. जीतने वाली टीम पेरिस के लिए क्वालीफाई करेगी.

भारत और जर्मनी के बीच दूसरा सेमीफाइनल खेला गया. भारत ने 15 वें मिनट में गोल कर 1-0 की लीड बनाई. भारत के लिए दीपिका ने पेनाल्टी को गोल में बदला. इसके बाद भारत ने एक के बाद एक प्रहार किए जिसे जर्मनी ने रोक लिया. जर्मनी ने जवाबी कार्रवाई करते हुए 27 वें मिनट में भारत की डिफेंस को भेदकर गोल किया. जर्मनी के लिए चार्लोट स्टेपनॉर्स्ट ने फील्ड गोल किया. मुकाबले में दोनो एक दूसरे पर हावी रहे. जर्मनी ने 57 वें मिनट में एक ओर गोल दागकर 2-1 से बढ़त ली. जर्मनी के दूसरा गोल भी चार्लोट स्टेपनॉर्स्ट ने किया. भारत ने वापसी करते हुए 59 वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर से गोल किया. भारत के लिए इशिका चौधरी ने गोल किया.

भारत-जर्मनी का मुकाबला देखने पहुंचे धौनी : भारत-जर्मनी का मुकाबला देखने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी भी हॉकी स्टेडियम पहुंचे थे. धौनी पूरे मैच के दौरान भारतीय टीम की हौसला आफजाई करते नजर आये. विश्व कप विजेता कप्तान धौनी हाल ही में दुबई से नए साल की छुट्टियां मना कर लौटे हैं और फिलहाल रांची में अपने घर में परिवार के साथ समय बिता रहे हैं. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके दिग्गज क्रिकेटर अब केवल इंडियन प्रीमियर लीग में खेलते नजर आएंगे.

सडन डेथ में हारा भारत : 2-2 की बराबरी के बाद शूटआउट खेला गया. दोनों टीम को शूटआउट से गोल करने के पांच-पांच मौके दिए गए. इसमें पहले जर्मनी की लीनिया को मौका मिला, लेकिन गोलकीपर सविता गेंद को रोकने में कामयाब रहीं. हालांकि शूटआउट भी नाकाम रही. 3-3 की बराबरी से शूटआउट भी ड्रा रही. इसके बाद सडन डेथ में गोल दागने उतरी भारत की सोनिका गोल करने में असफल रही.

यूएसए ने कटाया पेरिस ओलंपिक का टिकट

संवाददाता। रांची

अमेरिका ने गुरुवार को यहां पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शानदार प्रदर्शन की बदौलत पूर्व एशियाड चैम्पियन जापान को 2-1 से हराकर एफआईएच महिला ओलंपिक क्वालीफायर के फाइनल में प्रवेश किया और पेरिस ओलंपिक में स्थान सुनिश्चित किया. जापान ने अमिरू शिमाडा के 38वें मिनट में किये गये गोल से बढ़त हासिल कर ली थी. लेकिन फिर अमेरिका ने एशले होफमैन (52वें मिनट) और एबिगेल टैमर (55वें मिनट) के पेनल्टी कॉर्नर से अंत में किये गये गोल की बदौलत जीत हासिल की. अमेरिका ने पेरिस ओलंपिक का टिकट कटाया क्योंकि इस टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीम इस साल के अंत में होने वाले महासमर में जगह बनाएंगी.

ब्रीफ खबरें

गिरिडीह में 6 साइबर अपराधी गिरफ्तार

रांची/गिरिडीह। गिरिडीह पुलिस ने प्रतिबिंब पोर्टल की मदद से छह अपराधियों को गिरफ्तार किया है. इनके पास से 16 मोबाइल फोन, 28 सिम कार्ड, आठ एटीएम समेत कई अन्य सामान भी बरामद हुए हैं. एसपी दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि अबतक कुल 172 साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी हो चुकी है. जबकि 14 लाख 37 हजार 310 नगद बरामद किये जा चुके हैं. जानकारी के अनुसार, एसपी दीपक शर्मा को गुप्त सूचना मिली थी कि अहलियापुर थाना क्षेत्र में कुछ साइबर अपराधी फर्जी सिम कार्ड का प्रयोग करके आम लोगों से ठगी कर रहे हैं. इसके आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए छह साइबर अपराधियों को धर दबोचा. जिनमें अभिषेक कुमार मंडल, सुनील कुमार, सिद्धेश्वर मंडल, सूरज कुमार, दीपक साव और उज्ज्वल सिंघा शामिल है.

उग्रवादियों ने घर को उड़ाने की कोशिश की

लातेहार। जिले के हेरहंज में उग्रवादी संगठन जेजेएमपी ने एक घर को बम से उड़ाने की कोशिश की. हालांकि बम नहीं फटा. जिसकी वजह से बड़ा हादसा टल गया. इतना ही नहीं उग्रवादियों ने घर पर पोस्टर चिपका कर जान से भी मारने की धमकी दी. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गयी है. जानकारी के अनुसार, जेजेएमपी उग्रवादी संगठन के सब जोनरल कमांडर ने दिनेश सिंह के घर में बम से उड़ाने की कोशिश और पोस्टर चिपका कर मारने की धमकी दी है. घर पर चिपकाये गये पोस्टर में उग्रवादियों ने दिनेश सिंह उर्फ दिना सिंह को 15 दिनों के अंदर हेरहंज चौक और बाजार में गोली मारने की धमकी दी है. पोस्टर के जरिये कहा गया है कि तुम्हारी पत्नी व बच्चे को भी उठा सकते हैं.

मां-बेटे की गला दबाकर हत्या

देवघर। जिले के जसीडीह थाना क्षेत्र के गोविंदपुर से दिल दहला देने वाली खबर सामने आयी है. यहां बुधवार देर रात घर में सो रहे मां-बेटे की गला दबा कर हत्या कर दी गयी. घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी अलमारी तोड़ कर घर में रखे जेवर और पैसे लेकर फरार हो गये. घटना की जानकारी लोगों को गुरुवार सुबह मिली. इसके बाद लोगों ने जसीडीह थाना की पुलिस को इसकी जानकारी दी. सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की जांच में जुटी हुई है. आशंका जतायी जा रही है कि लूटपाट का विरोध करने पर अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया है.

कतरास केलूडीह में आधा दर्जन आवासों में पड़ीं दरारें

जमीन फटी, लोगों में हड़कंप

संवाददाता। कतरास

जमीन से लगातार निकल रही है गैस, अगर समय रहते लोगों को वहां से नहीं हटाया गया, तो हो सकती है बड़ी घटना

गुरुवार की अहले सुबह कतरास केलूडीह भूईयां धौडा में अचानक आधा दर्जन आवासों के साथ जमीन पर दरार पड़ गई. साथ ही जमीन से लगातार गैस का रिसाव होने लगा. घटना से इलाके में हड़कंप मच गया. खबर पाकर बीसीसीएल एरिया तीन के अकाशकिनारी कोलियरी के परियोजना पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों से जानकारी लेकर दरार स्थल का अवलोकन किया. घटना में बढ़ी भूईयां राजा भूईयां भोला भूईयां रौशन कुमार सहित अन्य के आवास के दीवारों में दरारें पड़ी हैं. बताया जाता है कि बुधवार की देर रात हुए बारिश के बाद सुबह अचानक केलूडीह भूईयां धौडा के आधा दर्जन आवासों में दरारें पड़ने लगी साथ ही जमीन फटने लगी और भारी मात्रा में गैस रिसाव होने लगा. अनहोनी की आशंका पर लोगों में अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया. लोग अपने अपने घरों से बाहर निकल गए. इधर घटना के घंटों बीत जाने के बाद भी बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा कोई सकारात्मक पहल नहीं करने से लोगों में रोष व्याप्त है. जानकारी के अनुसार केलूडीह भूईयां धौडा में कुछ 35 आवास है उक्त घटना से सभी लोग भयभीत हैं. अगर समय रहते बीसीसीएल प्रबंधन ने कोई ठोस पहल नहीं की तो बड़ी घटना से इंकार नहीं किया जा सकता है. इधर परियोजना पदाधिकारी अवधेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार को सर्वे टीम के द्वारा जांच कराने के बाद यहां के लोगों को पुनर्वासित किया जाएगा. जिसके लिए जगह की तलाश की जा रही है.

कतरास केलूडीह में आवासों में आयीं दरारों को दिखाते ग्रामीण.

गुहीबांध में भू-धंसान स्थल की घेराबंदी शुरू

संवाददाता। कतरास

- बीसीसीएल ने 13 अतिक्रमणकारियों को भेजा नोटिस
- असुरक्षित स्थल की दुकान-मकान खाली करने का निर्देश

राजगंज कतरास मुख्य मार्ग के गुहीबांध में दो दुकानों में हुई भू-धंसान के तीसरे दिन गुरुवार को सलानपुर कोलियरी प्रबंधन ने असुरक्षित स्थल पर अतिक्रमण कर दुकान व मकान बनाकर रहे कुल 13 लोगों को नोटिस देकर खाली करने का निर्देश दिया है. साथ ही भू धसान स्थल की घेराबंदी (फेंसिंग) कार्य शुरू कर दिया गया है. सुरक्षा के दृष्टिकोण से जगह-जगह पर खतरनाक स्थल को लेकर दीवार लेखन किया जा रहा है. वहीं कोलियरी पीओ इलियास अंसारी, प्रबंधक चंद्रप्रकाश सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और सुरक्षा की रूपरेखा तैयार की. पीओ ने बताया कि सड़क किनारे सात दुकान तथा खटाल को असुरक्षित क्षेत्र की संभावना को लेकर लोहे के तार से फेंसिंग की जा रही है. इसके बाद ओबी डंप कर भराई कार्य कराया जाएगा. असुरक्षित स्थल को लेकर प्रबंधन ने गोस्वामी फर्नीचर दुकान, सुरेंद्र गोस्वामी खटाल, खुर्शीद आलम, गुलाम रब्बानी गुमटी दुकान , मोहम्मद नवाब स्टील दुकान, मकसूद आलम स्टील दुकान,असलम ,मो राजा स्टिल दुकान,सोनू उर्फ पतलू,मो गुलाम, वकील सिद्दीकी गेट ग्रील दुकान, जावेद ग्रेट ग्रील दुकान, सोनू फवरेटिकल, राजू बक्सा दुकान को हटने का नोटिस दिया है. साथ ही नोटिस आसपास के स्थानों में चिपकाया गया है. मालूम हो कि मंगलवार की देर शाम भूधंसान से रजा फर्नीचर दुकान तथा रब्बानी का डेंटिंग पेंटिंग दुकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था.

कोयला कारोबारियों के खिलाफ आईटी रेड में 12 लॉकर भी मिले

संवाददाता। धनबाद

आईटी की कार्रवाई

- भट्ठे में मौजूद कोयले का होगा आकलन, बीसीसीएल, ईसीएल व सीएमपीडीआई से मांगे गए प्रतिनिधि
- **मंडियों में बेचे जा चुके कोयले का भी होगा हिसाब-किताब, सप्ताह भर बाद खोले जाएंगे लॉकर**

धनबाद के कोयला कारोबारियों के खिलाफ आयकर विभाग की टीम ने दूसरे दिन भी छापेमारी जारी रखी. इस दौरान टीम ने एक करोड़ रुपये की और जब्ती की है. अबतक कुल चार करोड़ रुपये जब्त हुए हैं. इसके साथ ही टीम को 12 बैंक लॉकर भी मिले हैं. जिनकी जांच की जानी है. साथ ही कोयला भट्ठों में मौजूद कोयले का आकलन किया जाएगा. इसके लिए बीसीसीएल, ईसीएल और सीएमपीडीआई से प्रतिनिधि मांगे गए हैं. भट्ठों में मौजूद कोयले का आकलन कर उनका मूल्यांकन किया जाएगा. इसके साथ ही भट्ठों से अब तक मंडियों में बेचे जा चुके कोयले का भी हिसाब-किताब किया जा रहा है. बताते चलें कि आयकर विभाग की टीम ने बुधवार को नौ कोयला कारोबारियों के 56 से अधिक ठिकानों पर एक साथ दबिश दी थी. टीम ने झारखंड, बंगाल, बिहार और छत्तीसगढ़ में छापेमारी की थी. इस दौरान कोयला कारोबारियों के आवास, कार्यालय और डीपो में टीम ने जांच पड़ताल की. धनबाद में ही करीब दो दर्जन स्थानों में छापेमारी हुई. छापेमारी दूसरे दिन भी जारी रही. आयकर विभाग के अनुसार छापेमारी शुक्रवार को भी जारी रहेगी. करीब एक सप्ताह के बाद लॉकरों को खोलकर उनमें मौजूद संपत्ति का आकलन किया जाएगा.

पूर्व विधायक संजीव सिंह को नहीं मिलेगी जमानत

रांची। झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह को जमानत नहीं मिलेगी. झारखंड हाईकोर्ट में जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अदालत ने गुरुवार को सुनवाई के बाद याचिका खारिज कर दी. दरअसल संजीव सिंह की ओर से दायर जमानत याचिका में कहा गया था कि वे गंभीर रूप से बीमार हैं. ऐसे में उन्हें बेहतर इलाज के लिए 30 दिनों की प्रोविजनल बेल दी जाए. बुधवार को इसी याचिका पर हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने जानना चाहा था कि पूर्व विधायक संजीव सिंह का एम्स में इलाज शुरू हुआ या नहीं. इस सवाल का जवाब देने के लिए 18 जनवरी की तारीख तय थी. गुरुवार को हुई सुनवाई में राज्य सरकार ने बताया कि संजीव सिंह का इलाज शुरू हो गया है. हालांकि इसी दौरान प्रार्थी की ओर से बताया गया कि इलाज काफी धीमी गति से हो रहा है. प्रार्थी और सरकार दोनों का पक्ष सुनने के बाद अदालत ने कहा कि जब संजीव का इलाज एम्स में चल रहा है तो जमानत नहीं दी जा सकती. इसके बाद याचिका खारिज कर दी गई.

गोली मारकर चीनी कारोबारी की हत्या

घटना के विरोध में सड़क जाम, आज बंद रहेगा छत्तरपुर

संवाददाता। मेदिनीनगर

पलामू के छत्तरपुर में बाइक सवार अपराधियों ने चीनी कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी. घटना को लेकर लोगों में आक्रोश है. लोगों ने छत्तरपुर-जपला मोड़ को दो घंटे तक जाम कर दिया. इलाके के व्यवसायियों ने कल छत्तरपुर बंद का आह्वान किया है.चीनी कारोबारी शुभम कुमार गुप्ता हरिहरगंज के रहने वाले हैं. वह चीनी का थोक कारोबार करते हैं. गुरुवार को छतरपुर थाना क्षेत्र में दुकानों से पैसा कलेक्शन करने आए थे. वह कार में बैठे थे, इसी दौरान बाइक सवार अपराधी आये और उनसे नाम पूछा. शुभम गुप्ता बोलते ही अपराधियों ने उनपर ताबड़तोड़ गोली चला दी और फरार हो गये. गोली की आवाज सुन कर बाजार में अफरा-तफरी मच गई. आसपास के लोग दौड़ कर कार के पास पहुंचे, देखा खून से लथपथ शुभम कार में पड़े थे. आनन-फानन में उन्हें कार से निकाल कर लोग पास के अस्पताल ले गये. गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें एमएमसीएच रेफर कर दिया. जहां से डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुये बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया, मगर रास्ते में ही शुभम ने दम तोड़ दिया. शुभम की मौत की खबर फैलते ही त्तरपुर-जपला को जाम कर दिया गया.

पलामू में पुलिस-प्रशासन फेल : मनोज भुइयां

कारोबारी को गोली मारने की घटना को लेकर पलामू के पूर्व सांसद मनोज भुइयां ने कहा कि हेमंत सरकार में पलामू पुलिस प्रशासन पूरी तरह से फेल नजर आ रही है. लगातार छतरपुर इलाके में अपराधी और नक्सली की गतिविधि बढ़ रही है. आए दिन छतरपुर इलाके में गोलीबारी सहित लूट और चिनतई की घटना हो रही है. सभी लोग दहशत में जी रहे हैं.

जांच में जुटी पुलिस : घटना के बाद छत्तरपुर पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और लोगों से घटना के संबंध में जानकारी ली. इसके बाद पुलिस अपराधियों की तलाश में जुट गई. पुलिस ने बाजार में लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला.

रेलवे ट्रैक पार पार करने के दौरान हुआ हादसा, कुहासे के कारण ट्रेन नहीं दिखी

उत्कल एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से चार की मौत

संवाददाता। आदित्यपुर

गम्हरिया रेलवे स्टेशन के समीप पश्चिम यार्ड में पोल संख्या 260/22 बी के पास डाउन उत्कल एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने चार लोगों की मौत हो गई. घटना गुरुवार शाम करीब साढ़े छह बजे की बतायी जा रही है. इधर, सूचना मिलते ही रेल प्रशासन में हड़कंप मच गया. आनन फानन रेलवे प्रशासन की ओर से इमरजेंसी जारी किया गया, जिसके बाद मेडिकल टीम अन्य अधिकारियों को साथ लेकर रिलीफ ट्रेन से घटनास्थल पहुंची. इधर, टाटानगर, आदित्यपुर और गम्हरिया रेल पुलिस भी मौके पर पहुंची और शवों को रेलवे ट्रैक से हटाने में जुट गयी, ताकि ट्रेनों का परिचालन बाधित न हो. फिलहाल शवों की पहचान नहीं हो सकी है. रेल पुलिस मृतकों के बारे में जानकारी जुटाने में जुटी हुई है.

घटना के संबंध में एआरएम अभिषेक सिंघल ने बताया कि उत्कल डाउन एक्सप्रेस की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हुई है. राहत व बचाव टीम ने घटनास्थल का जायजा लिया और रेलवे ट्रैक क्लियर कर रात करीब साढ़े नौ बजे चारों मृतकों के शव लेकर टाटानगर स्टेशन लौट गयी. टाटानगर स्टेशन पहुंचने के बाद जीआरपी व आरपीएफ थाना पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम भेजा.

मचा हड़कंप

- गम्हरिया रेलवे स्टेशन के पास हुआ हादसा
- घटना गुरुवार शाम करीब साढ़े छह बजे की बताई गई

घटना स्थल के पास मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया गुरुवार शाम पोल संख्या 260/ 22 बी के पास लोर रेवने लाइन पार रहे थे. शाम के करीब साढ़े छह बजे के आसपास उत्कल एक्सप्रेस ट्रेन टाटानगर स्टेशन आ रही थी. कुहासे की वजह से ट्रैक पर कुछ भी नहीं दिख रहा था. रेलवे लाइन पार कर रहे लोगों को कुहासे की वजह से ट्रेन के पास पहुंचने के पता नहीं चला और चार लोग ट्रेन की चपेट में आ गये, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गयी. वहीं आसपास के लोगों को जब पता चला कि ट्रैक पार करने के दौरान चार लोगों की मौत हो गयी है, तो उन्होंने गम्हरिया थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी. पुलिस ने ही रेलवे के अधिकारियों को मामले की जानकारी और खुद भी घटनास्थल पर पहुंची.

जेएससीए के पूर्व उपाध्यक्ष संजय सिंह का दिल्ली में निधन

संवादाता। रांची

झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) के पूर्व उपाध्यक्ष व हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ के सचिव संजय सिंह का निधन हो गया. गुरुवार को संजय सिंह ने एम्स दिल्ली में अंतिम सांस ली. उनके निधन की खबर से जेएससीए अधिकारियों व क्रिकेटप्रेमियों में शोक की लहर है. संजय सिंह का पार्थिव शरीर शुक्रवार को हजारीबाग लाया जायेगा. वे काफी दिनों से बीमार चल रहे थे. वे अपने पीछे पत्नी, एक बेटा व एक बेटी को छोड़कर दुनिया से चले गये. बता दें कि संजय सिंह के भाई राजीव सिंह मणिपुर में डीजीपी हैं. उनका भतीजा उत्कर्ष सिंह झारखंड रणजी टीम में शामिल है.

बिहार के समय से ही संजय सिंह हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ के सचिव रहे. जेएससीए बनने के बाद वे स्वर्गीय अमिताभ चौधरी की कमेटी में उपाध्यक्ष बने. 2 टर्म जेएससीए में उपाध्यक्ष के पद पर बने रहे. लोढ़ा कमेटी बनने के बाद कूलिंग ऑफ में भी रहे.

वे स्व अमिताभ चौधरी के काफी करीबी रहे थे : वे स्व. अमिताभ चौधरी के काफी करीबी रहे थे. संजय सिंह ने हजारीबाग क्रिकेट को एक अलग पहचान दिलाई व झारखंड के क्रिकेट के लिए कई अच्छे कार्य किये. वे जेएससीए के कमेटी मेंबर में भी रहे थे. संजय सिंह के निधन पर जेएससीए के अध्यक्ष संजय सहाय, सचिव देवाशिष चक्रवर्ती, पूर्व उपाध्यक्ष अजयनाथ शाहदेव, असीम, पूर्व नेशनल बैडमिंटन प्लेयर शब्बीर हुसैन, सुरेश कुमार ने शोक प्रकट किया है.

ब्रीफ खबरें

सड़क दुर्घटना में एक गंभीर, किया रेफर

गावां (गिरिडीह)। गावां थाना क्षेत्र के बगदेडीह में गुरुवार को सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. जिसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया. बताया जाता है कि जमुआ थाना क्षेत्र के रेम्बा गांव निवासी देवी महतो पिता चुटारी महतो उम्र 50 अपने घर से थाना क्षेत्र के बगदेडीह रिश्तेदार के यहां आया हुआ था. गुरुवार को संध्या शाम में वह बगदेडीह से बाइक पर सवार होकर अपने घर रेम्बा जा रहे थे. तभी घर से कुछ दूर आगे जाने के बाद वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे झाड़ी में गिर गए. बाद में उसे 108 एंबुलेंस के सहयोग से गावां अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया. जहां डॉक्टर काजिम खान ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल गिरिडीह रेफर कर दिया.

संवेदक के विरुद्ध बिजली चोरी का मामला दर्ज

कामडारा। विद्युत चोरी मामले पर कामडारा के कनीय विद्युत अभियंता कंचन मुंडु ने गुरुवार को कामडारा थाना में संवेदक रामाकांत सिंह के विरुद्ध मामला दर्ज कराया है. थाने में दिए गए आवेदन में कनीय अभियंता ने कहा है कि झारखंड उर्जा विकास निगम लिमिटेड के निर्देश पर विद्युत उर्जा चोरी के खिलाफ कामडारा, जरिया, गाड़ा, बाकुटोली आदि गांवों में छापेमारी अभियान चलाया गया. प्रखंड कार्यालय परिसर में नए भवन का निर्माण कार्य चल रहा है जिसमें बगैर कनेक्शन के ही भवन निर्माण कार्य में बिजली का उपयोग किया जा रहा था. कनेक्शन लिए बगैर उर्जा का उपयोग चोरी के श्रेणी में आता है. भवन निर्माण का काम करा रहे संवेदक पर 65 हजार नौ सौ बीस रुपये का जुर्माना किया है.

विवाहित महिला फंदे से लटक दे दी जान

बेरमो। गोमिया थाना अंतर्गत तुलबुल पंचायत के बिरसा गांव निवासी संजय यादव की पत्नी बसंती देवी 22 वर्ष फंदे से पर लटककर दे दी जान. घटना बुधवार रात की है. इस संबंध मृतक के पति संजय यादव ने बताया कि वह मकर संक्रांति पर देवीपुर स्थित खेलचंडी मेला देखने के लिए जाना चाह रहा था, लेकिन उसकी पत्नी मना कर रही थी. इसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हुई. कुछ देर बाद वह घर से शौच के लिए बाहर निकला. जब थोड़ी देर बाद वह घर लौटा तो देखा उसकी पत्नी अंदर कमरे में फंदे से लटकी हुई है. आनन-फानन में उसे फंदे से उतारा, लेकिन तब उसकी मौत हो चुकी थी. तुरंत इसकी सूचना गोमिया पुलिस को दी गई.

दो वाहनों में टक्कर में आधा दर्जन घायल हुए

तेतुलमारी। गुरुवार की देर शाम तेतुलमारी थाना इलाके के धनबाद कांको राष्ट्रीय राजमार्ग ऐट लाइन के शक्ति चौक के समीप दो वाहनों के बीच टक्कर में करीब आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दिया. पुलिस मौके पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए, धनबाद भेज दिया. बताया जाता है कि स्विफ्ट कार कांको की ओर से आ रही थी और अचानक झरिया जाने के लिए शक्ति चौक के समीप मोड़ लिया तभी धनबाद की ओर से आ रही अन्य रेनोल्ट कार सामने से टकरा गई. जिसमें रेनोल्ट गाड़ी में बैठे पंकज कुमार, पूनम देवी, रिंकी देवी एवं तीन बच्चे सहित चालक अभिनाष मंडल गंभीर रूप से घायल हो गए. वहीं स्विफ्ट का चालक शाहनवाज अंसारी एवं उसमें बैठे एक अन्य सवारी घायल हो गया.

नवविवाहिता की हत्या मामले में दो गिरफ्तार

कोडरमा। मरकच्चो थाना अंतर्गत नवविवाहिता की हत्या मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है. एसपी अनुदीप सिंह ने अपने कार्यालय में गुरुवार को पत्रकार वार्ता कर जानकारी दी. उन्होंने बताया कि 15 जनवरी को मरकच्चो थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम बरोटांड में एक नवविवाहिता का शव कुएं में होने की सूचना मिली. मामले की गंभीरता को देखते हुए इसके सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन करते हुए जांच क्रम में नवविवाहिता का पिता एवं मायके पक्ष ने यह बात बताया कि दहेज के कारण ससुराल पक्ष के लोगों ने उनकी नवविवाहिता बेटी की हत्या की है. गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कांड में नामजद दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया.

नेटवर्क झारखंड, बिहार, यूपी, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली तक फैला हुआ है

पोस्ते की खेती के लिए फाइनांस करने वालों पर होगी कार्रवाई

संवाददाता। पलामू/लातेहार

राज्य के पलामू और लातेहार जिले में पोस्ता की खेती को फाइनेंस करने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस सख्त हो गई है. इस कार्रवाई में एनसीबी भी अब शामिल होगी. हालांकि, पोस्ता की खेती रोकना पुलिस-प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गयी है. झारखंड और बिहार के सीमावर्ती इलाकों में बड़े पैमाने पर पोस्त की खेती की जा रही है. बाहरी लोग पोस्ता की इस खेती को फाइनेंस कर रहे हैं. इस खेती में बाहर के बड़े ड्रग नेटवर्क और उनसे जुड़े लोग पैसा लगा रहे हैं. इसका नेटवर्क झारखंड, बिहार, यूपी, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली तक फैला हुआ है. पुलिस ने पोस्ता की खेती और उससे जुड़े नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करने की योजना तैयार की है. इससे जुड़े मामलों और तस्करों को लेकर एक डेटाबेस भी तैयार किया जा रहा है.

> *पलामू के जोनल आईजी राजकुमार लकड़ा ने बताया कि अब कार्रवाई में एनसीबी को भी शामिल किया जाएगा. पोस्ता की खेती करने वालों के साथ इसके लिए फाइनेंस करने वालों पर भी कार्रवाई की योजना तैयार की गई है. प्रभावित इलाकों की जियो-मैपिंग की जा रही है ताकि निगरानी की जा सके.*

फाइनेंसर खसखस भी उपलब्ध कराते हैं

जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि पोस्ता की खेती को बाहर से तस्करों और नेटवर्क द्वारा फाइनेंस किया जा रहा है. पोस्ता की खेती का फाइनेंस करने वाले लोग स्थानीय नेटवर्क का उपयोग कर रहे हैं. खेती के लिए स्थानीय नेटवर्क को पैसा उपलब्ध कराया जाता है. फाइनेंसर खसखस भी उपलब्ध कराते हैं. पोस्ता से कच्ची अफीम तैयार करने के बाद स्थानीय नेटवर्क को प्रति एकड़ के हिसाब से पैसा दिया जाता है. फाइनेंसर को ग्रामीणों से कम कीमत पर उत्पाद खरीदना पड़ता है.

जियो मैपिंग की जा रही

पिछले कुछ वर्षों में पलामू और लातेहार में दर्ज पोस्ता की खेती और अफीम तस्करी से जुड़े मामलों का अनुसंधान तेज कर दिया गया है. प्रत्येक क्षेत्र की जियो मैपिंग की जा रही है. प्रत्येक तस्कर और मामले में शामिल नाम का डेटाबेस तैयार किया जा रहा है और उनके रिकॉर्ड की जांच की जा रही है.

आओ जानें

दर्ज हुए नक्सल मामले के आंकड़े

वर्ष	मामले दर्ज	वर्ष	मामले दर्ज
2000	24	2012	219
2001	106	2013	219
2002	72	2014	244
2003	113	2015	196
2004	88	2016	266
2005	118	2017	258
2006	108	2018	165
2007	122	2019	133
2008	147	2020	110
2009	321	2021	137
2010	257	2022	197
2011	302	2023	111
		कुल	4033

एनआईए दोनों नक्सलियों से 20 जनवरी तक जानकारी जुटाएगी

पोलित ब्यूरो सदस्य प्रमोद समेत दो से एनआईए कर रही पूछताछ

संवाददाता। रांची

नेशनल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एनआईए) भाकपा माओवादी के पोलित ब्यूरो सदस्य प्रमोद मिश्रा और अनिल यादव को 16 जनवरी से रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है. एनआईए दोनों नक्सलियों से 20 जनवरी तक पूछताछ करेगी. इससे पहले एनआईए ने अक्टूबर में दो बार प्रमोद मिश्रा को रिमांड पर लेकर पूछताछ की थी.

रोहित विद्यार्थी से पूछताछ के बाद बिहार पुलिस ने प्रमोद मिश्रा को किया था गिरफ्तार : बता दें कि बिहार पुलिस ने रितेश विद्यार्थी के भाई रोहित विद्यार्थी को गिरफ्तार कर पूछताछ की थी. इस दौरान रोहित विद्यार्थी ने पुलिस को बताया कि प्रमोद मिश्रा गया जिले का लुटुआ गांव आने वाला है. सूचना के आधार पर बिहार पुलिस ने नौ अगस्त को पोलित ब्यूरो सदस्य और एसएसीबी (उत्तरी क्षेत्रीय ब्यूरो) के प्रभारी प्रमोद मिश्रा और अनिल यादव को गिरफ्तार कर लिया था. प्रमोद मिश्रा की गिरफ्तारी के बाद बिहार पुलिस ने हथियार, गोला-बारूद और एक बंदूक फैक्ट्री का भी उद्भेदन किया था. जिससे बिहार और यूपी में हथियारों की सप्लाई करने और देसी हथियारों को इकट्ठा करने के लिए स्थापित किया गया था.

भाकपा माओवादी संगठन को पुनर्जीवित करने में जुटा था

एनआईए जांच से संकेत मिले हैं कि कई फ्रंटल संगठनों और छात्र विंगों को भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के इरादे से कैडरों को प्रेरित करने, भर्ती करने और माओवादी की विचारधारा का प्रचार करने का काम सौंपा गया था. वे इस एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए आतंक और हिंसा की साजिश रच रहे थे. जांच से यह भी पता चला है कि प्रमोद मिश्रा भाकपा माओवादी संगठन को पुनर्जीवित करने के प्रयासों में माओवादी के कैडरों और समर्थकों, ओवर ग्राउंड वर्कर्स का नेतृत्व कर रहे थे.

झारखंड-बिहार के बॉर्डर पर माओवादियों को कर रहा था मजबूत

प्रमोद मिश्रा मूल रूप से बिहार के औरंगाबाद जिले के रफीगंज थाना क्षेत्र के कासमा गांव का रहने वाला है. उसका लंबे समय तक सारंडा में कार्यक्षेत्र रहा है. गिरफ्तारी से पहले वह झारखंड-बिहार सीमा पर छकरबंधा में माओवादियों को मजबूत करने में जुटा था. प्रमोद मिश्रा को नक्सली संगठन में वर्ष 2004 में केंद्रीय समिति सदस्य के रूप में शामिल किया गया था. वर्ष 2007 में पोलित ब्यूरो सदस्य बनाया गया था. वह 11 मई 2008 को धनबाद जिले के विनोद नगर से गिरफ्तार हुआ था. उसे न्यायालय ने सबूत के अभाव में वर्ष 2017 में रिहा कर दिया था. इसके बाद से ही वह क्षेत्र में फिर सक्रिय हो गया था. उस पर पुलिस पर हमले व कई नरसंहार का मास्टरमाइंड माना जाता है.

बंधक बनाकर हथियारबंद अपराधियों ने की लूटपाट

पुटकी (धनबाद)। पुटकी थाना क्षेत्र के क्वार्टर नंबर 10 में बुधवार देर रात नकाबपोश अपराधियों ने बीसीसीएल कर्मी को बंधक बनाकर लूटपाट की. अपराधियों ने हथियार के बल पर 25 हजार रुपए, कासा के बर्तन, कीपैड मोबाइल, एक लाख के जेवर समेत अन्य सामान लेकर फरार हो गये. घटना के बाद इलाके में डर का माहौल है.

- भुक्तभोगी ने थाने में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई

इस संबंध में भुक्तभोगी ने थाना में लिखित आवेदन देकर न्याय की मांग की है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि करीब 12 की संख्या में नकाबपोश अपराधी बुधवार देर रात 12:30 बजे दीवार फांदकर अंदर आये. इसके बाद दरवाजा तोड़कर अपराधी क्वार्टर के अंदर घुसे और बीसीसीएल कर्मी सीता राम भुइयां को बंधक बना लिया. इसके बाद अपराधियों ने जमकर उत्पात मचाया. इसके बाद घर में रखे सामान लेकर फरार हो गये.

जरीडीह में बुजुर्ग ने पेड़ पर फंदे से झूल कर आत्महत्या कर ली

जरीडीह (बोकारो)। बोकारो जिले के जरीडीह थाना क्षेत्र के गायछंदा पाथुरिया हरिजन टोला निवासी सबरा बाउरी (60 वर्ष) पेड़ पर फंदे से लटककर अपनी इहलीला समाप्त कर ली. परिजनों ने बताया कि सबरा बाउरी बुधवार की शाम को घर से निकले थे. देर रात तक जब वह घर नहीं लौटे तो घर वालों को चिंता हुई. उन्हें आस-पड़ोस में खोजा, लेकिन कहीं पता नहीं चला. गुरुवार की सुबह जंगल में झाड़ी काटने जा रहे ग्रामीणों ने पाथुरिया से थोड़ा आगे कब्रगाह के बगल में पेड़ से लटका शव देखा. खबर फैलते ही वहां भीड़ जुट गई. ग्रामीणों ने इसकी सूचना पंचायत समिति सदस्य वकील अंसारी व मुखिया को दी. उनकी पहल पर पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर शव को पेड़ से उतारा और जांच-पड़ताल के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. इस घटना से बुजुर्ग के घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल था.

अधेड़ ने नाबालिग से की छेड़खानी, मामला दर्ज

पोस्को एक्ट के तहत रामगढ़ थाने में दर्ज की गई प्राथमिकी

संवाददाता। रामगढ़

खास बातें

- लड़की को स्कूटी से घर छोड़ने का दिया प्रलोभन
- ट्यूशन पढ़ने के लिए घर से 3:30 बजे निकली थी

हमारे समाज में मानसिक तौर पर विकृत लोग कब लड़कियों को हवस का शिकार बना लें कहना मुश्किल है. रामगढ़ शहर के बंगाली टोला में एक 64 वर्षीय वृद्ध व्यक्ति ने एक 12 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार करने की कोशिश की है. रामगढ़ थाने में पीड़िता की मां ने पोस्को एक्ट के तहत प्राथमिकी के दर्ज कराई है. पीड़िता की मां ने पुलिस को दिए गए आवेदन में कहा है कि उनकी पुत्री 17 जनवरी को ट्यूशन पढ़ने के लिए घर से 3:30 बजे निकली थी. शाम 5:00 बजे तक जब वह घर नहीं लौटी तो उसकी खोज में परिवार वाले निकले. तभी उन्होंने देखा कि उनकी बेटी दूसरे रास्ते से रोते हुए आ रही है. जब लड़की से परिजनों ने पूछताछ की तो उसने बताया कि मोहल्ले के ही मनमोहन सिंह उर्फ सरदार ट्यूशन से लौट के दौरान उसे मिला था. उसने लड़की को स्कूटी से घर छोड़ने का प्रलोभन दिया. स्कूटी पर बैठने के बाद उस लड़की को अपने घर ले गया और उसे चिप्स-बिस्कुट आदि का प्रलोभन दिया. जब लड़की ने वह खाने से मना कर दिया तो जबरन उसके बैग में सारी सामग्री रख दी. इसके बाद उसे वृद्ध व्यक्ति ने नाबालिग लड़की के साथ छेड़खानी शुरू कर दी.

प्रेमी जोड़े की कराई गई शादी

- 5 दिनों से फरार थे दोनों

संवाददाता। मैथन

कुमारधुबी संजय नगर की युवती ने मुगमा कापासारा के युवक से कुमारधुबी ओपी परिसर में शादी रचा ली. दोनों कुमारधुबी स्टेशन रोड के एक निजी कोचिंग में साथ पढ़ा करते थे. दोनों में प्रेम हो गया. परिजनों से छिप छिपाकर एक वर्ष से दोनों मिलते जुलते रहे. घर वालों को जानकारी हुई तो दोनों को मिलना-जुलना बंद करा दिया. लेकिन मोबाइल फोन पर दोनों की बातें होती रही. 13 जनवरी को दोनों अपने-अपने घर से फरार हो गये. युवती के परिजनों ने कुमारधुबी ओपी में लिखित शिकायत दर्ज कराई. तब-तक दोनों अहमदाबाद पहुंच चुके थे. पुलिस के दबाव के बाद 17 जनवरी को दोनों ने कुमारधुबी ओपी में सरेंडर कर दिया.

पुलिस ने परिजनों को बुलाया. दोनों को बहुत समझाया गया. लेकिन दोनों ने किसी की बात नहीं सुनी और एक दूसरे के साथ रहने की जिद पर अड़े रहे. दोनों के बालिग होने के कारण अंततः दोनों पक्ष राजी हो गये. कुमारधुबी ओपी परिसर के मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पुलिस, जनप्रतिनिधि एवं समाज के प्रबुद्ध लोगों की उपस्थिति में दोनों की शादी करा दी गई.

घरेलू विवाद में पिता ने अबोध पुत्र को मार डाला

गोड्डा। पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद पति ने अपने पुत्र की गला दबाकर हत्या कर दिया. घटना महगामा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कसबा की है. मो गुड्डू अपनी जमीन के कुछ भाग को बेचना चाहता था और इसके लिए वह तैयारी कर लिया था. इसी बीच इसकी जानकारी पत्नी को हुई, पत्नी ने जमीन बेचने का विरोध किया. पत्नी यह कहकर जमीन बेचने का विरोध कर रही थी कि अगर सब जमीन को बेच ही देंगे तो फिर हमारे आने वाले पीढ़ी के लिए क्या बचेगा. बेटा के लिए क्या रह जाएगा. इसलिए वह जमीन बेचने का विरोध कर रही थी. इसी बात से नाराज मो गुड्डू ने मौका की तलाश में था और एकांत पाकर अपने पांच वर्षीय पुत्र मोहम्मद मिखाइल की गला दबाकर हत्या कर दिया. घटना की जानकारी जब पत्नी को हुई तो घर में चीख पुकार से कोहराम मच गया. घटना के बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई. महगामा थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी हत्यारे पिता को गिरफ्तार कर लिया. बाद में शव को सदर अस्पताल गोड्डा भेज दिया गया.

कतरास पुलिस को जैन समाज ने किया सम्मानित

संवाददाता। कतरास

श्री दिगंबर जैन मंदिर कतरास से चोरी गई चांदी व कांसा की बर्तन की बरामदगी तथा आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर जैन समाज ने कतरास पुलिस को सम्मानित किया. प्रशिक्षु डीएसपी प्रदीप कुमार, थाना प्रभारी रंधीर कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी को पुष्प गुच्छ व शॉल प्रदान किया गया. मालूम हो कि मंदिर से चांदी व कांसा का करीब तीन लाख का बर्तन की चोरी गई थी. पुलिस ने छानबीन में मंदिर का देखभाल करने वाले चिरंजीत माजी तथा उसके मित्र गौतम दत्ता को पकड़ कर पूछताछ किया था. इसके बाद गौतम के चंदनक्यारी घर से बर्तन बरामद करने सफलता हासिल किया था. सम्मानित करने वालों में अध्यक्ष अनिल कुमार जैन, सचिव लक्की जैन, प्रदीप पटौदी, आनंद जैन, सुनील जैन, अमित जैन, अमर कुमार जैन, विपिन जैन, अखिलेश जैन, रॉकी जैन, प्रदीप रावरा आदि शामिल थे.

कुहासे के कारण पेड़ से टकराई बाइक, चालक की हुई मौत

जमशेदपुर। जमशेदपुर के सुंदरनगर थाना अंतर्गत टाटा-हाता मुख्य मार्ग पर मचागोड़ा के पास कुहासे के कारण एक बाइक सवार पेड़ से टकराने के बाद गार्डवॉल से टकरा गया. टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई. घटना गुरुवार सुबह 8 बजे की बताई जा रही है. घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी. इधर, सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मृतक की पहचान कोवाली के फूलझरी निवासी 26 वर्षीय नरसिंह टुडू के रुप में की गई है. घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है. मिली जानकारी के अनुसार नरसिंह बाइक पर सवार होकर अपने घर की ओर जा रहा था. सुबह कुहासा होने के कारण वह सीधे पेड़ से जा टकराया जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई.

- घटना गुरुवार सुबह 8 बजे की बताई जा रही है

दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाने के नाम पर महिला से ठग लिए 1800 रुपये

संवाददाता। धनबाद

हाल ही में दिव्यांग सर्टिफिकेट के नाम पर पैसा लेने के मामले में सिविल सर्जन कार्यालय में पदस्थापित एक लिपिक को एसीबी ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया था. इसके बाद भी ठगों का मनोबल नहीं टूटा है. लोगों से अब भी दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाने के नाम पर पैसों की ठगी जारी है. सदर अस्पताल में दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाने के नाम पर एक महिला से 1800 रुपये की ठगी कर ली गई. महिला जब गुरुवार को फिटनेस सर्टिफिकेट लेने पहुंची तो उसके होश उड़ गए. वासेपुर की रहने वाली महिला ने अस्पताल प्रबंधन को बताया कि वह आंख के लिए सर्टिफिकेट बनवाने पहुंची थी. एक दिन पहले जब वह अस्पताल पहुंची थी तो उसे एक राजेश शर्मा नाम का व्यक्ति मिला, जिसने उसे झांसे में लेकर दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाने के नाम पर 2600 रुपये की मांग की. महिला ने उसे पहले किस्त में 1000 और दूसरे किस्त में 800 रुपये ऑनलाइन ट्रांजेक्शन किया. इसके बाद जब गुरुवार को वह अस्पताल पहुंची तो न वह ठग मिला और ना ही सर्टिफिकेट.

अस्पताल में भर्ती था ठग

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार ठग अस्पताल में ही भर्ती था. हाथ-पांव में चोट लगने के बाद उसे भर्ती किया गया था. अस्पताल से दवा नहीं मिलने पर उक्त व्यक्ति ने 104 पर शिकायत दर्ज करते हुए बुधवार को अस्पताल से डिस्चार्ज हो गया. इसके बाद जब वह महिला अस्पताल पहुंची तो वह व्यक्ति वहां नहीं मिला. महिला ने अस्पताल के नोडल पदाधिकारी से ठगी कि शिकायत की और पूरी घटना की जानकारी दी. हालांकि महिला ने अस्पताल प्रबंधन को लिखित शिकायत नहीं की. इस मामले में नोडल पदाधिकारी राजकुमार सिंह ने बताया कि फिटनेस सर्टिफिकेट बनवाने के नाम पर वासेपुर की एक महिला से पैसों की ठगी की गई है. महिला ने कोई लिखित शिकायत नहीं की है. जिस मरीज पर आरोप लगा है, उसे बुलाया गया लेकिन वह अस्पताल नहीं आया.

भिड़ंत | जिले के कोलेबिरा थाना क्षेत्र के कोलेबिरा प्रखंड कार्यालय के पास हुआ हादसा

दो ट्रकों में जोरदार टक्कर, ट्रक में फंसा ड्राइवर, रोड जाम

संवाददाता। सिमडेगा

जिले के कोलेबिरा थाना क्षेत्र के कोलेबिरा प्रखंड कार्यालय के समीप एनएच-143 में दो ट्रकों के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई. मिली जानकारी के अनुसार ट्रक राउरकेला की ओर जा रहा था, वहीं विपरीत दिशा से ट्रक रांची की ओर जा रहा था. प्रखंड कार्यालय के समीप दोनों ट्रकों के बीच जोरदार टक्कर हो गयी. जिसमें रांची की ओर जा रहे ट्रक का ड्राइवर बुरी तरह से जख्मी हो गया.

दुर्घटना के बाद ड्राइवर ट्रक में ही फंस गया था, जिसे स्थानीय लोगों एवं कोलेबिरा पुलिस के जवानों ने काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला और उसे सदर अस्पताल सिमडेगा पहुंचाया. वहीं, दुर्घटना के बाद सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई. करीब एक घंटे तक रोड जाम रहा. कोलेबिरा पुलिस ने जाम को हटवाया. जिसके बाद क्रेन मंगा कर दोनों ट्रकों को बीच सड़क से किनारे किया गया.

चांडिल : अनियंत्रित होकर घर में घुसा ट्रेलर, वाहन में फंसा चालक

चांडिल। टाटा रांची राष्ट्र राजमार्ग 33 पर चौका थाना क्षेत्र के उरमाल के सामने गुरुवार की शाम एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे मकान में घुसा. इस दुर्घटना में ट्रेलर का चालक ट्रेलर के अंदर ही फंस गया था, जिसे स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला. ट्रेलर घुसने के कारण मकान बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है. दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना चौका थाना की पुलिस को दी. सूचना मिलते ही पुलिस का गश्ती वाहन मौके पर पहुंची और घायल ट्रेलर चालक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा. ट्रेलर रांची की ओर से जमशेदपुर की ओर जा रहा था. इसी दौरान उरमाल के सामने अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक मकान में घुस गया. गनीमत है कि उसे समय मकान के अंदर कोई नहीं था जिससे कोई बड़ी क्षति नहीं हुई. पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुट गई है.

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी दोषी करार

संवाददाता। धनबाद

नाम-पहचान बदलकर पीड़िता को अपने जाल में फंसाने और उसके साथ जबरन दुष्कर्म करने के एक मामले में धनबाद पोक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने नामजद आरोपी टुंडी कर्माटांड़ निवासी इकराम अंसारी उर्फ विक्रम हेम्ब्रम को दोषी करार दिया है. अदालत ने सजा के बिंदु पर सुनवाई आज होगी. प्राथमिकी पीड़िता की शिकायत पर टुंडी थाने में दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक पीड़िता इंटर की छात्रा थी. उसके मोबाइल फोन पर 8-9 महीने से अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन किया जाता था. जब वह उससे उसका परिचय पूछती थी तो उसने अपना नाम विक्रम बताया था. इसके बाद वह लगातार पीड़िता से बात करने लगा पांच जून 2019 को कॉलेज के गेट के पास आरोपी पहुंचा. पीड़िता को धमकी देकर अपने मोटरसाइकिल पर बैठाया और कहा कि गांव पहुंचा देते हैं.

आरोप है कि पीड़िता को उसके घर पहुंचाने की बात कह कर आरोपी उसे जंगल में ले गया और वहां जबरन दुष्कर्म किया. पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने उसे धमकी दी कि यदि बात किसी को बताई तो जान से मार कर फेंक देंगे. मामले में अनुसंधान के बाद पुलिस ने 12 अप्रैल 20 को आरोपी के विरुद्ध आरोप पत्र तैयार किया था. 18 फरवरी 22 को आरोप तय होने के बाद सुनवाई शुरू हुई थी. सुनवाई के दौरान अभियोजन ने इस मामले में चार गवाहों का परीक्षण कराया था.

टुईला डूंगरी शीतला माता मंदिर में उपसमिति का गठन, भव्य रूप में होगा आयोजन

अप्रैल में होने वाले नवरात्रि ज्वारा महोत्सव को लेकर तैयारी शुरू

संवाददाता । जमशेदपुर

चैत्र नवरात्र के समय छत्तीसगढ़ी समाज के द्वारा संचालित मंदिरों में नवरात्रि ज्वारा महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है. श्री श्री शीतला माता मंदिर टुईला डूंगरी में इस आयोजन को लेकर तैयारी प्रारंभ कर दी गई है. इसे लेकर गुरुवार को मंदिर परिसर में बैठक हुई. इसकी अध्यक्षता मंदिर समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार ने की. यहां चैत्र नवरात्र के इस महोत्सव को भव्य रूप से मनाने के लिए सर्वसम्मति से उपसमिति भी गठित की गई. जिसमें संयोजक परमानंद कौशल, कोषाध्यक्ष चंद्रिका निषाद सुकालु और महिला प्रमुख के रूप में इंद्रा साहू को चयनित किया गया. मंदिर के अध्यक्ष दिनेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि तीन माह पूर्व तैयारी आरंभ कर दी गई है, ताकि भव्य आयोजन किया जा सके. इस वर्ष जश गायन मंडली छत्तीसगढ़ से बुलाने की तैयारी है.

8 अप्रैल से नवरात्रि की शुरुआत : ज्ञात हो की छत्तीसगढ़ी समाज के लोगों द्वारा चैत्र नवरात्रि बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है. डोंगरगढ़ की माता बमलेश्वरी को भव्य रूप से सजाया जाता है और लाखों लोग प्रतिदिन दर्शन और पूजा करने वहां जाते है. इसी तरह यहां रह रहे लोगों के द्वारा शीतला माता मंदिर में भव्य अनुष्ठान और नवरात्रि ज्वारा महोत्सव का आयोजन किया जाता है. इस वर्ष 8 अप्रैल को बिरीह भिगोना से नवरात्रि की शुरुआत होगी. 9 अप्रैल को ज्योत प्रज्ज्वलित की जाएगी और नौ दिनों तक भव्य अनुष्ठान, जश गायन, भजन और धार्मिक आयोजन किया जायेगा. 17 को भव्य शोभा यात्रा के साथ विसर्जन जुलूस निकली जायेगी और रामनवमी मनाई जाएगी.

खास बातें

- सर्वसम्मति से उपसमिति भी गठित की गई
- जश गायन मंडली छत्तीसगढ़ से बुलाने की तैयारी है

यह लोग रहे उपस्थित

बैठक का संचालन महामंत्री गिरधारी साहू ने किया और धन्यवाद ज्ञापन परमानंद कौशल ने किया . बैठक में मुख्य रूप से मोतीलाल साहू, गंगाराम साहू, मनमोहन लाल साहू, डॉ शंकर लाल ठाकुर, नरेश निषाद, चंद्रिका निषाद, त्रिवेणी कुमार, मंजू ठाकुर, देवकी साहू जमुना निषाद, मंजू सह, नूतन साहू, फूलो देवी, नवीन कुमार, महावीर प्रसाद, द्रौपदी साहू, सोनी साहू, सुमन निषाद, पूजा प्राची, दीपक साहू, रोशन साहू, दिनेश कुमार सोनू, बबलू निषाद आदि उपस्थित थे .

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- झारखंड का कितना प्रतिशत भाग कृषि कार्य के योग्य है – 77
- किस नेता को जननायक के नाम से जाना जाता है – **कर्पूरी ठाकुर**
- रॉकेट की गति पर कौन सा संरक्षण सिद्धांत लागू होता है – **संवेग का संरक्षण**
- संयुक्त राष्ट्र के चार्टर कहां स्वीकार किए गए थे – **सैन फ्रांसिस्को**
- ट्रेफलगार के युद्ध में नेपोलियन किस देश से हारा था – **इंग्लैंड**
- आरबीआई ने किस बैंक पर 90.92 लाख रुपये का जुर्माना लगाया – **एक्सिस**
- बलबन का तत्कालीन उत्तराधिकारी कौन था – **कैकूबाद**
- लोकसभा में कम से कम कितने सत्र जरूरी होते हैं – **साल में दो**
- भारतीय रॉबस्टा किस फसल की कैटेगरी है – **कॉफी**
- किस राज्य में कंबल खेल खेला जाता है – **कर्नाटक**

ब्रीफ खबरें

भाजमो ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

जमशेदपुर । भारतीय जनतंत्र मोर्चा के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव के नेतृत्व में गुरुवार को जिला के उपायुक्त को एक ज्ञापन सौंपा. इसके बताया गया है कि 22 जनवरी को अयोध्या में प्रभु श्री राम लला के ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित होने वाला है. ऐसे में उस दिन पूर्वी सिंहभूम जिला के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों, कॉलेजों सहित अन्य सभी शैक्षणिक संस्थानों में एक दिवसीय सरकारी अवकाश घोषित किया जाना चाहिए. ज्ञापन में कहा गया है कि सदियों की प्रतिक्षा के उपरांत अयोध्या में प्रभु श्रीराम लला की विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है. इस समारोह के आयोजन से पुरे देश में हर्षोल्लास, उमंग और उत्साह का वातावरण है.

सेवा दल प्रभारी ने बेसहारा महिला का कराया दाह संस्कार

आदित्यपुर । कांग्रेस सेवा दल के ईचागढ़ विधानसभा प्रभारी सत्यप्रकाश राय ने गुरुवार को वार्ड संख्या 26 के बनतानगर निवासी स्वर्गीय भगवान शर्मा की पत्नी शकुंतला देवी का दाह संस्कार अपने स्तर से कराया है. उनका देहांत 17 जनवरी 2023 संध्या करीब 5:00 बजे हो गया था. इस बात की जानकारी व्हाट्स ग्रुप के माध्यम से प्राप्त हुई. उन्हें यह भी पता चला का इनका कोई पुत्र नहीं है सिर्फ एकलौती तीस वर्षीय पुत्री है जिनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है. इसके बाद सत्य प्रकाश ने पार्वती घाट के सचिव दीपेन्द्र भट्ट से बात कर दाह संस्कार शुल्क पूर्णतः माफ करने का अनुरोध किया, जिसपर उन्होंने त्वरित रूप से माफ कर दिया.

मास ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन को लेकर बीडीओ ने की बैठक

घाटशिला । प्रखंड सभागार में गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी युनिका शर्मा की अध्यक्षता में फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर मास ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) के तहत बीएलटीएफ की बैठक आयोजित की गई. बैठक में जिला मलेरिया इन्स्पेक्टर के द्वारा फाइलेरिया संक्रमण रोकथाम के लिए मास ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी से सहयोग करने की अपील किया. उपस्थित पदाधिकारी को संबोधित करते हुए अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी डा. आरएन सोरेन ने कहा कि 10 फरवरी से 25 फरवरी 2024 तक एमडीए कार्यक्रम चलाया जाना है. इसमें 2 वर्ष से ऊपर के सभी लोगों को डीईसी एवं एडवांटाजोले कि दवा ड्रग्स एड्मिनिस्ट्रेटिव के द्वारा घर घर जा कर दिया जाएगा.

पूरा शहर कोहरे की चपेट में है,वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा

बूंदा-बांदी ने बढ़ाई कनकनी व ठंड

संवाददाता । जमशेदपुर

शहर और आसपास के इलाकों में सर्द हवा और कोहरे के कारण ठंड बढ़ गई है. आधी रात से बूंदा -बांदी होने के कारण कनकनी भी बढ़ गई है. सुबह 8.30 बजे तक शहर में एक एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई थी. जो दोपहर बाद तक जारी रही. वहीं, पूरा शहर कोहरे की चपेट में है. सुबह घना कोहरा देखा गया. इसके कारण दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की गई. जबकि रात का तापमान बढ़ रहा है. कोहरे के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा. मौसम विभाग के अनुसार 19 जनवरी से बारिश रुकेगी. 23 जनवरी तक आंशिक बादल छाए रहने के अनुमान है. लेकिन मौसम शुष्क रहेगा. वहीं, सुबह और शाम कोहरा भी छाए रहेगा. इस दौरान अधिकतम तापमान 20 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा. जबकि बारिश रुकने के बाद न्यूनतम तापमान में एक बार फिर गिरावट आएगी. मौसम विभाग ने 23 जनवरी तक इसी प्रकार का ठंड रहने की संभावना जताई है. 24 जनवरी से ठंड में कमी आएगी. कुछ एक स्थानों पर ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सराहा लेते दिखाई दिए.

ग्रामीण इलाकों में भी सता रही ठंड : शहर के अलावा ग्रामीण इलाकों में भी ठंड का असर देखा जा रहा है. कोहरे और बारिश के कारण लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है. घाटशिला, बहरागोड़ा, चाकुलिया, धलभुमगढ़, पटमदा समेत अन्य जगहों पर आधी रात से बारिश हो रही है. पूरे कोल्हान में आधी रात से बारिश हो रही है. अब तक चाईबासा में सबसे अधिक बारिश हुई है. मौसम विभाग के जारी आंकड़े के अनुसार चाईबासा में 18.1 एमएम बारिश गुरुवार सुबह 8.30 बजे तक रिकॉर्ड की गई जो राज्य में सबसे अधिक है. इसके बाद बोकारो में 11.4 एमएम बारिश सबसे अधिक रिकॉर्ड की गई.

घना कोहरा व बारिश से जनजीवन प्रभावित

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र में गुरुवार देर रात से ही लगातार हो रहे बारिश व घना कोहरा के कारण जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है. इस कोहरे व वर्षा के कारण कृषि कार्य से लेकर सड़क पर यातायात करने वाले वाहन चालकों को भी परेशानी बढ़ा दी है. साथ ही शिक्षार्थियों को विद्यालय जाने आने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.सड़क पर चलने वाले वाहनों की गति धीमी हो गई है. वहीं बारिश के कारण ठंड में भी इजाफा हुआ है जिससे दैनिक लगने वाले बाजार वीरानी छायी हुई है. सुबह से लोगों को भगवान भास्कर का दर्शन नहीं हुए हैं. ग्रामीण इलाकों में भी घना कोहरा व निरंतन बारिश के चलते लोग दिन भर गर्म कपड़े पहन कर ही अपने-अपने घरों में दुबके हुए हैं.

संवाददाता । चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन सुबह वातावरण में घना कोहरा छाया रहा. घने कोहरे के साथ गुरुवार की सुबह कई स्थानों में बूंदाबांदी भी हुई. हल्की बारिश होने के बाद क्षेत्र में कंपकंपी ठंड पड़ने लगी है. मौसम के इस बदले मिजाज से क्षेत्र में जनजीवन प्रभावित हो रहा है. रोजमर्रा के कामों में घर से बाहर निकलने वालों को मौसम के करवट लेने से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. वहीं कोहरे के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई हैं. सुबह शून्य दृश्यता की स्थिति बनी हुई थी एवं आसमान से ओस की हल्की बूंदे टपकती महसूस हो रही थी. घने कोहरे के कारण वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा.

सुबह छाया रहेगा कोहरा

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में आने वाले कुछ दिनों तक दिन की शुरुआत घने कोहरे के साथ ही होगी. सुबह के वक्त वातावरण कोहरे की आगोश में रहेगा. इसके बाद धीरे-धीरे वातावरण साफ होने लगेगा. इसके कारण रोजमर्रा की जिंदगी के लिए समय पर निकालने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा. इस बीच शीतलहरी चलने से कड़ाके की ठंड पड़ेगी. मौसम पूर्वानुमान के अनुसार मौसम की ऐसी स्थित आने वाले कुछ दिनों तक बनी रहेगी. 21 जनवरी तक आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे. इसके बाद आसमान में बादल छटेंगे, लेकिन सुबह कोहरा छाया रहेगा. इस दौरान तापमान में बदलाव होने की संभावना नहीं है.

हल्की बारिश में तालाब बना एनएच

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र में अवस्थित त्रिवेणी संगम स्थल के एनएच हल्की बारिश में कीचड़ तथा गड्ढे में पानी भर गया . एनएच 18 तथा 49 के सर्विस रोड पाटबेड़ा से लेकर माटिहाना तक दोनों और जर्जर होने से बारिश में पैदल चलना भी खतरे से खाली नहीं है. एनएएचआई के गलत रोड डिजाइनिंग के वजह से आम जनों को इन मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है.

सीएम के कार्यक्रम को लेकर विधायक ने की कार्यकर्ताओं संग बैठक

संवाददाता । घाटशिला

झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से गुरुवार को लालडीह स्थित माटी कला भवन में विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई. बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रामदास सोरेन उपस्थित थे. बैठक के दौरान चार प्रखंड के झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड कमेटी अध्यक्ष सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे. बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने सांगठनिक चर्चा करते हुए कई बिंदुओं पर विधायक सह झामुमो जिला अध्यक्ष रामदास सोरेन का ध्यान आकृष्ट कराया. विधायक ने कार्यकर्ताओं की बातों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि जो भी समस्या है उसका समाधान तत्काल किया जाएगा साथ ही साथ आगामी 23 जनवरी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का प्रस्तावित कार्यक्रम घाटशिला में होने जा रहा है. इसके लिए पार्टी की जिम्मेदारी है कि अपने स्तर से तैयारी करें. मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान आबुआ आवास योजना का शिलान्यास राजभर के लिए घाटशिला से करेंगे. इसके अलावा सरकार की अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में कार्यकर्ताओं से चर्चा किया. बैठक में मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत, कान्हू सामंत, वकील हेंब्रम, बाघराय मार्डी, काजल डॉन, प्रधान सोरेन अर्जुन हांसदा, सुराई टुडू सहित अन्य उपस्थित थे.

शीतला मंदिर से निकाली गयी कलश यात्रा

संवाददाता । जमशेदपुर

साकची स्थित शीतला मंदिर से बाबा विश्वनाथ और माता अन्नपूर्णा देवी की प्राण प्रतिष्ठा के लिए कलश यात्रा निकाली गई. गुरुवार को शीतला मंदिर से निकली इस यात्रा में 101 महिलाएं शामिल हुई. सभी मानगो स्वर्ण रेखा नदी से कलश में जल लेकर मंदिर वापस पहुंची, जहां कलश स्थापना के बाद पूजा अनुष्ठान प्रारंभ हुआ. कलश यात्रा बेहद ही धूमधाम से निकाली गई, जिसमें घोड़े और गाजे बाजे के साथ लोग शामिल थे. सभी का उत्साह देखते ही बन रहा था. मंदिर के पुजारी अशोक पांडे ने बताया कि 22 जनवरी को अयोध्या मे रामलाला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही शीतला मंदिर में भी बाबा विश्वनाथ और माता अन्नपूर्णा देवी की पूरे परिवार सहित प्राण प्रतिष्ठा होगी. इसके लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है. आज कलश यात्रा निकाली गई है जिसमें श्रद्धालु भक्ति भाव से शामिल हुए है.

लोक कला व संस्कृति के संरक्षण के लिए होगा कार्यक्रम

सुवर्णरेखा महोत्सव में थिरकेंगे स्थानीय लोक कलाकार

संवाददाता । चांडिल

सांस्कृतिक समारोह एवं निर्माण अनुदान योजना के तहत लोक कला एवं संस्कृति के संरक्षण और लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए सुवर्णरेखा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है. भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सौजन्य से 21 जनवरी को नटराज कला केंद्र चोगा, ईचागढ़ द्वारा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है. चांडिल अनुमंडल के ईचागढ़ प्रखंड अंतर्गत चोगा में स्थित नटराज कला केंद्र परिसर में 21 जनवरी को तीन बजे से महोत्सव का आयोजन होगा. इसकी जानकारी कला केंद्र के सचिव प्रभात कुमार महतो ने दी.

: नटराज कला केंद्र चोगा में होने वाले सुवर्णरेखा महोत्सव में पुरुलिया, झालदा के लक्ष्मी रानी महतो एवं साथी कुड़माली पांता झूमर पेश करेंगे. वहीं पंचपरगनिया सांस्कृतिक दल बुंडू, रांची के बुटन देवी, सरस्वती देवी, संपती देवी व राजोवाला देवी पांचपरगना गीत व नृत्स प्रस्तुत करेंगे. जमशेदपुर कलामंदिर के देवला मुर्मू अपने साथियों के साथ साड़फा नृत्य और ईचागढ़ प्रखंड के आदरडीह स्थित मानभूम सांस्कृतिक समिति के गुलाप सिंह मुंडा व साथी पाईका नृत्य पेश करेंगे. समाज से लुप्त होने पारंपरिक कला संस्कृति को बचाने के लिए आयोजित सुवर्णरेखा महोत्सव से कलाकारों को प्रोत्साहन मिलेगी.

खास बातें

- 21 जनवरी को नटराज कला केंद्र में होगा महोत्सव
- पारंपरिक कला का कलाकार करेंगे प्रदर्शन

20 से बेमियादी आमरण अनशन

संवाददाता । आदित्यपुर

कांड्रा स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग पर स्थानीय लोग 20 जनवरी शनिवार को अनशन करेंगे. वहीं इस अनिश्चितकालीन आमरण अनशन को देखते हुए अमलगम स्टील के द्वारा जेसीबी से कांड्रा स्टेशन रोड और कांड्रा पुराना पोस्ट ऑफिस रोड की साफ सफाई कराई गई. पूर्व सांसद प्रतिनिधि प्रकाश कुमार राजू के नेतृत्व में होने वाले अनिश्चितकालीन आमरण अनशन में दूर-दूर से समाजसेवी, जनप्रतिनिधि कांड्रा के स्थानीय ग्रामीण व कांड्रा क्षेत्र के आसपास के ग्रामीण भी बढ़-चढ़कर भाग लेंगे. ग्रामीण इस अनशन को काफी सराह रहें हैं और अनशन का काफी समर्थन भी कर रहे हैं.

बता दे कि इस अनिश्चितकालीन आमरण अनशन को लेकर केंद्रीय मंत्री सह कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, सांसद गीता कोड़ा, साथ ही डीआरएम को, होने वाले आमरण अनशन के बारे में सूचना दी है. बता दें कि इससे पूर्व चक्रधरपुर मंडल रेल प्रबंधक अरुण जे राठौर को पत्र देकर ट्रेनों के ठहराव समेत कई मांग उठाई गई थी. लोगों ने थावे एक्सप्रेस, साउथ बिहार एक्सप्रेस, सुपर एक्सप्रेस, क्रियायोगा एक्सप्रेस एवं टाटानगर-जम्मूतवी एक्सप्रेस को कांड्रा में ठहराव देने की मांग की है. इसके अलावा प्लेटफार्म पर टी-स्टॉल, पार्किंग की सुविधा व सामुदायिक भवन, टिकट काउंटर की संख्या बढ़ाने, अंडरपास और शौचालय शुरू करने, आरक्षण केंद्र में टिकट बुकिंग का समय बढ़ाने और कांड्रा जक्शन से दरभंगा-जयनगर के लिए नई ट्रेन चलाने की मांग भी शामिल है. वहीं साफ़ सफाई कराने में पूर्व जिला परिषद सदस्य सुधीर महतो, पूर्व उप प्रमुख मनोज महतो,राम महतो, राज किशोर महतो, भरत महतो,सरोज महतो, डाबू महतो का अहम योगदान रहा.

खास बातें

- कांड्रा स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग
- कांड्रा क्षेत्र के ग्रामीण भी बढ़-चढ़कर भाग लेंगे

ढाकपाथर में खेलकूद प्रतियोगिता सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता । घाटशिला

प्रखंड के आसना पंचायत अन्तर्गत ढाकपाथर गांव में गुरुवार को खेलकूद प्रतियोगिता सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. डीडीपी ढाकपाथर के तत्वावधान में खेलकूद की विविध स्पर्द्धाओं का आयोजन किया गया. इसके आलावा विभिन्न क्षेत्र की महिला मंडलियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया. समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू व विशिष्ट अतिथि के रूप में मुखिया मानसिंह हेम्ब्रम उपस्थित थे. समारोह को संबोधित करते हुए जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से भाईचारा बढ़ता है. विविध संस्कृतियों को परस्पर मिलने का मौका मिलता है. ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभा की कमी नही है. पारंपरिक खेलकूद को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है. विजेताओं को कमेटी की ओर से पुरस्कृत किया गया. इस मौके पर मुख्य रूप से बुढ़ान मुर्मू, नंदलाल हांसदा, गुहिराम हांसदा, सुगदा हांसदा, बालक मुर्मू, दिलीप मुर्मू, प्रेम हांसदा, भादो माण्डी, सोमनाथ मुर्मू, चैतन सोरेन समेत अनेक लोग उपस्थित थे.

राजनीति

जयदा मेला में दिखा भाजपा की गुटबाजी, लगे दो सहायता शिविर

भाजपा ने कंबल, खिचड़ी व चना-गुड़ का किया वितरण

संवाददाता । चांडिल

चांडिल प्रखंड के ऐतिहासिक जयदा टुसू मेला में भारतीय जनता पार्टी ने मेला पहुंचे श्रद्धालुओं के बीच लगभग 400 कंबलों का वितरण किया. इस दौरान श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी और चना गुड़ का भी वितरण किया गया. इस अवसर पर भाजपा के सरायकेला-खरसावां जिला महामंत्री मधुसूदन गोराई ने कहा कि सनातन धर्म में सेवा को परम धर्म माना जाता है और हम सभी भाजपा के सिपाही इस कथन को चरितार्थ करने का प्रयास कर रहे हैं. मौके पर सांसद प्रतिनिधि मदन सिंह सरदार ने कहा कि भाजपा गांव के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाना चाहती है. इसी कड़ी में जयदा के

प्रसिद्ध टुसू मेला में कंबल, खिचड़ी व चना गुड़ का वितरण किया गया.

भाजपा का लगा दो अलग-अलग शिविर : ईचागढ़ विधान सभा क्षेत्र में वैसे कई राजनीतिक दल गुटों में बंटी है. लेकिन जयदा टुसू मेला में भाजपा का गुटबाजी साफ दिखाई दिया. जयदा टुसू मेला में विभिन्न राजनीतिक दल व सामाजिक संगठनों ने श्रद्धालुओं के लिए सहयता शिविर लगाया. वहीं मेला में भाजपा का दो अलग-अलग सहायता शिविर लगा था. इसके पूर्व हर साल भाजपा का एक ही सहायता शिविर लगता था, जहां नेता-कार्यकर्ता बैठते थे, लोगों से मुलाकात करते थे, मेला पहुंचे लोगों की सहायता करते थे. इस वर्ष लगे दो अलग-अलग सहायता शिविर में भाजपा के नेता बंटे दिखाई दिए. भाजपा का दो सहायता शिविर लगने की चर्चा पूरे क्षेत्र में जोरों पर चल रही है. लोग इसको लेकर तरह-तरह की चर्चा कर रहे हैं.

दोनों शिविर से हो रहा था सेवा कार्य : भाजपा के एक सहायता शिविर में सरायकेला-खरसावां जिला महामंत्री मधुसूदन गोराई, भाजपा नेत्री सारथी महतो, दीपू जायसवाल, अनिता पारित, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष मनोज महतो, सांसद प्रतिनिधि मदन सिंह सरदार, मंडल अध्यक्ष खगेन महतो, मोतीलाल कर्मकार, महेश कर्मकार, वृंदावन कुंभकार समेत भाजपा के कई वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे. दूसरे में युवा मोर्चा के नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे. अगल-बगल बने दूसरे शिविर से भी मेला पहुंचे श्रद्धालुओं का सहयोग किया जा रहा था. जो भी हो जयदा मेला में भाजपा का दो सहायता शिविर का लगने से क्षेत्र में चर्चा का बाजार गर्म है. राजनीति के जानकारों का कहना है कि पार्टी के ऐसे दिखाई देने वाली गुटबाजी का विपरीत परिणाम आने वाले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में पड़ सकता है.

खास बातें

- श्रद्धालुओं के बीच लगभग 400 कंबलों का वितरण
- सहायता शिविर में भाजपा के नेता बंटे दिखाई दिए

मारपीट के आरोप में आकाश महतो हुए थे गिरफ्तार

तबीयत बिगड़ने के बाद भाजयुमो नेता को एमजीएम रेफर किया

संवाददाता । चांडिल

मारपीट करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए भारतीय जनता युवा मोर्चा के सरायकेला-खरसावां जिला मंत्री आकाश महतो एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर में भर्ती कराए गए हैं. गुरुवार को तबीयत बिगड़ने के बाद पुलिस ने उसे इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर भेज दिया. चिलगु निवासी गुरुचरण महंती ने चांडिल थाना में आकाश महतो व अन्य के खिलाफ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है. इसके बाद चांडिल थाना की पुलिस ने बुधवार की रात को ही आकाश महतो को गिरफ्तार कर लिया था. गुरुवार की सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उसे प्राथमिक उपचार के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया था.

तीन नामजद व 12 अज्ञात पर मामला दर्ज : मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की शाम चांडिल थाना अंतर्गत बामुनडीह गांव के पास भाजपा के दो गुटों में जमकर मारपीट हुआ था. मारपीट की घटना के बाद घायल गुरुचरण महंती ने आकाश महतो, विनोद राय और छोटू पर नामजद और 12 अज्ञात के खिलाफ जानलेवा हमला करने, पर्स छिनने व धमकी देने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था.

जयदा मेला में पुलिस ने एक चोर को दबोचा

चांडिल । इन दिनों चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में टुसू परब की धूम मची है. मेला में बड़ी संख्या में श्रद्धालु नाचते-गाते पहुंच रहे हैं और टुसू परब मना रहे हैं. वहीं भीड़ का फायदा चोर भी उठा रहे हैं. जयदा में लगने वाले ऐतिहासिक टुसू मेला में मोबाइल चोर भी सक्रिय हैं. मेला में सावधानी के बावजूद कई लोगों का मोबाइल चोरी हो चुका है. मेला कमेटी की ओर से लाउडस्पीकर से बार-बार लोगों को दिशा-निर्देश दिया जा रहा है. मेला का लुत्फ उठाने के साथ सचेत रहने की अपील की जा रही है. मेला में मोबाइल चोरी करते पुलिस ने एक चोर को धर दबोचा है. पकड़ाए मोबाइल चोर ने बताया कि उसका नाम कन्हैया सिंह है और वह पश्चिम बंगाल के पुरूलिया जिला अंतर्गत बलरामपुर थाना क्षेत्र के चुटकीडीह का रहने वाला है. वह ईचागढ़ थाना क्षेत्र के दारूदा निवासी जयचांद महतो नामक श्रद्धालु का मोबाइल मेला परिसर से चुराया था.

शिक्षा विभाग ने उर्दू शिक्षक के पदों को समाप्त करने का निर्णय लिया है, उर्दू भाषी कर रहे विरोध

निर्णय पर पुनर्विचार करे झारखंड सरकार

सरकार के उर्दू शिक्षकों की बहाली पर रोक के निर्णय से उर्दू भाषा-भाषी समुदाय के लोग नाराज है. मालूम हो कि सरकार ने उर्दू प्रशिक्षित शिक्षक के शत-प्रतिशत पद एवं स्नातक प्रशिक्षित सहायक शिक्षक संवर्ग के 50 प्रतिशत सीधी नियुक्ति से भरे जाने वाले पद को 'मरणशील' संवर्ग घोषित कर उर्दू शिक्षकों की बहाली पर रोक लगा दी है. अब उर्दू शिक्षकों के रिक्त पड़े पदों पर नियुक्ति किए जाने के बजाय पदों को ही समाप्त करने का निर्णय शिक्षा विभाग ने लिया है. इसे लेकर मुस्लिम समाज के लोगों में रोष है. उनका कहना है कि झारखंड सरकार का उर्दू के संबंध में जो प्रस्ताव आया है, वह निंदनीय है. उर्दू किसी कौम की भाषा नहीं है बल्कि उर्दू एक तहजीब है, जो समाज में सद्भावना बढ़ाने का काम करती है. साजिश के तहत उर्दू को खत्म करने के लिए सरकार के स्तर पर इस तरह का घिनौना काम किया जा रहा है. इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. सरकार को अपने इस निर्णय पर फिर से विचार करना चाहिए. अगर ऐसा नहीं हुआ तो इसका सड़क से लेकर संसद तक विरोध किया जाएगा. शुभम संदेश की टीम ने इस संदर्भ में राज्य के विभिन्न जिलों में उर्दू भाषा-भाषियों से बात की है. पेश है रिपोर्ट.

उर्दू भाषी लोगों ने कहा

- सरकार के इस निर्णय से उर्दू भाषी समुदाय आहत
- उर्दू किसी कौम की सिर्फ भाषा नहीं तहजीब भी है
- एक साजिश के तहत ऐसा किया जा रहा है
- राज्य सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा

चाईबासा

राज्य सरकार झारखंड से सभी उर्दू यूनिट को खत्म करना चाहती है: अमीन अहमद

झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ के केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद ने कहा कि राज्य सरकार एक साजिश के तहत झारखंड से सभी उर्दू यूनिट को खत्म करना चाहती है. इसकी जिम्मेदारी स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने उठा रखा है. इसलिए तरह-तरह के हथकंडे अपना कर उर्दू के सभी यूनिट को ही खत्म करने की साजिश रची जा रही है. सन 2000 में जब बिहार से अलग होकर झारखंड राज्य बना तो बिहार से झारखंड को 4401 यूनिट उर्दू के मिले थे, लेकिन दुर्भाग्य से अब तक सभी 4401 यूनिट को कभी भी पूरी तरह भरा नहीं गया. 2014-15 में 689 यूनिट पर उर्दू शिक्षक बहाल किये गये थे. लेकिन इस नियुक्ति में भी साजिश रची गई और गैर योजना मद में मिले यूनिट को योजना मद में बदल कर नियुक्ति की गई.

योजना मद से बदल कर गैर योजना मद में स्थानांतरित करवाया, हित में निर्णय: मो. तौकीर

अंजुमन इस्लामिया के कोषाध्यक्ष मो तौकीर ने कहा कि इस तरह का खिलाफ काफी लंबी लड़ाई लड़ी और अंततः 2023 में योजना मद से बदल कर गैर योजना मद में स्थानांतरित करवाया गया. सरकार ने मुसलमानों के हित में निर्णय नहीं किया है [illegible] इस पर सरकार को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है इसके पश्चात इस नियम को बदलाव कर उर्दू शिक्षक के हित में निर्णय लेने की जरूरत है जब तक उर्दू शिक्षक के हित में निर्णय नहीं लिया जाएगा तब तक हम लोग का आंदोलन जारी रहेगा.

1994 में सबसे अधिक उर्दू शिक्षकों की बहाली हुई, बिहार में अब भी हो रही है : अनीस जमाल

अंजुमन के सचिव अनीस जमाल ने कहा कि 1994 में लालू प्रसाद की सरकार ने सबसे अधिक उर्दू शिक्षकों की बहाली की थी. उसके बाद से झारखंड के विद्यालयों को कोई बहाली नहीं की गई. जबकि इसके विपरीत बिहार में लगातार बहाली हो रही है. प्राथमिक, माध्यमिक एवं प्लस 2 विद्यालयों में अब तक उर्दू शिक्षकों की नियुक्ति नहीं किये गये हैं. जो शिक्षक पूर्व से नियुक्त थे, उन्हें उर्दू स्कूलों से हटा कर गैर उर्दू भाषी स्कूलों में पदस्थापित कर दिया गया है साथ ही 2015 में नियुक्त माध्यमिक शिक्षकों को ऐसे विद्यालयों में पदस्थापित कर दिया गया है जहाँ उर्दू पढ़ने वाले बच्चों की संख्या नगण्य है जबकि उर्दू पढ़ने वाले बच्चों के विद्यालयों में उर्दू शिक्षकों को पदस्थापित नहीं किया गया है.

उर्दू भाषा के खिलाफ साजिश रची जा रही है,सच कोई सुनने वाला ही नहीं है : मो गिलमान अनवर

सफ वेलफेयर सोसायटी के मो. गिलमान अनवर ने कहा कि झारखंड में अजीब हालत है, बार-बार कहने के बाद भी उर्दू के खिलाफ साजिश रची जा रही है. सच को सुनने वाला और उसका हल निकालने वाला भी कोई नहीं है. सरकार खामोश है और अधिकारी बेलगाम होकर उर्दू के खिलाफ साजिश रच रहे हैं. इसलिए हमारा संघ ने निर्णय लिया है कि उर्दू यूनिट खत्म करने की जरा भी कोशिश की गई तो राज्यव्यापी और व्यापक आंदोलन होगा. जिसका बुरा नतीजा लोकसभा व विधान चुनाव में भी सामने आयेगा.

लातेहार

यह निर्णय ही निंदनीय है : मौलाना अब्दुल

जमीयत उलेमा के लातेहार जिला महासचिव मौलाना अब्दुल वाजिद का कहना है कि झारखंड सरकार का उर्दू के संबंध में जो निर्णय लिया गया है यह निंदनीय है. उर्दू किसी कौम की भाषा नहीं है बल्कि उर्दू एक तहजीब है जो समाज में सद्भावना बढ़ाने का काम करती है. साजिश के तहत उर्दू को खत्म करने के लिए सरकार के स्तर पर इस तरह का घिनौना काम किया जा रहा है. इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा. सरकार को इस प्रस्ताव को वापस लेना होगा.

उर्दू को खत्म करने की साजिश है: मो. रफीउल्लाह

बालूमाथ के गालिब कॉलोनी निवासी मो रफीउल्लाह का कहना है कि सरकार से यह उम्मीद थी कि उर्दू को बढ़ावा देने के लिए सरकारी स्तर पर प्रयास किया जाता, बजाय इसके उर्दू को खत्म करने की सरकारी साजिश की जा रही है. उर्दू को पसंद करने वाले लोग सरकार के इस घिनौना प्रयास को कभी सफल नहीं होने देंगे. सरकार को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए. यह उर्दू भाषी लोगों के साथ अन्याय है. सरकार को हर हिंदी व उर्दू में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करना चाहिए.

गिरिडीह

उर्दू शिक्षकों की नियुक्ति को समाप्त करना गलत, यह अत्याचार ही है : मो. सद्दीक खान

डुमरी के समाजसेवी मो सद्दीक खान ने कहा कि एकीकृत बिहार राज्य के समय ही उर्दू शिक्षकों का पद सृजित किया गया था. अलग राज्य बनने के बाद झारखंड में उर्दू शिक्षकों का 4401 पद रिक्त था. जिसमें से केवल 689 उर्दू शिक्षकों की बहाली की गई थी . अब उर्दू शिक्षकों के रिक्त पदों पर नियुक्ति की बजाय पद ही समाप्त किया जा रहा है. राज्य की हेमंत सोरेन की सरकार मुस्लिमों पर अत्याचार कर रही है. इस निर्णय को वापस नहीं लिया गया तो पूरे राज्य में जोरदार आंदोलन किया जाएगा.

उर्दू शिक्षकों के साथ गलत कर रही है राज्य सरकार, यह ठीक नहीं : मुस्तकीम आलम

धनवार के मो मुस्तकीम आलम ने कहा कि उर्दू शिक्षकों की नियुक्ति को समाप्त करना गलत निर्णय है . राज्य में उर्दू पढ़ने वाले बच्चों की संख्या बहुत अधिक है . जिस कारण सरकार को शिक्षाको की नियुक्ति को समाप्त करने की बजाय उर्दू शिक्षकों की जल्द से जल्द बहाली करनी चाहिए . उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उर्दू शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया समाप्त करने की कोशिश की गई तो मुस्लिम समाज के लोग जोरदार आंदोलन करने के लिए बाध्य हो जायेगा .

उर्दू भाषा को खत्म करने की साजिश कर रही है सरकार, आंदोलन होगा : मसरुद्दीन अंसारी

समाजसेवी मसरुद्दीन अंसारी ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन की सरकार उर्दू भाषा को खत्म करने की साजिश रच रही है . उर्दू शिक्षकों की नियुक्ति को समाप्त करना सरकार की इस मनसा को प्रमाणित करता है . ऐसा किया गया तो राज्य के हजारों मुस्लिम समाज के बच्चें उर्दू की शिक्षा से वंचित रह जायेंगे . इस परिस्थिति में मुस्लिम समाज के पास आंदोलन ही एक मात्र विकल्प बच जायेगा .

शिक्षक नियुक्ति को समाप्त किया गया, हेमंत सरकार के लिए ठीक नहीं : मो जैनुल अंसारी

मोमिन कांफ्रेंस के प्रदेश महासचिव मो जैनुल अंसारी ने कहा कि राज्य में उर्दू शिक्षकों की नियुक्ति को समाप्त किया गया तो यह हेमंत सोरेन सरकार के लिए ठीक नहीं होगा . राज्य सरकार के इस निर्णय का असर गांडेय विधानसभा के उपचुनाव में भी देखने को मिल सकता है . उन्होंने कहा कि पहले उर्दू किताब को खत्म किया गया . बाद में आठवीं बोर्ड में उर्दू मुख्य विषय को हटाया गया . 543 उर्दू स्कूलों को सामान्य बना दिया गया . मुस्लिम समाज ने इसका विरोध भी किया . फिल्हाल राज्य सरकार ने 3712 उर्दू शिक्षकों का पद समाप्त करने की कोशिश की है,जिससे उर्दू समाप्त हो जायेगा और नौजवानो का रोजगार छीन लिया जाएगा.

आदित्यपुर

यह दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय है : मो. हाजी नाजिर हुसैन

पूर्व उर्दू शिक्षक मो. हाजी नाजिर हुसैन का कहना है कि उर्दू शिक्षकों के नियुक्ति को रद्द करना और उसे मरणशील घोषित करना सरकार का दुर्भाग्य निर्णय है. उर्दू प्रशिक्षित शिक्षक के शत-प्रतिशत पद एवं स्नातक प्रशिक्षित सहायक शिक्षक संवर्ग के 50 प्रतिशत सीधी नियुक्ति से भरे जाने चाहिए थे. लेकिन सरकार ने मरणशील संवर्ग घोषित कर उर्दू शिक्षकों की बहाली पर रोक लगा दी गई है. यह राज्य के लाखों उर्दू शिक्षकों के साथ अन्याय है. सुनने में आ रहा है कि अब उर्दू शिक्षकों के रिक्त पड़े पदों पर नियुक्ति किए जाने के बजाय पदों को ही समाप्त करने का निर्णय शिक्षा विभाग ने लिया है.

विरोध सड़क से संसद तक होगा : हाजी अमानुल हक

मुस्लिम धर्म गुरु हाजी अमानुल हक कहना है कि उर्दू शिक्षकों की नियुक्ति को रद्द करना यह सरकार का मुस्लिम धर्म विरोधी निर्णय है. इससे उर्दू प्रशिक्षित शिक्षको में नाराजगी है. जहां शत-प्रतिशत पद एवं स्नातक प्रशिक्षित सहायक शिक्षक संवर्ग के 50 प्रतिशत सीधी नियुक्ति से भरे जाने चाहिए थे उस पर न सिर्फ रोक लगाया गया बल्कि उसे पूरी तरह से बंद कर दिया गया. यह सरकार का अल्पसंख्यकों के प्रति नजरिया को स्पष्ट करता है. इसका विरोध राज्यभर के उर्दू भाषी सड़कों पर उतरकर करेंगे. हमारे बस्ती में 3-3 मदरसे चल रहे हैं. जिसमें करीब 500 बच्चे उर्दू की शिक्षा ग्रहण करते हैं, यहां 5 शिक्षक भी पढ़ाते हैं . उन्हें सरकार के इस निर्णय से आघात पहुंचा है. सरकार को उर्दू सहित अल्पसंख्यक भाषा को संरक्षित करना चाहिए, न कि उसके विकास के द्वार बंद करने चाहिए था. इस निर्णय से दूसरे द्वितीय भाषाओं के अस्तित्व पर भी संकट मंडराने लगा है.

चक्रधरपुर

उर्दू स्कूलों को बंद कराना चाहती है सरकार: मो.शफिक

चक्रधरपुर निवासी शिक्षक मो. शफिक ने कहा कि सरकार उर्दू स्कूलों को बंद करना चाहती है.उर्दू स्कूलों में पहले से शिक्षकों की कमी है. ऐसे हालत में उर्दू शिक्षकों के रिक्त पड़े पदों को समाप्त कर रही है, जो पूरी तरह अन्याय किया जा रहा है. उर्दू भाषा को बहुत लोग पढ़ना चाहते हैं, लेकिन सरकार उर्दू भाषा को बढ़ावा देने की जगह उसकी पढ़ाई बंद कराने में जुट गई है. इसका पूरजोर तरीके से विरोध किया जाएगा. इसके लिए उर्दू भाषी लोगों को एकजुट होने की आवश्यकता है.अगर विद्यालयों में उर्दू शिक्षक ही नहीं होंगे तो बच्चों की पढ़ाई कैसे हो पाएगी. सरकार को इस ओर विचार करने की आवश्यकता है.

उर्दू शिक्षकों का पद समाप्त किये जाने का सरकार का निर्णय पूरी तरह गलत है : मो. जाहिद

उर्दू शिक्षकों का पद समाप्त किये जाने का सरकार निर्णय गलत है.वर्षों से उर्दू भाषी विद्यालयों में उर्दू शिक्षकों के पद रिक्त पड़े हुये हैं. ऐसे हालत में पद को समाप्त किये जाने का निर्णय चिंतनिय है.इससे उर्दू भाषा पढ़ने वाले विद्यार्थियों का भविष्य भी दांव पर लग गया है.उर्दू भाषा पढ़ने वाले बड़ी संख्या में लोग है, अगर शिक्षक ही नहीं होंगे तो पढ़ाई कैसे होगी.झारखंड के सभी जगहों में इसे लेकर विरोध शुरु हो गया है.सरकार को अपना निर्णय वापस लेना होगा.इससे उर्दू स्कूल भी बंद हो सकते हैं.

पद समाप्त किए जाने का प्रस्ताव वापस होना चाहिए,उर्दू की पढ़ाई कैसे होगी : शमा परवीन

चक्रधरपुर निवासी जवाहर लाल नेहरु कॉलेज की शिक्षिका शमा परवीन ने कहा कि उर्दू भाषा के शिक्षकों का पद समाप्त किए जाने का प्रस्ताव वापस लिया जाना चाहिए. शिक्षकों की कमी को दूर करने की वजाए शिक्षकों के रिक्त पदों पर नियुक्ति के बदले पद ही समाप्त कर रही है. इससे उर्दू भाषा पढ़ने की मंशा रखने वाले लोग कहां जाएंगे.अगर शिक्षक ही नहीं होंगे तो उर्दू भाषा की पढ़ाई कैसे होगी. सरकार बिना सोचे-विचारे ही निर्णय ले रही है.वर्षों से उर्दू भाषा के शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हुई है.सरकार के इस फैसले का सभी जगह विरोध किया जा रहा है.

धनबाद

मुस्लिम तबके को मिले रोजगार का मौका : मोफिज

फाब्ला नेता मोफिज साहिल ने कहा कि झारखंड सरकार को चाहिए कि उर्दू शिक्षकों की बहाली जल्द से जल्द की जाए. क्योंकि मुस्लिम समाज के युवा अभी सबसे अधिक बेरोजगार हैं. ऐसे में जिन लोगों ने भी उर्दू शिक्षक बनने की दिशा में मेहनत की थी, वे लोग अब मायूस हो चुके हैं. ऐसे में हेमंत सरकार से उम्मीद है कि विषय को गंभीरता से लें और सरकार मुस्लिम तबके की बेरोजगारी को दूर करें. इसके लिए जरुही है कि उर्दू शिक्षक पद पर बहाली हो.

तंत्र की नाकामी है बहाली न होना : उस्मान

टाटा कंपनी से सेवानिवृत हो चुके समाजसेवी शेख उस्मान कहते हैं कि झारखंड बनने के बाद चार हजार से अधिक पद बने थे, लेकिन मात्र 689 पदों पर उर्दू शिक्षकों की बहाली हुई. ये पूरी तरह से तंत्र की नाकामी है. ऐसे में भी आरक्षण का अलग से विवाद जोड़ दिया गया. सरकार का मकसद यदि मुस्लिम समाज की बेरोजगारी दूर करना होता तो शायद ये दिन देखने नहीं पड़ते. अब भी वक्त है हजारों पदों पर बहाली की जाए.

40 प्रतिशत का आरक्षण ही गलत है : जमील

इस्लाहिया कमेटी झरिया के पूर्व सदर जमील अख्तर कहते हैं कि कुल पदों में 40 प्रतिशत का आरक्षण ही बेमानी बात है. जबकि मुस्लिम तबके में सिर्फ ओबीसी ही मूल रूप से आरक्षित वर्ग हैं. ऐसे में मुस्लिम समाज का अन्य वर्ग में आरक्षण करना ही सरकार की मंशा को जाहिर करने का काम कर रही है. सरकार को चाहिए कि बिना राजनीति के जल्द से जल्द उर्दू शिक्षकों की बहाली करे और उर्दू की शिक्षा को बेहतर बनाने की दिशा में काम की जाए.

उर्दू की तालीम ही डांवाडोल हो गई : अली रजा

ट्यूशन टीचर अली रजा कहते हैं कि उर्दू की तालीम ही डांवाडोल हो गई . झारखंड बनने के बाद गैर योजना मद से उर्दू शिक्षकों की बहाली हुई थी . वह भी 4401 पदों में सिर्फ छह-सात सौ पद भरे गए थे . शेष आज भी खाली पड़े हैं . यह बात झारखंड बनने के बाद की सरकारों की मानसिकता को दिखाने के लिए काफी है .

जमशेदपुर

उर्दू प्रेमियों से धोखा कर रही सरकार : मौलाना सैफउद्दीन असदक

मदरसा तहरीक ए पैगाम ए इस्लाम के डायरेक्टर और हुसैनी मस्जिद के इमाम मौलाना सैफउद्दीन असदक ने कहा कि सरकार के इस फैसले से पता चलता है कि सरकार उर्दू भाषियों और मुस्लमानों के साथ धोखा कर रही है. उर्दु से ताल्लुक रखने वाले और जो भी लोग है उर्दू से जूड़े है उनके साथ नाइंसाफी की जा रही है. उन्होंने कहा कि एक समय था जब हर धर्म के लोग उर्दू सीखते थे और आज भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो उर्दू से जुड़े है. उर्दू बोलने और लिखने वालों में ज्यादा बड़ी तादात मुस्लमानों की ही है इसलिए उनके साथ बड़ा धोखा है. उन्होंने कहा कि चुनाव करीब है, झारखंड सरकार ने अपना फैसला वापस नहीं लिया तो हमें सोंचना होगा की हम अपना ऑपशन किसे चुने. उन्होनें झारखंड सरकार से अनुरोध किया कि इस तरीके से तकलीफ न दे और गुजारिश है कि जिन्हें नौकरी से हटा दिया गया है या हटाने वाले है उन्हें वापस लिया जाए.

निर्णय से उर्दू प्रेमियों को ठेस पहुंची है : कमरान अंसारी

मानगो निवासी कमरान अंसारी ने कहा कि सरकार के इस फैसले से उर्दू प्रेमियों को ठेस पहुंची है. इस फैसले से यह साफ है कि सरकार उर्दू को बढ़ावा नहीं देना चाहती है. यह फैसला ऐसे समय में आया है जब चुनाव नजदीक है. उर्दू सदियों पुरानी भाषा है जिसे सहेजकर रखना चाहिए. पर सरकार ने जो फैसला सुनाया है उससे उर्दू बोलने और लिखने वालों की संख्या में कमी आएगी जिससे आने वाले समय में उर्दू भाषा लुप्त हो जाएगी. इसके अलावा कई नौकरियां चली जाएगी जिससे कई लोग बेघर हो जाएंगे. सरकार को अपना यह फैसला तत्काल वापस ले लेना चाहिए.

सरकार का रवैया दुर्भाग्यपूर्ण : सलमान अख्तर

बिष्टुपुर निवासी सलमान अख्तर ने कहा कि एक समय था जब उर्दू के लिए कई स्कूल हुआ करते थे पर धीरे-धीरे ऐसे स्कूलों की संख्या में भी कमी आई है. सरकार को उर्दू भाषा को बढ़ावा देना चाहिए पर सरकार के इस फैसले से लगता है कि सरकार उर्दू भाषा को समाप्त ही कर देना चाहती है. जो लोग उर्दू के बारे में जानकारी हासिल करना चाहते है उनके लिए सरकार का यह फैसला किसी समस्या से कम नहीं है. यह फैसला सीधे एक कौम को टारगेट करता है जिससे यह स्पष्ट है कि सरकार मुस्लमानों के खिलाफ होती जा रही है. अगर सरकार ने अपना फैसला वापस नहीं लिया तो कौम को सोंचने पर मजबूर होना पड़ेगा.

उर्दू हमारी मातृभाषा है, इसे बचाएंगे : मो. सफीउल्लाह

मानगो के किड्स इंटरनेशनल स्कूल के उर्दू शिक्षक मो. सफीउल्लाह काशमी ने कहा कि के वे सरकार के इस फैसले का विरोध करते है. उर्दू के खिलाफ सरकार ने जो साजिश रची है वह बर्दाश्त नहीं है. यह फैसला समाज के लिए नुकसानदेह है. हिदुस्तान में दुसरी सबसे बड़ी जुबान उर्दू है. उर्दू भाषा में आज से पहले कई जगह उर्दू भाषा का इस्तेमाल किया जाता था. इसे खत्म ना कर बढ़ावा देना चाहिए. हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है और उर्दू मातृभाषा है. उर्दू को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाएंगे और सरकार के खिलाफ आवाज उठाएंगे.

बोकारो

सरकार का यह उर्दू विरोधी कार्य हमें किसी भी कीमत में बर्दास्त नहीं : इमाम सफी

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के सामाजिक कार्यकर्ता इमाम सफी ने बताया कि झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा जारी प्रोन्नति नियमावली 2024 के प्रारुप (ड्राफ्ट) 2 (1) में उल्लेखित कि उर्दू शिक्षक के पद को मरणशील कर दिया जाएगा, जो किसी भी तरह से उचित नहीं है. जिसके बाद रिक्त बचे 3712 पदों को सरेंडर कर दी जाएगी. यह घोर निंदनीय विषय है. हेमंत सरकार की यह उर्दू विरोधी कार्य है जो किसी भी कीमत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है.यह सरकार के विनाश कले विपरीत बुद्धि वाला कार्य है. इस प्रारुप को अविलंब वापस लेना चाहिए.

गोड्डा

सरकार की साजिश को सफल होने नही दिया जायेगा : मौलाना आफताब आलम

शहीद ए वतन अशफ़ाकउल्ला खान मेमोरियल फाउंडेशन, मांजर पचुआकित्ता बसंतराय के अध्यक्ष मो आफताब आलम ने इसे सरकार की साजिश बताते हुए कहा कि इसे सफल होने नही दिया जायेगा. सरकार की एकतरफा नीति से उर्दू का भविष्य खतरे में पड़ जायेगा. इसके खिलाफ सड़कों पर उतर कर विरोध करेंगे.

उर्दू को त्रिस्तरीय फॉर्मूला के तहत सरकार ने मान्यता दिया था : मौलाना शाहनवाज

ए एच आजाद मिल्ली फाउंडेशन से जुड़े मौलाना शाहनवाज अशर्फी कहते है कि जब झारखंड राज्य बिहार राज्य से अलग हो रहा था तो उस वक्त उर्दू को त्रिस्तरीय राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था. इसमें प्रथम स्थान हिंदी को और दूसरे राजभाषा के रूप में सरकार द्वारा उर्दू को मान्यता दी गई थी. फिर अचानक सरकार के इस नीति परिवर्तन करने से सवाल खड़ा होता है.

इस निर्णय से उर्दू भाषी छात्रों का भविष्य अंधेरे में चला जायेगा : मौलाना कारी शफाअत

मदरसा मदीनातुल इल्म ग्राम राहा बसंतराय के संचालक मौलाना कारी शफाअत रजा नूरी सरकार के फैसले का विरोध करते हुए कहते है कि इस फैसले से उर्दू भाषी छात्र का भविष्य अंधकार हो जाएगा फिर उनके आगे की पढ़ाई भी बातचीत हो जाएगी सरकार को स्थिति पर पुनर्विचार कर नए उर्दू शिक्षकों की बहाली करनी चाहिए.

उर्दू के खाली पड़े पदों पर सरकार शीघ्र ही बहाली करे : शम्स परवाना

खाली पदों पर उर्दू शिक्षकों की शीघ्र बहाली करने के लिए सरकार द्वारा प्रक्रिया आरंभ किया जाना चाहिए . नौजवान शायर सह उप सचिव अंजुमन तरक्की ए उर्दू शम्स परवाना कहते हैं कि राज्य में हजारों पद उर्दू शिक्षकों के खाली पड़े हुए हैं. इस पर बहाली करने की बात चल रही थी, पर सरकार ने उल्टा निर्णय लेकर अच्छा नहीं किया.

चांडिल

सरकार के इस फैसले से मुस्लिम समाज को निराशा हाथ लगी है , फिर से विचार होना चाहिए : शेख फरीद

सरायकेला-खरसावां जिला झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष शेख फरीद ने कहा कि झारखंड सरकार के स्कूली एवं साक्षरता विभाग के द्वारा झारखंड राजकीयकृत प्रारंभिक विद्यालय शिक्षक प्रोन्नति नियमावली 2024 के परिभाषा के क्रम 1 और 2 की जो नियमावली आई है. इससे मुस्लिम समाज को बहुत निराशा हुई है और यह अत्यंत दुखद है. उर्दू प्रशिक्षित शिक्षक के शत-प्रतिशत पद एवं स्नातक प्रशिक्षित सहायक शिक्षक संवर्ग के 50 प्रतिशत सीधी नियुक्ति से भरे जाने वाले पद को मरणशील संवर्ग घोषित कर उर्दू शिक्षकों की बहाली पर रोक लगा दी गई है. अब उर्दू शिक्षकों के रिक्त पड़े पदों पर नियुक्ति किए जाने के बजाय पदों को ही समाप्त करने का निर्णय शिक्षा विभाग ने लिया है. उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर पूरा भरोसा है कि अगर उनकी जानकारी में यह नियमावली आएगी तो उसे जरूर रद्द करेंगे. किसी की संस्कृति या परंपरा को समाप्त करना हो तो उसकी भाषा को समाप्त कर दो.

रांची

उर्दू शिक्षकों की पद समाप्ति की नियमावली गलत, सरकार इसे वापस ले : अकरम

जन सूचना अधिकार मंच के संयोजक मो. अकरम राशिद ने कहा कि झारखंड सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा उर्दू शिक्षक व सहायक शिक्षक के पदों को समाप्त करने के लिये बनाये गये झारखंड राजकीयकृत प्रारंभिक विद्यालय शिक्षक प्रोन्नति नियमावली 2024 पूरी तरह गलत है. इसे समूचे जिले में विरोध हो रहा है. उन्होंने कहा कि सरकार खाली पड़े 3721 उर्दू शिक्षक के पदों को कक्षा 1 से 5 व कक्षा 6 व 8 में बांट कर नियुक्ति नियमावली 2012 के अनुसार बहाली करने के बजाय पदों को सरेंडर करने में लगी है. सरकार इस नियमावली को वापस करें, ताकि उर्दू शिक्षकों की नियुक्त का अधिकार मिल सके.

बातचीत में भी लोग उर्दू के शब्द का प्रयोग करते ही हैं, पद समाप्ति गलत : रवि शर्मा

रवि कुमार शर्मा ने कहा कि आप देखिये बातचीत में बिना उर्दू हिंदी के मेल के लोग बात भी नहीं कर पाते हैं. कुछ शब्द उर्दू के आ ही जाते हैं. इसलिये सरकार द्वारा जारी नियामवली में उर्दू शिक्षकों की पद समाप्ति का मामला संगीन है. सरकार को इसे फिर से गौर करने की जरूरत है. क्योंकि मेरी जानकारी के अनुसार 100 में 95 फीसदी लोग चाहे वे हिंदू हो, मुस्लिम हो, सिख हो, इसाई हो अन्य किसी भी धर्म के हो सभी अपनी बातचीत में हिंदी के साथ उर्दू के एक-दो शब्द का इस्तेमाल करते ही हैं. इसलिये सरकार इस निर्णय पर फिर से विचार करे, ताकि उर्दू को भी उसका सही अधिकार मिले.

निर्णय वापस लिए जाने की जरूरत : अलाउद्दीन

समाजसेवी मो. अलाउद्दीन ने कहा कि एकीकृत बिहार के समय उर्दू शिक्षकों के पद सृजित हुए थे. राज्य गठन के बाद झारखंड में शिक्षकों के 4401 पद थे. इनमें से केवल 689 पद पर ही शिक्षक की नियुक्ति हुई. शिक्षकों के रिक्त पदों पर नियुक्ति के बदले पद ही समाप्त किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष सरकार द्वारा इन पदों को योजना मद से गैर योजना मद में स्थानांतरित किया गया है. इसके बाद पद को समाप्त किया गया है, इसे वापस करने की जरूरत है.

उर्दू को अधिकार मिलना चाहिए : कय्यूम

अब्दुल कय्यूम अंसारी ने कहा कि उर्दू को उसका अधिकार मिलना चाहिये. राज्य गठन के 24 वर्ष हो गये, किंतु अल्पसंख्यक अपने अधिकारों से आज भी वंचित हैं. इतनी लंबी अवधि में राज्य सरकार को 10,000 से अधिक उर्दू शिक्षकों के पद देने चाहिये थे, पर यहां तो मिले 3712 पदों को भी समाप्त करने की नियामवली जारी की गयी. यह किसी भी सूरत में ठीक नहीं है. इस पर सरकार को फिर से विचार करना चाहिए. ताकि उर्दू को उसका अधिकार मिल सके.

उर्दू भाषी लोगों के साथ भोदभाव : नाजिर

मो नाजिर ने कहा कि उर्दू शिक्षकों के रिक्त पड़े पदों पर नियुक्ति किए जाने के बजाय पदों को ही समाप्त करने की यह साजिश की गई है. राज्य के उर्दू भाषी लोगों के साथ यह भेद भाव की नीति अपनाई गई है. यह भाषा बहुत पहले से ही क्षेत्र में प्रचलित है. स्कूलों में इसकी पढ़ाई होती रही है. इसलिये इसे अविलंब वापस लेना चाहिये ताकि उर्दू शिक्षकों के समाप्त हुए पद फिर से बहाल हो सके. सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए.

हक के लिये सारी तंजीमें साथ हो : मौलाना शुजाउल

अंजुमन इस्लामिया के शिक्षक मौलाना शुजाउल हक ने कहा कि यह सरासर उर्दू भाषा के साथ जुल्म है. सौतेला व्यवहार है. इस लिये सारी तंजीमों को साथ जुट कर इसका लिये खड़े होने की जरूरत है.

यह मामला काफी गंभीर है,फिर विचार किया जाए : मन्नान

एराकी पंचायत के पूर्व सदर अब्दुल मन्नान ने कहा कि उर्दू शिक्षकों की पद समाप्ति का मामला गंभीर है. इस मुद्दे को सरकार को गंभीरता से लेते हुए नियमावली को फिर से तैयार करने की जरूरत है.

फैसला वापस हो, ताकि आपसी मोहब्बत कायम रहें : हाजी असद

हाजी असद फारुकी ने कहा कि उर्दू भाषा के प्रति आये फैसले का हम विरोध करते हैं. उन्होंने कहा कि सरकार को इस पर गौर करते हुए इसे वापस लेने की जरूरत है. ताकि सभी में आपसी मोहब्बत कायम रहे.

नियमावली में बदलाव की जरूरत : इमरोज

इमरोज खान ने कहा कि उर्दू जबान किसी जाति धर्म की जबान नहीं है, यह पूरे भारत की जबान है . बिहार काल से ही उर्दू को दूसरी भाषा का दर्जा प्राप्त है . फिर इसके साथ ऐसी अनदेखी क्यों हो रही है .

अल्पसंख्यक वर्ग के साथ अन्याय : नेहाल

मरहबा ह्यूमन सोसाइटी के नेहाल अहमद ने कहा कि सरकार का यह निर्णय उर्दू के प्रति उचित नहीं है . अल्पसंख्यक वर्ग के साथ यह अन्याय किया गया है . हम इसका विरोध करते हैं .

उर्दू शिक्षकों की परेशानी करें दूर : खालिक

सिद्दीकी पंचायत के अध्यक्ष अब्दुल खालिक ने कहा कि इस फैसले का हम विरोध करते हैं . सरकार इस मामले को संज्ञान में लेकर उर्दू शिक्षकों की नियुक्ति की परेशानी दूर करें .

न्याय मिलेगा तो थम जायेगा विरोध : जब्बार

अब्दुल जब्बार ने कहा कि उर्दू शिक्षकों के पद समाप्ती का फैसला दुरुस्त नहीं है . इसे सरकार को बदलने की जरूरत है . ताकि चारों ओर हो रहे विरोध थमे .

इसे बदलने की जरूरत : गुलाम रसूल

हरमू मुस्लिम पंचायत के खजांची मो गुलाम रसूल अंसारी ने कहा कि जारी नियमावली में उर्दू शिक्षक की नियुक्ति खत्म हो जायेगी . इसे बदलने की जरूरत है .

नियमावली में बदलाव करें : मो आजाद

मो आजाद ने कहा कि सरकार को उर्दू के प्रति शिक्षा विभाग द्वारा जारी नियमावली को बदलने की जरूरत है . ताकि उर्दू को मिलने वाला अधिकार बराबर मिल सके .

अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा

मायावती ने आगामी लोकसभा चुनावों में अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा करके भले ही विपक्षी इंडिया गठबंधन को चौंकाया हो, लेकिन इस बात के कयास पहले ही लगाए जा रहे थे. हाल के दिनों में राजग की रीतियों-नीतियों को लेकर जिस तरह का उदार रवैया बसपा सुप्रीमो दिखा रही थीं, उससे भी ऐसे अंदाजे लगाए जा रहे थे. यहां तक कि पिछला लोकसभा चुनाव उन्होंने जिस सपा के साथ लड़ा था, उसके मुखिया को उन्होंने रंग बदलने वाला गिरगिट तक कह दिया. मायावती ने कहा कि जिन दलों के साथ बसपा ने पिछले चुनावों के दौरान गठबंधन किया था, उनके वोट बसपा को ट्रांसफर नहीं होते. बहरहाल, मायावती के एकला चलो के फैसले से इंडिया गठबंधन को झटका जरूर लगा है, खासकर देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी को आस थी कि मायावती विपक्षी गठबंधन का हिस्सा बनेंगी तो वोटों का बिखराव रोका जा सकेगा. खासकर दिल्ली की कुर्सी का रास्ता दिखाने वाले उत्तर प्रदेश में बढ़त लेने के लिये, जहां वंचित समाज में पार्टी की मजबूत पकड़ रही है. जहां तक मायावती के वोट ट्रांसफर न होने वाले आरोप का सवाल है तो अन्य विपक्षी दल इस आरोप से सहमत नहीं हैं. बहुजन समाज पार्टी ने उ.प्र. में समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर 1993 व 2019 में विधानसभा व लोकसभा के चुनाव लड़े थे. राजनीतिक पंडित मानते हैं कि वर्ष 1993 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा और बसपा में वोट ट्रांसफर हुआ था. जिसके चलते राज्य में गठबंधन की सरकार बनी थी. हालांकि, वर्ष 2014 में सपा-बसपा अलग-अलग चुनाव लड़े थे, लेकिन वर्ष 2019 में दोनों साथ मिलकर लड़े. इससे दोनों दलों को फायदा हुआ. यहां तक कि बसपा को ज्यादा फायदा हुआ क्योंकि 2014 में भाजपा के राजनीतिक गणित से मात खाकर बसपा को एक भी सीट नहीं मिली थी. जबकि गठबंधन के साथ बसपा 2019 में दस लोकसभा सीट पाने में सफल रही. हालांकि, सपा को ज्यादा लाभ नहीं हुआ, उसके खाते में सिर्फ पांच लोकसभा सीट ही आईं. बहरहाल, कतिपय राजनीतिक पंडित मानकर चल रहे हैं कि बसपा का अलग चुनाव लड़ने का निर्णय भाजपा को लाभ पहुंचाने वाला है. यह भी राजग की लिखी पटकथा का ही हिस्सा है. यहां तक कि सपा बसपा को भाजपा की बी टीम तक कहा करती थी. विपक्षी दल आरोप लगाते रहे हैं कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को सरकारी एजेंसियों के रडार में लाकर दुःस्वप्न चित्रित किया जाता रहा है. यह भी तय है कि तमाम राजनीतिक दलों का अर्थशास्त्र पाक-साफ तो नहीं ही रहता है. जिसके चलते वे ईडी व अन्य वित्तीय एजेंसियों की संभावित कार्रवाई की आशंका में दबाव में आ जाती हैं. विपक्षी दल बसपा के राजग को परोक्ष रूप से लाभ पहुंचाने की रणनीति को इसी दृष्टि से देखते हैं. यही वजह है कि बसपा ने भी उन तीखे-तल्ख नारों से परहेज किया है, जो अकसर वह सवर्णों को लेकर उछालती रही है. अब मनुवाद के नाम पर निशाने पर लेने का क्रम भी टूटा हुआ नजर आता है.

> राजनीतिक पंडित मानते हैं कि वर्ष 1993 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा और बसपा में वोट ट्रांसफर हुआ था. जिसके चलते राज्य में गठबंधन की सरकार बनी थी.

सुभाषित

यथा ह्येकेन चक्रेण न रथस्य गतिर्भवेत्।
एवं परुषकारेण विना दैवं न सिद्ध्यति ।।

जिस तरह बिना एक पहिये के रथ नहीं चल सकता, ठीक उसी तरह से बिना पुरुषार्थ किये किसी का भाग्य सिद्ध नहीं हो सकता. इसलिए भाग्य के नाम पर रोने से अच्छा है कि पुरुषार्थ किया जाये. वह पुरुषार्थ ही है, जिसके माध्यम से मनोकामनाएं सिद्ध हो सकती हैं.

भारतवर्ष की सनातन आत्मा

आम भारतीय के लिए जीवन का अर्थ अनंतकाल होता है. जब जीवन अनंत है तो उस भारतीय समाज में विविधता और विभिन्नता सहज है. जीवन के बाद मृत्यु और पुनः पुनर्जन्म है तो कर्म की सतत धारा है. कर्ममय ही जीवन है. जीवन में ईश्वर है, ईश्वर के हम अंश है. एक ध्यानस्थ योगी के लिए क्षण में महाकाल एवं विराट की अनुभूति है. जनमानस को इससे फर्क नहीं पड़ता कि गांधी के राम, दशरथी पुत्र हैं या नहीं. द्वापर में श्रीकृष्ण हुए या नहीं. इसपर बौद्धिक वर्ग विचार करता रहे.

• देश-काल

डॉ. मयंक मुरारी

सनातन का अर्थ है, जो शाश्वत हो, सदा के लिए सत्य हो और जिन बातों का शाश्वत महत्व हो. सत्य सनातन है. ईश्वर, आत्मा और मोक्ष रूपी सत्य भी अनादि काल से चला आ रहा है, जिसका कभी अंत नहीं होगा, अतएव वह भी सनातन है. इसपर भारतीय सभ्यता की मूल प्रकृति आधारित होने के कारण ही वैदिक चिंतन की शाश्वत प्रवाह को सनातन कहा गया. ऋग्वेद (3.18.1) में प्रार्थना है कि हमारा यह पथ सनातन है. समस्त देवता और मनुष्य इसी मार्ग से पैदा हुए हैं तथा प्रगति की है. हे मनुष्यो, आप अपने उत्पन्न होने की आधार रूपा अपनी माता को विनष्ट न करें. भारतवर्ष चेतना की भूमि है. यहां न धन, न पद, न प्रतिष्ठा और न ही यश और कीर्ति की चाह रही. जीवन में सत्य और धर्म के लिए सबकुछ समर्पित कर दिया गया. सत्य के लिए राजपद छोड़ा, समाज के लिए प्रतिष्ठा. विराट कभी वामन बन जाते हैं, कभी वही वामन रूपी कृष्ण विराट बन जाते हैं. यहां ऐसे अनगिनत आख्यान मिलेंगे, जहां अतिक्रमण होता दिखेगा. यहां समय की भी कमी नहीं है. जनम-जनम के बाद पुनर्जन्म है. आम भारतीय के लिए जीवन का अर्थ अनंतकाल होता है. जब जीवन अनंत है तो उस भारतीय समाज में विविधता और विभिन्नता सहज है. जीवन के बाद मृत्यु और पुनः पुनर्जन्म है तो कर्म की सतत धारा है. कर्ममय ही जीवन है. जीवन में ईश्वर है, ईश्वर के हम अंश है. एक ध्यानस्थ योगी के लिए क्षण में महाकाल एवं विराट की अनुभूति है. जनमानस को इससे फर्क नहीं पड़ता कि गांधी के राम, दशरथी पुत्र हैं या नहीं. द्वापर में श्रीकृष्ण हुए या नहीं. इसपर बौद्धिक वर्ग विचार करता रहे. हमारा मन तो वर्तमान में श्रीकृष्ण को खोजता है. हमारा चैतन्य मन मुरली के धुन में, मीरा के भजन में, चैतन्य के कीर्तन में श्रीकृष्ण के पदचाप को सुनना चाहता है और उसे सुनकर संतुष्टि मिलती है तो इस शाश्वत सुख में ही सनातन का पदचाप है.

सनातन के प्रवाह में क्या कोई मिटायेगा और क्या बचायेगा! जब हम शिवालय में जाते हैं, तो उस अव्यक्त और अविनाशी के शरीर को धोते हैं, मांजते हैं, चमकाते हैं, बार बार उसको दूध, जल, घी, मधु और फल तथा मिष्ठान से भरते हैं. ईश्वर के विग्रह को जहां अपने समर्पण भाव से भरते हैं, वहीं दूसरी ओर अपने जीवन के अनंत प्रवाह को रस से आप्लावित करते हैं. जब इससे मन नहीं भरता है तो घर में कर्मकांड के समय गोबर, मिट्टी और कसैली से गौर-गणेश और शिव का निर्माण करते हैं, एक निराकार को आकार देते हैं. यहां तो हम संकल्प मंत्र के साथ विग्रह बनाकर भगवान का सृजन करते हैं, उसमें प्राण-प्रतिष्ठा कर देवत्व प्रदान करते हैं. उसके बाद खुद ही उससे अपने प्राण में रस और रंग के लिए भक्ति निवेदित करते हैं. देवत्व के साथ उत्सव और अर्चन की अछोर साधना होती है, जिसमें जनमानस अपनी चेतना को भी डूबो देता है. फिर उस विग्रह को मंत्रोच्चारण के साथ देवत्व से मुक्त करते हैं और उसे जल में विसर्जन कर देते हैं. भारतीय चिंतनधारा में जीवन का सदैव शाश्वत रूप खोजने का प्रयास चलता है. दुख में और सुख में भी. जब जीवन में भ्रम आ जाता है, समय के चक्र से दिशाभ्रम की स्थिति हो जाती है, कष्ट और थकान से हमारा कर्म लक्ष्यहीन बन जाता है, तब कुछ नहीं सूझता है. अंतर्मन की यह व्याकुलता केवल मानव नहीं देवों को भी होता है. भगवती माता पार्वती ऐसी ही दुख के पलों में जब अपने को पाती हैं तो महादेव से आग्रह करती हैं कि कोई ऐसी कथा सुनाएं, जो हमारे संताप को हर ले, जीवन में सांत्वना दें. तब भगवान शिव अपनी पत्नी को पहली बार रामकथा सुनाते हैं. यह रामकथा का कथन और श्रवण विभिन्न देश-काल और लोक में विविध भावों, विभिन्न रूपों एवं विविध भेदों के साथ सदैव प्रवाहित होती रही है. लौकिक जीवन (आगम चिंतन) में कौन कहे, शास्त्रीय (निगम चिंतन) समाज में भी रामकथा के अनंत और अमिट रूप एवं भेद मिलते हैं. राम कथा के एक साथ कई कथावाचक है और कई श्रोता हैं. यह सनातन में शाश्वत की धारा है.

भारत की चिंरतन यात्रा में सदैव ही अमृत की खोज को लक्ष्य बनाया गया. यह खोज कला, शिल्प, चित्र, मंत्र, दर्शन, ध्यान और मनन आदि सभी क्षेत्रों में चला. हरेक जगह धुआं धुआं की तरह कुछ करने के बदले शाश्वत की खोज को प्रमुखता दी गयी. भारतीय वाङ्मय, रामायण, महाभारत और पुराण हो या कोई और उत्कृष्ट साहित्य रचना. बस एक ही भाव केंद्र में रहा. सांची, अंकोरवट, महाबलीपुरम, मथुरा और कांची हो या वाराणसी और सारनाथ या सोमनाथ. इन सबमें एक बात समान है. भारत में सनातन की आत्मा की खोज के लिए खूब यात्राएं हुईं. कहा भी जाता है कि भारत को जानना है, तो ग्रंथों का अध्ययन करो. सनातन को जानना है तो इस भू-भाग की यात्रा करो. इस मिट्टी के महापुरुषों को जानो. भारत की शाश्वत आत्मा से साक्षात्कार हो जायेगा. इसकी राष्ट्रीयता का इतिहास समझ में आ जायेगा. पिछली सदी में गांधीजी ने अपने राजनीतिक गुरु गोपालकृष्ण गोखले से यही सवाल किये थे. जवाब मिला, भारत भ्रमण करो. कहते है, सूट-बूट में भारत भ्रमण करने निकले, और जब लौटे तो उनके पास एक लंगोटी बची थी. इस राष्ट्र को समझने के लिए ही गांधी भ्रमण को निकले. उनको राष्ट्र की चौहद्दी और परिभाषा को लेकर कोई भ्रम नहीं था. क्योंकि वे वहीं कर रहे थे, जो उनके पूर्व विवेकानंद, शंकराचार्य, महात्मा बुद्ध, चाणक्य, श्रीकृष्ण और महर्षि विश्वामित्र-अगस्त्य कर चुके थे. भगवान राम को भी इस सनातन प्रवाह को लेकर संदेह था, तब वशिष्ट ने कहा था कि भारत का भ्रमण करों. श्री राम ने राजगद्दी पर बैठने के पूर्व समूचे भारत की यात्राएं कीं. जब वापस आए तो वह बदल चुके थे.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

नीर क्षीर विवेक

प्रायः लोग कहते है कि हमें किसी की निंदा नहीं करनी चाहिए. किसी को भला, और किसी को बुरा कहना राग-द्वेष है. सही भी है किसी से अतिशय राग अन्याय को न्योता देता है और किसी की निंदा विद्वेष ही पैदा करती है. दूसरों की निंदा बुरी बात है किन्तु, भले और बुरे सभी को एक ही तराजू पर, समतोल में तोलना मूर्खता है. उचित अनुचित में सम्यक भेद करना विवेक-बुद्धि है. भला-बुरा, हित-अहित और सत्यासत्य का विवेक रखकर, बुरे, अहितकारी और असत्य का त्याग करना. भले, हितकारी और सत्य का आदर करना एक उपादेय आवश्यक गुण है, जो जैसा है, उसे वैसा ही, बिना किसी अतिशयोक्ति के निरूपित करना, कहीं से भी बुरा कर्म नहीं है. कोई वैद्य या डॉक्टर, यदि रोग को ही उजागर करना बुरा मानते हुए, रोग लक्षण जानते हुए भी रोग उजागर न करे. रोग प्रकटन को हीन कृत्य माने, रोग से बचने के उपाय को सेहत की श्रेष्ठता का बखान माने, या फिर सेहत और रोग के लक्षणों को सम्भाव से ग्रहण करते हुए, स्वास्थ्य व रुग्णता दोनों को समान रूप से अच्छे है कहकर, रोग विश्लेषण ही न करे, तो निदान व इलाज कैसे होगा? और आगे चलकर वह रोग कारकों से बचने का परामर्श न दे. कुपथ्य से परहेज का निर्देश न करे. उपचार हेतु कड़वी दवा न दे तो रोगी का रोग से पिंड छूटेगा कैसे? ऐसा करता हुआ डॉक्टर कर्तव्यनिष्ट सज्जन है या मौत का सौदागर? कोई भी समझदार कांटों को फूल नहीं कहता, विष को अमृत समझकर ग्रहण नहीं करता. गोबर और हलवे के प्रति समभाव रखकर कौन समाचरण करेगा? छोटा बालक यदि गोद में मल विसर्जन कर कपड़े खराब कर दे तो कहना ही पड़ता है कि 'उसने गंदा कर दिया'. न कि बच्चे के प्रति राग होते हुए भी यह कहेंगे कि- 'उसने अच्छा किया. इस प्रकार गंदा या बुरा कहना, बच्चे के प्रति द्वेष नहीं है. जिस प्रकार गंदे को गंदा और साफ को साफ व्यक्त करना ही व्यवहार है उसी प्रकार बुरे को बुरा कहना सम्यक् आचरण है. निंदा नहीं. संसार में अनेक मत-मतान्तर है. उसमें से जो हमें अच्छा, उत्तम और सत्य लगे, उसे अगर मानें, तो यह हमारा अन्य के साथ द्वेष नहीं है, बल्कि विवेक है. विवेकपूर्वक हितकारी को अंगीकार करना और अहितकारी को छोड़ना ही चेतन के लिए कल्याणकारी है. अनुकरणीय और अकरणीय में विवेक करना ही तो नीर क्षीर विवेक है और यही एक व्यक्ति को भले-बुरे का भान करा सकता है.

हिंद महासागर, पर्यटन बाजार और लक्षद्वीप

• पर्यटन

अरुण कुमार श्रीवास्तव

लक्षद्वीप के पर्यटन उद्योग का भविष्य विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने की क्षमता पर निर्भर करता है, जिससे यह हिंद महासागर पर्यटन बाजार में अपनी जगह बना सके. सरकारी पहल, वीज़ा नीतियां और पर्यावरण-पर्यटन और जिम्मेदार यात्रा प्रथाओं की बढ़ती प्रवृत्ति इन दो स्वर्ग जैसे स्थलों की नियति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी. भारत के सबसे कम लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक-लक्षद्वीप के रेतीले प्राचीन समुद्र तट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आनंदमय सैर पर बहुत कुछ हो गया. भारत के 1.4 अरब लोगों के बीच रहने में खुशियां और जोखिम दोनों हैं. सबसे अधिक परेशान करने वाली समस्याओं में से एक जिसका अधिकांश भारतीयों को सामना करना पड़ता है वह है खौफनाक पड़ोसियों के बीच गोपनीयता की कमी, जो अपने बारे में जितना जानते हैं उससे कहीं अधिक आपके बारे में जानते हैं. ऐसे देश को चलाने के लिए असाधारण कौशल की आवश्यकता होती है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अकसर शांति की तलाश में देश के दूरदराज के स्थानों की यात्रा करते हैं. नये साल पर लक्षद्वीप की इसी तरह की यात्रा ने देश को अपने पिछवाड़े में एक समुद्र तट बसे स्वर्ग जैसे स्थल से परिचित कराया, जबकि भारतीयों ने ऐसी सुंदरता और शांति की तलाश में दूर-दूर तक यात्रा की है. लेकिन लक्षद्वीप से प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीरों ने ब्रिटेन में शिक्षित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के नेतृत्व वाली नवगठित मालदीव सरकार की ओर से कुछ कथित रूप से अशोभनीय टिप्पणियां की गईं. चाहे टिप्पणियां अरुचिकर हों या मजाकिया, उन्हें भारतीय 'भेड़िया योद्धाओं' ने अपनी कट्टरता प्रदर्शित करने के लिए चुना. लेकिन देश के प्रति इस तरह का प्यार सतही है और इससे न तो भारतीय पर्यटन और न ही भारतीय कूटनीति को कोई फायदा होता है. राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू ने इस मामले को परिपक्व और ईमानदार तरीके से निपटाया, अपने मंत्रियों को इस मुद्दे पर कोई और टिप्पणी करने से रोका और उन्हें यह भी सिखाया कि उन्हें विदेशी सरकारों और अधिकारियों पर टिप्पणी करने से क्यों बचना चाहिए. राष्ट्रपति मुइज्जू जल्द ही चीन की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर चीन गए, जहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की. वहां से लौटने के बाद उन्होंने 15 दिनों के भीतर भारत को मालदीव से अपनी सेना हटा लेने को कहा. चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और इसका मतलब है कि आप चाहें या न चाहें, आप इसके साथ व्यापार करने से बच नहीं सकते. इस पृष्ठभूमि में यह समझना मुश्किल नहीं है कि राष्ट्रपति मुइज्जू क्यों यथाशीघ्र चीन पहुंचे. हम भारतीयों को, जिन्होंने मालदीव के पर्यटन की निंदा करने और उसका बहिष्कार करने में अत्यधिक आनंद लिया है, उन्हें समझना चाहिए कि आलोचना हमेशा बुरी नहीं होती है. आलोचना और सराहना एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, खासकर जब हम सार्वजनिक जीवन में लोगों की प्रतियोगिता में इनके बारे में बात करते हैं. फिलहाल, भारत लाल सागर में अपने मालवाहक जहाजों के लिए गंभीर खतरे का सामना कर रहा है, जहां ईरान समर्थित यमन स्थित हुती आतंकवादियों ने उन पर कई ड्रोन हमले किये हैं. अनुमान है कि इस नये खतरे से लगभग 30फीसदी भारतीय कार्गो प्रभावित होने वाला है! मालदीव जैसे देशों के साथ हमारी सद्भावना हमारे पक्ष में शांति बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. इस आलोक में, मालदीव के नौसिखिए मंत्रियों और सांसदों की ओर से कुछ मित्रतापूर्ण आलोचना या उपहास को बढ़ा-चढ़ाकर पेश नहीं किया जाना चाहिए था. हमें यह नहीं भूलना चाहिए, जब तर्कवादियों को चुप करा दिया जाता है तो चरमपंथियों को अपना सिर उठाने का मौका मिलता है. हमें इन नेताओं को धन्यवाद देना चाहिए, चाहे वे चीन समर्थक हों या भारत विरोधी कि उनका देश पाकिस्तान या अफगानिस्तान जैसा नहीं है, जहां अफीम के नशे में धुत्त आतंकवादियों ने सामान्य जीवन को बाधित कर दिया है. हम उम्मीद करते हैं कि राष्ट्रपति मुइज्जू क्षेत्रीय शांति और स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे. जब भारतीय पर्यटन की बात आती है तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम केवल बाहरी पर्यटन के लिए ही अच्छे हैं. भारत में जिस तरह की नागरिक भावना और स्वच्छता के मानक हैं, उसे देखते हुए यह अच्छा है कि विदेशी पर्यटक यहां कम आते हैं. इससे भारतीय पर्यटन को विदेशी प्रेस में खराब समीक्षा मिलने से बचाया जा सकेगा.

> राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू ने इस मामले को परिपक्व और ईमानदार तरीके से निपटाया, अपने मंत्रियों को इस मुद्दे पर कोई और टिप्पणी करने से रोका और उन्हें यह भी सिखाया कि उन्हें विदेशी सरकारों और अधिकारियों पर टिप्पणी करने से क्यों बचना चाहिए. राष्ट्रपति मुइज्जू जल्द ही चीन की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर गए, जहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की.

संभव है किसी भी मनोविकृति का उपचार

• मनोविज्ञान

रेनू राय गहलोत

तेजी से बढ़ती सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों ने दबाव, तनाव, अवसाद जैसे विभिन्न प्रकारकी मानसिक विकृतियों के लिए विस्तृत मैदान तैयार कर दिया है. सच पूछा जाये तो मानसिक समस्या या मानसिक विकार आज लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गया है. हम सभी किसी न किसी वजह से स्ट्रेस, तनाव या चिंता से ग्रसित रहते हैं और यही तनाव बढ़कर हमारे जीवन में मनोविकार का रूप ले लेता है. कुछ लोग आज के समय में भी ऐसी समस्याओं को बताने या परामर्श लेने में हिचकते हैं. जब यह समस्या गंभीर हो जाती है, तब वे सामने आते हैं, लेकिन तबतक देर हो चुकी होती है. किसी व्यक्ति में मनोविकार का जन्म अनुवांशिक, मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और सामाजिक कारकों के प्रभाव के कारण होता है. मानसिक स्वास्थ्य की समस्या विभिन्न तरह की हो सकती हैं जैसे कि डिप्रेशन, चिंता, तनाव, याददाश्त की कमी, एकाग्रता की कमी, संदेह करना, अत्यधिक नशा करना, नींद की बीमारी, यौन समस्या, बार-बार हाथ धोना, शिजोफ्रेनिया या बच्चों में होने वाली समस्याएं जैसे लर्निंग डिसेबिलिटी, ऑटिज्म, मेंटल रेटरडेशन, कंडक्ट डिसऑर्डर इत्यादि. कई मामलों में यह समस्या बढ़ते-बढ़ते आत्महत्या की दहलीज तक पहुंच जाती है और किसी को भनक तक नहीं लग पाती. जब तक परिवार और आसपास के लोग समझ पाते हैं, तब अनहोनी हो चुकी होती है. मनोवैज्ञानिक चिकित्सक होने के नाते मेरे पास ऐसे बहुत सारे मामले आते रहते हैं, जो आत्महत्या के निकट पहुंच चुके होते हैं, लेकिन थेरेपी के माध्यम से उसकी मनोविकृति पर काबू पाने में सफलता मिल ही जाती है. एक ऐसा ही मामला है मोहित नामक युवक का, जिसने सहज होने पर एक दिन अत्यंत भावुक अंदाज में कहा-मैम, मैं आपसे पहले क्यों नहीं मिला. यदि आपसे पहले मिलता तो ऐसी मूर्खतापूर्ण कार्य कभी नहीं करता. अब मैं अपने आपसे वादा करता हूं कि कभी भी अपनी जिंदगी के साथ खिलवाड़ नहीं करूंगा और आपका मैं जीवन भर कृतज्ञ रहूंगा. आपने मेरी आंखें खोल दीं. यह घटना है आत्महत्या के एक विफल प्रयास की, जिसे मोहित अपने जीवन के समाप्त करने के उद्देश्य कर चुका था. उसे डॉक्टरों ने बचा तो लिया, लेकिन वह गहरे सदमे में था. वह डिप्रेशन से बाहर नहीं आ पा रहा था और अपने आपको समाप्त करने की बार-बार बातें करता रहता था. उसकी किसी रिश्तेदार ने जो मुझे अच्छी तरह जानती थी उन्होंने मोहित से ऑनलाइन बात करवाई, किंतु मोहित बात करने के लिए तैयार नहीं हुआ. वह बोले जा रहा था कि किसी से प्यार करता है. उसके बिना जी नहीं सकता. पहले आप उसे मिलाओ, तब वह बात करने के लिए तैयार होगा. मैंने उसकी माता-पिता से बात की और कहा, हो सके तो रांची लेकर उसे चले आएं. उसके माता-पिता दूसरे दिन ही बिहार से रांची लेकर उसे आ गए. उसके माता-पिता के द्वारा पता चला कि वह किसी मुस्लिम लड़की से बेहद प्यार करता है. किंतु न लड़की के घर वाले और न हम इस रिश्ते को मान्यता दे सकते हैं. यहां धर्म की बात आड़े आ रही है. जहां दो संप्रदायों के बीच में कुछ भी हो सकता है, पर यह कुछ भी समझने से इनकार कर रहा है. मोहित एक मुस्लिम लड़की से प्यार करता था, जिसके साथ घूमना फिरना साथ में रहना सब कुछ शामिल था. बहुत अधिक ही एक दूसरे से घुल मिल चुका था. जब लड़की के भाई ने उसे घर जाकर समझाया तो वह भीतर ही भीतर टूटता चला गया और गहरे अवसाद (डिप्रेशन) के कारण उसने आत्महत्या करने की कोशिश की.मोहित से बात करने पर पहले ही सेशन में उसके अंदर आए परिवर्तन ने उसके माता-पिता को अचंभा कर दिया. निरंतर एक सप्ताह मेरे द्वारा संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा (कॉग्निटिव बिहेवियर थेरेपी) की गई, जिसके परिणाम स्वरूप मोहित सशक्त हो गया और डिप्रेशन से पूरी तरह बाहर आ गया. कुछ महीने तक उसने ऑनलाइन सेशन भी लिया और आज वह अपनी जिंदगी अच्छे से खुशहाल होकर जी रहा है. उसके माता-पिता भी बहुत खुश हैं. आजकल के बच्चों में आत्महत्या की घटना बहुत गंभीर होती जा रही है. हम आए दिन कुछ ना कुछ ऐसी घटनाएं सुनते और देखते रहते हैं. आत्महत्या की स्थिति न बने या बन जाये तो उसका निवारण कैसे हो, इसपर विचार विमर्श की आवश्यकता है? ऐसी घटनाओं का मुख्य कारण क्या हैं, यह जानना बहुत आवश्यक है जैसा कि आपने उपयुक्त घटना में देखा. हमें अपनी प्रिय वस्तु या व्यक्ति का नहीं पाना भी बहुत बड़े मानसिक आघात का कारण बनता है.

> जब तक परिवार और आसपास के लोग समझ पाते हैं, तब अनहोनी हो चुकी होती है. मनोवैज्ञानिक चिकित्सक होने के नाते मेरे पास ऐसे बहुत सारे मामले आते रहते हैं, जो आत्महत्या के निकट पहुंच चुके होते हैं, लेकिन थेरेपी के माध्यम से उसकी मनोविकृति पर काबू पाने में सफलता मिल ही जाती है.

मीडिया में अन्यत्र

प. एशिया में सुरक्षा संतुलन बनाने की जरूरत

गाजा युद्ध अब केवल इजराइल और हमास का मामला नहीं रह गया है. इजराइल ने लेबनान और सीरिया में लक्षित हमले किये हैं, जिनमें हिज्बुल्लाह, हमास और ईरानी कमांडर मारे गये हैं. दक्षिण लेबनान से, हिज्बुल्लाह और इजराइली सैनिकों के बीच गोलीबारी हो रही है. सीरिया और इराक के ईरान-समर्थित मिलिशिया ने सीरिया और इराक में अमेरिकी सुरक्षा बलों पर हमले किये हैं. यमन के ईरान-समर्थित विद्रोहियों, हूतियों ने लाल सागर को मैदान-ए-जंग में तब्दील कर दिया है. अमेरिका ने इराक, सीरिया और यमन में हवाई हमले करके, शिया मिलिशिया के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की है. अव्यवस्था और अस्थिरता फैलने के साथ ही, सुन्नी इस्लामी आतंकवादियों ने ईरान पर हमला किया, जिसमें कम-से-कम 100 लोगों की मौत हो गयी. टकराव को और बढ़ाते हुए, ईरान ने हवाई हमलों में, इराक के कुर्दिस्तान में एक इजराइली खुफिया ठिकाना और पाकिस्तान व सीरिया में सुन्नी इस्लामी आतंकवादियों के प्रशिक्षण शिविर नष्ट करने का दावा किया है. यह क्षेत्रीय अराजकता का एक आदर्श उदाहरण है, जहां देश अपनी सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए एकतरफा ढंग से सैन्य कदम उठा रहे हैं. इस दौरान वे अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की बुनियाद का काम करनेवाले अंतरराष्ट्रीय कानूनों और संप्रभुता के विचार की रत्ती भर परवाह नहीं कर रहे और इस तरह वे ज्यादा व्यापक व आक्रामक युद्ध का खतरा पैदा कर रहे हैं. इसी 7 अक्टूबर के हमले से कुछ हफ्ते पहले ही, अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा था, "बीते दो दशकों के मुकाबले मध्य-पूर्व आज ज्यादा शांत है." अब्राहम समझौते मजबूत स्थिति में थे और सऊदी अरब और इजराइल रिश्ते सामान्य करने की दिशा में नजदीक आ रहे थे. इराक शांत हो चुका था; खाड़ी के अरब देश और ईरान सुलह तक पहुंच गये थे; यमन में संघर्ष विराम चल रहा था. हालांकि, इनमें से ज्यादातर बदलावों ने क्षेत्र के सबसे पुराने संकट-फिलिस्तीनी सरजमीन पर बढ़ते इजराइली कब्जे-की अनदेखी की. हमास के 7 अक्टूबर के हमले और उसके बाद गाजा में इजराइल की बदले से भरी कार्रवाई से फिलिस्तीन न सिर्फ दोबारा पश्चिम एशिया केंद्र में आ गया है, बल्कि ऐसी आग भी भड़क चुकी है जिससे 1967 के बाद क्षेत्र में शायद सबसे गहरा सुरक्षा संकट पैदा हो गया है. इससे किनारा करने के रास्ते के अभाव और गैर-राज्य शक्तियों (नॉन-स्टेट ऐक्टर्स) की संलिप्तता ने मामले को जटिल बना दिया है. **(द हिंदू से)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मध्य/मध्यम

मध्य प्रदेश में मेरा गांव है, जहां मध्यम स्वर में संगीत गूंजता है. इस वाक्य में हमारा सामना दो शब्दों से होता है-मध्य और मध्यम. एक नजर में दोनों शब्द एक जैसे ही लगते हैं और सच तो यह भी है कि दोनों के बीच बहुत हद तक संबंध भी है. मध्य और मध्यम दोनों संस्कृत मूल के तत्सम शब्द हैं. हिंदी शब्द सागर ने इन दोनों की विशद व्याख्या की है. संज्ञा पुल्लिंग के रूप में मध्य शब्द का अर्थ है किसी पदार्थ के बीच का भाग, दरमियानी हिस्सा, कमर, कटि. संगीत शास्त्र के अनुसार एक सप्तक को भी मध्य कहा जाता है, जिसके स्वरों का उच्चारण स्थल वक्षस्थल से कंठ के अंदर के स्थानों से किया जाता है. दस अरब की संख्या, विश्राम, अंतर, भेद, फर्क, पश्चिम दिशा मध्य शब्द के ही पर्यायवाची हैं. विशेषण के रूप में मध्य का अर्थ है-उपयुक्त, ठीक, न्याय, अधम, नीच, बीच का. इससे बना एक शब्द है मध्यस्थ. इसका मतलब है मध्य में स्थित. यानी बीच-बचाव करनेवाला. दो व्यक्तियों या समूहों के बीच उठे विवाद का समाधान निकालने में एक मध्यस्थ की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. इसी प्रकार मध्यम का विशेषण के रूप में मतलब है जो दो विपरीत सीमाओं के बीच में हो. जो गुण, विस्तार, मान, आदि के विचार से न बहुत बड़ा हो और न बहुत छोटा, उसे भी मध्यम कहा जाता है. संगीत शास्त्र के अनुसार सप्तक के सात स्वरों में चौथा स्वर मध्यम कहलाता है, जिसे संक्षेप में म कहते हैं. इसका मूल स्थान नासिका, अंतस्थान कंठ और शरीर में उत्पत्ति स्थान वक्षस्थल माना जाता है. कहते हैं, यह मयूर का स्वर है. इसके अधिकारी देवता महादेव, आकृति विष्णु की, संतान दीपक राग, वर्ण नीला, जाति शूद्र, ऋतु ग्रीष्म, वार बुध और छंद वृहती है. इसका अधिकार कुश द्वीप में है. तीन प्रकार के नायकों में से एक, एक प्रकार का मृग. एक राग को भी मध्यम कहा जाता हैं.

वोट न आवे ईवीएम टेढ़ा

• तीर-तुक्का

विवेक रंजन श्रीवास्तव

बचपन में कभी न कभी ₹खेलेंगे या खेल बिगाड़ेंगे ₹ का नारा बुलंद किया ही होगा आपने. मैंने भी किया है. मेरी समझ में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का यह पहला प्रयोग बड़ा सफल रहा था. मुझे मेरी बड़ी बहन ने वापस चोर सिपाही के खेल में शामिल कर लिया था. खैर समय भाप की तरह उड़ता गया और हम बच्चे से बड़े बनते गये. ये और बात है कि आज तक ₹बड़े₹ बन नहीं पाये हैं और यह भी और बात ही है कि लोग अपने को बड़े साहब वगैरह मानते हैं. स्कूल में हिंदी में अपने भरपूर नम्बर आते थे. जो यह लेख पढ़ रहे हों उनके लिये अपनी सफलता का राज डिस्क्लोज कर रहा हूं, निबंध में लोकप्रिय कवियों की पंक्तियां जरूर उद्धृत करता था और मौका मिल जाये तो गीता या राम चरित मानस से भी कोई उद्धरण कोट कर देता था. महात्मा गांधी और भारतीय संस्कृति के कुछ महत्वपूर्ण नायकों की जीवनियां मैंने एक्स्ट्रा करीक्युलर रूप से पढ़ रखी थीं तो उसमें से भी कुछ कोट कर देने पर निबंध में भी मास्साब पूरे नम्बर दे देते थे. मैं अपने उत्तरों में कहावतों तथा मुहावरों का भरपूर प्रयोग किया करता था. नाच न आवे आंगन टेढ़ा, न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी, खिसियानी बिल्ली खम्भा नोंचे, अंगूर खट्टे हैं वगैरह मुहावरों की याद है न आपको! देश में ईवीएम को लेकर कुछ उन खिलाड़ियों ने उछल कूद लगा रखी है जो खेल नहीं पा रहे हैं. उनकी काठ की हांडी दो एक बार चढ़कर राख हो चुकी है. अब जनता के सामने अपना काला मुंह छिपाने के लिये मजबूरी में उन्होंने राग ईवीएम छेड़ रखा है. चोर चोर मौसेरे भाइयों की तरह ऐसे सारे हारे हुए महारथी एक हो गये हैं. यदि ये हारे हुये धुरंधर देर आये दुरुस्त आये को चरितार्थ करते हुए अभी भी जनता के मत को स्वीकार कर लें तो बुरा नहीं. चुनाव आयोग भी कम नहीं है. आयोग ने ताल ठोंककर खुली चुनौती दे दी है, जिसने अपनी मां का दूध पिया हो वह किसी मशीन में हेराफेरी करके दिखाये. और इसके लिये स्वयंवर जैसा कोई आयोजन किया जा रहा है. राजनीति का चीरहरण वगैरह जारी है. देखना है क्या होता है, खोदा पहाड़ निकली चुहिया जैसा ही कुछ होगा या जहां आग होती है, धुआं वहीं उठता है की तर्ज पर कुछ गड़बड़ी भी मिलेगी? कुछ गड़बड़ी न मिली तो हम चुनाव आयोग का लोहा मान लेंगे. फिलहाल उठा पटक जारी है. देखें ऊंट किस करवट बैठता है.

धर्म अध्यात्म

जन्मकाल के अनुसार कुंडली और सुख-दुख का ज्योतिषीय लेखा जोखा

कुंडली बता रही कि सिंहासन से क्यों दूर रहे भगवान राम

आचार्य अजय कुमार मिश्रा

कण-कण में मौजूद भगवान राम का नाम इन दिनों जन-जन के होंठो पर है. सब जगह राम की चर्चा है. चर्चा यह भी है कि आखिर क्यों राम ने आम शख्स की तरह शुभ-अशुभ दोनों फल भोगे. इसके लिए ज्योतिषी उनकी कुंडली पर भी प्रकाश डालते हैं. जब कुंडली की बात आती है तो राम का जन्म कब हुआ, यह भी सवाल उठता है. रामचरितमानस के बालकांड की एक चौपाई में भगवान राम के जन्म का उल्लेख इन शब्दों में किया गया है-

नौमी तिथि मधु मास पुनीता। सुकल पच्छ अभिजित हरिप्रीता॥
मध्यदिवस अति सीत न घामा। पावन काल लोक बिश्रामा॥

चैत्र महीने, शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को अभिजीत मुहूर्त में भगवान श्री राम का जन्म हुआ था. भगवान राम की कुंडली कर्क लग्न की थी और उनकी राशि भी कर्क ही थी. मर्यादा पुरुषोत्तम का जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के चौथे चरण में हुआ था. लग्न के स्वामी चंद्रमा स्वराशि में हैं, जो षष्ठेश और नवमेश गुरु के साथ लग्न में बैठे हुए हैं. भगवान राम की कुंडली की विशेषता यह है कि उनके चारों अलग-अलग केंद्रों में शनि, मंगल, गुरु और सूर्य उच्च के होकर विराजमान है. सबसे शक्तिशाली त्रिकोण यानी नवें घर में शुक्र उच्च के होकर बैठे हैं.

प्रबल राजभंग योग

भगवान राम की कुंडली में गजकेसरी, रूचक योग, शश पंच योग, महापुरुष योग, हंस योग और लग्न में शत्रुहंता योग नजर आता है. मंगल और शनि, इन दो पापी ग्रह की दृष्टि होने की वजह से प्रबल राजभंग योग भी बन रहा है. लग्न में बैठे गुरु कुंडली के षष्ठेश भी हैं. भगवान राम ने इस धरा पर जो संघर्ष किया, उसका कारण यही है.

ऐसे बने मर्यादा पुरुषोत्तम

भगवान राम की कुंडली में लग्न में गुरु नवमेश भी हैं. जीवन में नीति और न्याय का पालन करना, मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाना, इन सबमें कुंडली की यह खासियत असर करती है. दशम भाव में उच्च के सूर्य ने उन्हें प्रसिद्धि दिलाई. चंद्रमा और बृहस्पति का एक साथ होना ही जातक को धर्म और वीर वेदांत में रुचि लेने वाला बनाया है. बृहस्पति की पंचम विद्या भाव पर अमृत दृष्टि, सप्तम पत्नी भाव पर मार्ग दृष्टि और नवम भाग्य भाव पर अमृत दृष्टि पढ़ रही है. जिसके फलस्वरूप भगवान राम की कीर्ति और भाग्योदय का शुभारंभ 16वें वर्ष में ही हो गया था और पूर्ण भाग्योदय 25 वर्ष से आरंभ हुआ. माता के शनि होने के कारण मातृ सुख में कमी को दर्शा रहे हैं जबकि जन्म कुंडली में बने हुए अन्य योग परम शुभ फलदाई हैं.

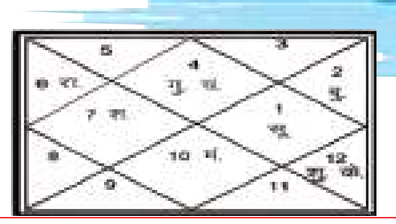

भौतिक व दांपत्य सुख में बाधा

सप्तम पत्नी भाव गुरु की नीच और मारक दृष्टि तथा मंगल का उच्च राशि का तो होना दांपत्य जीवन में कमी दिखाता है. भगवान राम के दांपत्य जीवन के सुख में बाधा शायद इसी का फल है. वहीं शुक्र का केतु के साथ बैठना और राहु की दृष्टि के कारण ही राज परिवार में जन्म के बावजूद भगवान राम भौतिक सुखों से दूर रहे.

रामेर चरित्र जतो सुनि चित्त उल्लसित

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर पूरा भारत वर्ष उत्साहित है. गांवों और शहरों में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का नेवता भेजा जा रहा है. साथ-ही जनसंचार के सभी माध्यमों में राम विषयक साहित्य को प्रस्तुत भी किया जा रहा है, ताकि जनमानस राम के रामत्व को पहचान सके, जान सके. यह सच है कि सम्पूर्ण भारतीय साहित्य को जिन दो चरित्रों ने सर्वाधिक प्रभावित और प्रेरित किया है, उनमें राम और कृष्ण हैं.

डा. हाराधन कोईरी

झारखंड का लोकसाहित्य भी राम और कृष्ण का गुणगान करने में पीछे नहीं है. कविवर विनन्दिया पंचपरगनिया भाषा-साहित्य के सर्वाधिक लोकप्रिय कवि हैं. जिन्होंने राम और कृष्ण संबंधी गीति पदों की रचना बड़े ही भाव-विभोर होकर किए हैं, जिसका प्रभाव आज भी जनजीवन में देखने, सुनने को मिलता है. महात्मा विनन्दिया राम और कृष्ण का गान करने वाले कवियों में सर्वाधिक लोकप्रिय हैं. पंचपरगनिया साहित्य जगत् में ये सूर और तुलसी के रूप में जाने जाते हैं.

संसार के स्वामी अनादि परम ज्योति राम के अनन्त चरित्र हैं. उन चरित्रों को सुनने से मन प्रफ्फुलित हो जाता है. मानव जीवन की गति और मति राम के चरणों में होनी चाहिए. राम ही जगत के मात-पिता हैं. इस भाव को बड़े ही सहजता के साथ कविवर विनन्दिया कहते हैं -

"राम- सीता माता-पिता जगतेर पालनकर्ता,
युगे युगे ना छाड़िहा सेई राग."

इतना ही नहीं राम और राम नाम की महिमा अनन्त हैं. मनुष्य को दृढ़संकल्प होकर राम और राम नाम की छत्र- छाया में रहना चाहिए जिसके प्रभाव से चारों युग में अमर हो जाएंगे. इसलिए मन, कर्म और वचन से राम का ही गुणगान करते रहना चाहिए. कवि विनन्दिया कहते हैं-

" चारी युगान्त, हइबे अमर
यदि करो रामेर गुणगान."

आगे वह कहते हैं कि राम के जितने चरित्र हैं चाहे लोकसाहित्य में हो या शिष्ट साहित्य में उन चरित्रों को श्रद्धा और विश्वास के साथ श्रवण करने से मन आनन्दित रहता है-

"रामेर चरित्र जतो,
सुनि चित्त उल्लसित."

लोककवि विनन्दिया ने रामकथा संबंधी कुल एक सौ चैबीस गीति लिखे हैं जो आदि झूमर संगीत में संकलित हैं. कथा-प्रसंग के अनुसार बालकांड के तीन, अयोध्याकांड के उन्नतीस, अरण्यकांड के इक्कीस, किष्किन्धाकांड के नौ, सुन्दरकांड के चौवालीस, लंकाकांड के सत्रह और उत्तरकांड के एक पद हैं. चिर परिचित रामकथा में कवि की चार मौलिक उद्भावनाएं हैं - पहला राम का राजतिलक के लिए राजा दशरथ द्वारा नेवता भेजवाना, दूसरा सीता द्वारा राजा दशरथ को बालू का पिंडदान कराना, तीसरा राम का अतिसय वियोग वर्णन और चौथा मन्दोदरी का स्वप्न देखना और रावण को सुनाना आदि. इस संदर्भ एक पद देखिए-

बलिछे बिनय करि, रावण के मन्दोदरी
राजा दशानन, शरणे नाहिक मरण,
राजा दशानन
राजा दशरथ घरे, जन्मिलेन रघुवरे
नर नारायण सब दोष करिबे मोचन.

राम-रावण के युद्ध को कवियों ने अपनी प्रतिभा से अपने-अपने ढंग से वर्णन किया है. महाकवि तुलसी ने रावण को मारने के लिए राम से इकत्तीस बाण चलवाए हैं, जबकि कविवर विनन्दिया ने एक ही बाण से रावण को खंड-खंड करवा डालते हैं. यह वस्तुतः कवि की काव्य-प्रतिभा है. रावण वध प्रकरण का वर्णन करते विनन्दिया लिखते हैं-

" धन्य से रघुवरे, जितिलेन समरे
रणे दशानन पड़िल, जय ध्वनि हइल.
देख से दस मुण्ड, हइल खण्ड खण्ड
एक बाणे छेदिल, जय ध्वनि हइल
जत निशाचरे, करिल संहारे
लंका जय करिल, जय ध्वनि हइल."

रावण के मारे जाने के बाद कपिगण आनन्दित हैं. मन्दोदरी आदि नारियां क्रंदन कर रही हैं. क्रंदन करती हुई आपस में कह रही हैं कि रावण जनक नंदिनी सीता को क्यों हर कर लाये ? लाने के बाद भी यदि आदर पूर्वक राम को वापस लौटा देते तो लंका की ऐसी दशा नहीं होती.

राम पुष्प विमान पर चढ़कर अवधपुरी को आये. राम को देखकर अयोध्यावासी आनन्दित हुए. क्षण भर में राम के वियोग से उत्पन्न दुःख मिट गए. नगर के नर-नारी घर-द्वार सजाने लगे. चौक-चौराहे पर ध्वजा और पताका फहराए जाने लगे. तब गुरु वशिष्ठ ने बिना विलम्ब किए राजसिंहासन मंगवाकर राम को सिंहासन पर बैठा, जिसे देखकर अयोध्या के नर-नारी, देवता, गंधर्व, मुनि सभी परमानन्द को प्राप्त हुए.

झारखंड में भी पड़े थे प्रभु श्रीराम के चरण

हिमकर श्याम

झारखंड की भूमि पर भी प्रभु श्रीराम के चरण रज पड़े हैं. जनश्रुतियों के अनुसार वनवास काल के दौरान में प्रदेश के अनेक जगहों पर प्रभु राम ने समय व्यतीत किया. रांची, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, पश्चिमी सिंहभूम, बोकारो, हजारीबाग और चतरा में कई ऐसे स्थान मिल जाएंगे, जिन्हें भगवान राम से जोड़कर देखा जाता है. गुमला में रामभक्त हनुमान की जन्मस्थली और परशुराम की तपोस्थली है. इसके अलावा यहां रावण के आने का भी साक्ष्य मौजूद है.

केतुंगा धाम

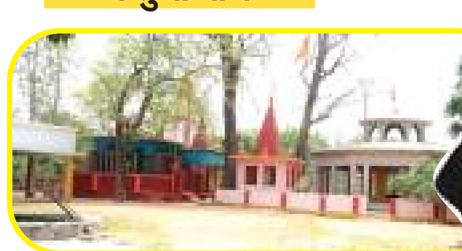

सिमडेगा जिला अंतर्गत बानो प्रखंड से महज पांच किलोमीटर की दूरी पर है केतुंगा धाम. यहां शिव का प्राचीन मंदिर है. केतुंगा धाम देवनदी व मालगो नदी के संगम स्थल पर है. मान्यता है कि राम, सीता एवं लक्ष्मण वनवास के दौरान देवनदी पार कर रामरेखा गये थे. यहां चट्टानों पर उनके पदचिह्न दिखाई देते हैं.

रामरेखा धाम

सिमडेगा का रामरेखा धाम ऐसा पावन स्थल है जिसका सम्बन्ध श्रीराम से जुड़ा है. रामरेखा धाम की पौराणिक कहानी है कि वनवास के समय प्रभु राम यहां सीता और लक्ष्मण के साथ कुछ समय के लिए ठहरे थे. रामजी ने सीताजी को बारिश से बचाने के लिए एक रेखा खींची थी, जिससे पहाड़ का एक हिस्सा झुक गया है. इसी वजह से इस जगह का राम रेखा धाम है. वह झुकी गुफा आज भी है. चरण पादुका, धनुष कुंड, गुप्त गंगा, अग्नि कुंड, सीता चौका, लक्ष्मण गुफा आदि भी रामजी के यहां आने की मान्यता को पुख्ता करते हैं. त्रेता युग में रामरेखा अग्निजिह्वा मुनि की तपोभूमि भी रही थी.

मां सीता ने यहां जलाए दीए

मान्यता है कि बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग लंकापति रावण द्वारा देवघर लाया गया था. देवघर से 15 किमी दूर दुमका रोड पर त्रिकुट पर्वत है. इस पर्वत को रावण के हेलीपैड के नाम से भी जाना जाता है. मान्यता है कि त्रिकुट पर्वत पर रावण ने ही शिवलिंग को स्थापित किया था. यह भी कहा जाता है कि मां सीता ने यहां पर दीए जलाए थे.

कौलेश्वरी पहाड़

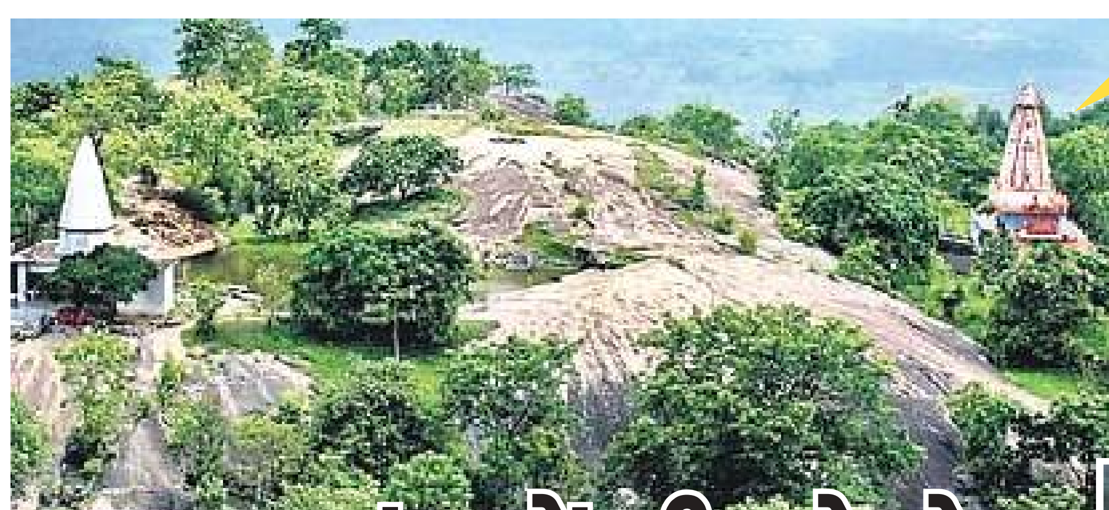

चतरा के हंटरगंज कौलेश्वरी पहाड़. इसे कोल्हुआ पहाड़ भी कहा जाता है. इस पहाड़ पर माता कौलेश्वरी का मंदिर होने के अलावा बौद्ध और जैन धर्मावलंबियों का भी मंदिर है. कौलेश्वरी सिद्धपीठ के रूप में चिन्हित है. किवदंती है कि श्रीराम, लक्ष्मण सीता ने वनवास काल में यहां समय व्यतीत किया था.

एडचोरो में राम-सीता के पदचिह्न

रांची से करीब 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है एडचोरो. यहां पहाड़ी पर शिव जी का एक प्राचीन मंदिर है जिसे लादा महादेव टंगरा के नाम से जाना जाता है. यहां एक पत्थर पर राम एवं सीता के पदचिह्न मौजूद हैं. मान्यता यह है कि वनवास के दौरान राम और सीता यहां आए हुए थे और ये उनके ही पैरों के निशान हैं. यहां आने वाले श्रद्धालु इन निशानों को छूकर भगवान से आशीष मांगते हैं.

रामतीर्थ धाम

पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत नोवामुंडी प्रखंड के देवगांव में स्थित है रामतीर्थ धाम. यह धाम वैतरणी नदी के तट पर स्थित है. यहां भगवान राम के पैरों के निशान मौजूद हैं. पौराणिक मान्यता है कि भगवान राम वनवास के दौरान सीता और लक्ष्मण के साथ रामतीर्थ में पधारे थे. उन्होंने यहां शिवलिंग स्थापित कर पूजा अर्चना की थी. राम के यहां ठहरने के कारण ही इसका नाम रामतीर्थ पड़ा है.

स्वर्ण मृग से जुड़ा है मृगखोह

कसमार प्रखंड के डुमरकुदर गांव के पास हिसीम-केदला पहाड़ी श्रृंखला में है मृगखोह. मान्यता है कि त्रेता युग में वनवास के समय श्रीराम का आगमन यहां हुआ था. वह स्वर्ण मृग का पीछा करते हुए यहां तक पहुंचे थे. स्वर्ण मृग को एक खोह में प्रवेश होता देखकर भगवान श्रीराम ने अपने धनुष से तीर चलाया था. वह तीर खोह के जिस हिस्से में टकराया था, वहां से दूध की धार निकलने लगी थी. पहाड़ी पर दो अलग-अलग जगहों पर पदचिह्न हैं. मंजूरा गांव की राम-लखन टुंगरी के बारे में भी ठीक ऐसी ही मान्यता है. यहां भी कुछ पदचिह्न हैं, जो भगवान श्रीराम के बताए जाते हैं.

बारनी घाट

चास-धनबाद मुख्य पथ करीब 10 किमी दूर पूरब दिशा में स्थित कुम्हरी पंचायत में दामोदर नदी पर बारनी घाट है. मान्यता है कि वनवास के दौरान भगवान राम, पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ यहां से होकर गुजरे थे. रात्रि विश्राम के बाद सुबह बारनी घाट में स्नान किया था. यहां पर पौराणिक पत्थर और उनकी चरण पादुका भी हैं.

परशुराम की तपोस्थली टांगीनाथ

गुमला शहर से करीब 75 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ही टांगी नाथ धाम. पौराणिक कथाओं के अनुसार यहीं उन्होंने अपने परशु यानी फरसे को जमीन में गाड़ दिया था और भगवान शिव की घोर उपासना की थी.

हनुमान जन्मस्थली आंजनधाम

वाल्मीकि रामायण, रामचरित मानस में आंजनधाम को माता अंजनी का निवास बताया गया है. मान्यता है कि यहीं हनुमानजी का जन्म हुआ था. गुमला के पालकोट में ही बाली के डर से ऋष्यमुक पर्वत की गुफा में सुग्रीव रहते थे.

घघारी धाम

रांची के लापुंग प्रखंड की देवगांव पंचायत में है घघारी धाम. मान्यता है कि वनवास के दौरान भगवान राम भी कुछ समय के लिए यहां आकर ठहरे थे. उनके साथ माता सीता तथा लक्ष्मण भी थे. फिर यहां से वे लोग पालकोट होते हुए रामरेखा धाम चले गये थे. घघारी धाम में जिस गुफा में वे ठहरे थे, वह अब भी यहां है. प्रभु श्रीराम के कारण ही घघारी के ऊपरी इलाके का नाम रामपुर पड़ा.

चूल्हा पानी

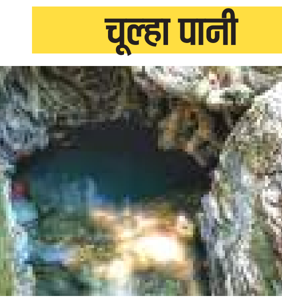

चूल्हा पानी लोहरदगा जिले के कुड़ू प्रखंड में स्थित है. यह दामोदर नदी का उद्गम स्थल है. मान्यता है कि चूल्हा पानी में वनवास के दौरान माता सीता ने खाना बनाया था. जिसके बाद से ही उस चूल्हा से जलधारा बहने लगी. इसलिए इस स्थल का नाम चूल्हा पानी पड़ा.

सूरजकुंड

सूरजकुंड गरम पानी का एक झरना है जो हज़ारीबाग से 60 किमी की दूरी पर स्थित है. यहां कुल पांच कुंड हैं जिनके नाम हैं सूर्य कुंड, राम कुंड, लक्ष्मण कुंड, सीता कुंड और ब्रह्मा कुंड. सूर्यकुंड के संबंध में किंवदंती है कि भगवान राम वनवास के दौरान भ्रमण करते हुए इधर से गुजर रहे थे उन्होंने एक कुष्ठ रोगी को रोग से ग्रसित देखा तो मोहवश अपने बाण से उक्त सूर्यकुंड का निर्माण किया था.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

भोजपुर में दारोगा के भाई की हत्या

भोजपुर। आरा में युवक की हत्या से सनसनी फैल गई. यहां दो गुटों के बीच आपसी वर्चस्व की लड़ाई में जमकर मारपीट और फायरिंग हुई है. मृतक युवक रिटायर्ड आर्मी जवान का बेटा था. वहीं, उसका एक भाई झारखंड पुलिस में दारोगा भी है. बताया जाता है कि हथियार बंद बदमाशों ने सिर में गोली मारकर हत्या कर दी. मारपीट और गोलीबारी में एक मकान और वहां लगे चार पहिया वाहनों को भी बदमाशों के द्वारा इट-पत्थर मार कर क्षतिग्रस्त किया गया. घटना नवादा थाना क्षेत्र के जगदेवनगर मुहल्ले की है.

कोहरे के कारण 3 जोड़े विमान हुआ रद्द

पटना। पटना सहित बिहार की कई जिलों में लगातार ठंड प्रकोप बढ़ता जा रहा है. कोहरे के प्रभाव के कारण गुरुवार को भी पटना एयरपोर्ट से जाने वाले या आने वाले विमान विलंब से परिचालित किए जा रहे हैं. गुरुवार को पटना एयरपोर्ट से हैदराबाद, दिल्ली और बेंगलुरु जाने वाले विमान को रद्द किया गया है. वहीं रांची, चेन्नई, मुंबई, पुणे, दिल्ली और देवघर जाने वाले विमान विलंब से परिचालित किए जाएंगे. वहीं, विमान के रद्द होने से यात्री लगातार सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते नजर आ रहे हैं. रनवे पर विजिबिलिटी कम होने के कारण इस तरह की स्थिति पटना एयरपोर्ट पर बनी हुई है.

केके पाठक ने अपनी छुट्टी 31 तक बढ़ायी

पटना। शिक्षा विभाग के अपर सचिव केके पाठक ने 31 जनवरी तक छुट्टी बढ़ाने का आवेदन दिया है. सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक उन्होंने सरकार से अपनी छुट्टी बढ़ाने का अनुरोध किया है. बता दें कि केके पाठक को 18 जनवरी को ऑफिस ज्वाइन करना था. फिलहाल उनकी अनुपस्थिति में शिक्षा विभाग के सचिव बैद्यनाथ यादव इसकी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं. केके पाठक की छुट्टी 16 जनवरी को खत्म हो रही थी और 17 जनवरी को छुट्टी होने के कारण 18 जनवरी को केके पाठक को ज्वाइन करना था. लेकिन उन्होंने 18 जनवरी से 31 जनवरी तक छुट्टी पर जाने का आवेदन दिया है.

बोधगया : तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा गुरुवार को बोधगया के महाबोधि मंदिर में निगमा मोनलम पूजा के दौरान अपने भक्तों के साथ.

आओ जानें

बिहार : सामान्य ज्ञान

1. पाल वंश के बाद बिहार पर बारहवीं सदी में किस वंश के आधिपत्य के प्रमाण मिलते हैं? – गुहड़वाल वंश 2. बारहवीं सदी के प्रथम दशक में किसके राज्यकाल में बिहार में एक शक्तिशाली राज्य की नींव रखी गई थी? –मदनपाल 3. बिहार और उड़ीसा को बंगाल से अलग करके एक पृथक् प्रांत के रूप में कब गठित किया गया? –वर्ष 1912 में
4. बिहार का अभिशाप किस नदी को कहा जाता है? – कोसी नदी
5. बिहार का क्षेत्रफल भारत के कुल क्षेत्रफल का कितना प्रतिशत है? – 2.86 प्रतिशत 6. बिहार का 'ग्रांड ट्रंक रोड' किस राष्ट्रीय राजमार्ग के नाम से जाना जाता है? – राष्ट्रीय राजमार्ग-2 7. बिहार की प्रथम रेलवे लाइन का निर्माण किस स्थान के मध्य हुआ था? – मुगलसराय से कलकत्ता 8. बिहार के किस नगर से भारत के महान् ज्योतिषाचार्य 'आर्यभट' का गहरा संबंध रहा था? – पाटलिपुत्र 9. बिहार के किस भाग को भारत का उद्यान' कहा जाता है? – गंगा का मैदानी भाग 10. बिहार के किस स्थान पर अशोक के अभिलेख मिले हैं? – लोरिया-नंदनगढ़ (चंपारण)

रोहतास में भामपुर सेमरी पुल पर हादसा

नहर में गिरी स्कॉर्पियो मुखिया सहित 3 की मौत

संवाददाता। रोहतास

रोहतास में एक सड़क हादसे में मुखिया समेत तीन लोगों की मौत हो गई. घटना दिनारा थानाक्षेत्र के भामपुर सेमरी पुल के पास की है. मृतकों की पहचान दिनारा थाना क्षेत्र के बीसी कला पंचायत के वर्तमान मुखिया सह लोजपा नेता उमेश पासवान, उप सरपंच बिपिन बिहारी गोस्वामी और वार्ड सदस्य महेंद्र पाल के रूप में की गई है. पुलिस का कहना है कि इस घटना में स्कॉर्पियो में सवार चार अन्य लोग घायल हो गये हैं, जिनका सासाराम सदर अस्पताल में चल रहा है. घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि स्कॉर्पियो में सवार होकर मुखिया सह लोजपा नेता उमेश पासवान, उप सरपंच बिपिन बिहारी गोस्वामी और वार्ड सदस्य महेंद्र पाल सहित कुल सात व्यक्ति किसी कार्यक्रम से लौट रहे थे. स्कॉर्पियो काफी तेज गति से जा रही थी, तभी तभी दिनारा थानाक्षेत्र के भामपुर सेमरी पुल पर स्कॉर्पियो चढ़ने के दौरान अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी. इस घटना में वर्तमान मुखिया सह लोजपा नेता उमेश पासवान, उप सरपंच बिपिन बिहारी गोस्वामी और वार्ड सदस्य महेंद्र पाल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि उस स्कॉर्पियो में सवार अन्य चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए.

परिजनों में मचा हड़कंप

स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी. सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल लोगों को बड़ी मशक्कत के बाद गाड़ी से बाहर निकाला गया. फिर घायलों को दिनारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया गया. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने उस घायलों का प्राथमिक उपचार कर उन्हें बेहतर इलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल रेफर कर दिया. साथ ही पुलिस ने मृतकों के डेड बॉडी को नहर से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया. घटना की जानकारी मिलने के बाद मुखिया सहित अन्य के परिजनों के बीच कोहराम मच गया है.

तेज रफ्तार हाईवे ने ऑटो में मारी टक्कर, दो युवक की मौत

गया। गया में सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई. वहीं, दो छात्राएं भी घायल हो गई हैं. घायल छात्राएं गया के पंचानपुर स्थित दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) की बताई जाती हैं. ये हादसा तब हुआ जब एक तेज रफ्तार हाईवा और ऑटो में जोरदार टक्कर हो गई. जिले के चंदौती थाना

अंतर्गत गया-पंचानपुर मार्ग में केवाली गांव के समीप गुरुवार को एक हाईवा ने ऑटो में टक्कर मार दी. इस घटना में ऑटो सवार दो लोगों की मौत हो गई. तेज रफ्तार हाईवा की टक्कर से ऑटो बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. घटना में दो छात्राएं भी घायल हो गईं. जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया. घटना में गया जिले के टिकारी थाना अंतर्गत दुर्गा स्थान मंदिर के गौरव मिश्रा की मौत हुई है. वहीं दूसरे मृतक की पहचान डेल्हा थाना अंतर्गत डेल्हा बस स्टैंड निवासी बसंत सिंह के रूप में हुई है. घायलों में श्रुति कुमारी और श्वेता कुमारी हैं. यह दोनों क्रमशः झारखंड के धनबाद और बोकारो जिले की रहने वाली हैं. वहीं, घटना की जानकारी के बाद चंदौती थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया. घायल दोनों छात्राओं का इलाज मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है. इस संबंध में चंदौती थानाध्यक्ष ने बताया कि केवाली गांव के पास सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है. मामले की जांच की जा रही है.

पटना में कार्यपालक पदाधिकारी की पिटाई, दिल्ली एम्स रेफर

संवाददाता। पटना

पटना में गया जिले के एक कार्यपालक पदाधिकारी की जानलेवा पिटाई कर दी गई. गंभीर स्थिति में उन्हें एम्स दिल्ली रेफर किया गया है. घटना रूपसपुर थाना क्षेत्र के गोला रोड की है. घायल की पहचान गया निवासी नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अरविंद कुमार सिंह के रूप में की गई है. इस मामले में रूपसपुर थानाध्यक्ष पहले तो नामजद प्राथमिकी नहीं दर्ज होने की बात कहते रहे, फिर मोबाइल ऑफ कर लिया. बाद में दानापुर डीएसपी ने पुष्टि की कि आरोप के आधार पर नामजद केस दर्ज कर लिया गया है. परिवार के लोगों ने कार्यपालक पदाधिकारी के बयान के आधार पर जिन लोगों को नामजद किया है, वह पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के भतीजे नागेंद्र राय उर्फ नागेंद्र यादव के बेटे तनुज यादव और नयन यादव हैं. नागेंद्र खुद राजद नेता है और रंगदारी समेत कई मामलों में वर्षों से कुख्यात है.

पुलिस का कहना है बीच-बचाव करने में हुई घटना

घटना के संबंध में रुपसपुर थानाध्यक्ष का कहना है कि दो गुटों में मारपीट हो रही थी. इसी दौरान बीच-बचाव करने के क्रम में कार्यपालक पदाधिकारी अरविंद कुमार सिंह को चोट लग गई जबकि दानापुर डीएसपी का कहना है कि जबकि दानापुर डीएसपी का कहना है कि 16 जनवरी की रात 9:30 बजे सूचना मिली थी कि गोला रोड में छप्पन भोग के पास दो गुटों के बीच लड़ाई हो रही है. घायल की पहचान अरविंद कुमार सिंह के रूप में की गई है, जो वर्तमान में डोभी गया में कार्यपालक पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित हैं.

विदेशी शराब बरामद दो तस्कर गिरफ्तार

मुंगेर। रेल पुलिस जमालपुर ने गुरुवार को मॉडल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-3 पर गाड़ी संख्या-13071 अप हावड़ा-जमालपुर एक्सप्रेस से शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है. ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचने के बाद बोगियों में चेकिंग के क्रम में कोच बी-2 के गेट के पास से दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है. वहीं जानकारी देते हुए रेल एसपी रमण चौधरी ने बताया कि रेल पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रेल जिला जमालपुर क्षेत्र में स्थित सभी रेल थानों को अलर्ट मोड में रखा गया है. आगामी 26 जनवरी पर गणतंत्र दिवस को लेकर रेल पुलिस चौकस है.

लीडरशिप की कमी के चलते बिहार अब भी पिछड़ा राज्य : मोहन यादव

संवाददाता। पटना

बिहार में किस बात की कमी है? कोई ऐसा राज्य ऐसा नहीं जहां बिहार के आईएएस-आईपीएस नहीं हैं. बिहार ही एकमात्र राज्य है, जिसे यह सौभाग्य मिला है. यहां यदि कोई कमी है तो लीडरशिप की. यही वजह है कि बिहार आज भी पिछड़ा राज्य है. यह बातें बिहार में एक दिवसीय दौरे पर आये मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गुरुवार को भाजपा कार्यालय में कही. उन्होंने कहा कि गुजरात उद्योग में भले ही आगे है लेकिन पसीने के रूप में जो बूंदें गिरती हैं वह बिहार का ही है. बिहार हर क्षेत्र के अंदर अपनी पहचान बनाई हुई है. सभी क्षेत्रों में बिहार के लोगों की अपनी पहचान है. आपातकाल के समय बिहार ही आगे आया और लोकतंत्र को बचाने का काम किया. मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव गुरुवार दोपहर पटना एयरपोर्ट पहुंचे. पटना एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया. एमपी के मुख्यमंत्री बनने के बाद वह पहली बार बिहार आये है. इस दौरान एसकेएम हॉल में यादव समाज की तरफ से उन्हें सम्मानित किया गया.

कारोबार

ईपीआईसी को 3,000 करोड़ का मिला ठेके

नयी दिल्ली। वेलस्पन कॉर्प ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसकी सहायक इकाई ईस्ट पाइप्स इंटीग्रेटेड कंपनी फॉर इंडस्ट्री (ईपीआईसी) को सऊदी अरब में लगभग 3,000 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं. वेलस्पन कॉर्प ने एक बयान में कहा, सऊदी अरब में उसकी सहायक इकाई ईस्ट पाइप्स इंटीग्रेटेड कंपनी को कुल 1.32 अरब सउदी अरब रियाल (3,000 करोड़ रुपये) से अधिक के ठेके मिले हैं. नए ठेकों में सेलाइन वाटर कन्वर्जन कॉरपोरेशन (एसडब्ल्यूसीसी) को इस्पात के पाइप की आपूर्ति शामिल है.

कर्नाटक सरकार ने किया एमओयू

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की दावोस में चल रही वार्षिक बैठक के दौरान सात कंपनियों के साथ 22,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को लेकर समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं. कर्नाटक के बड़े और मझोले उद्योग तथा अवसंरचना विकास मंत्री एम बी पाटिल की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मंगलवार को इन एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं. इसमें एक निवेश समझौता 20,000 करोड़ रुपये का है.

कलपुर्जों को शामिल करने की मांग पर विचार

नयी दिल्ली। सरकार ने वाहन और वाहन कलपुर्जों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना में और कलपुर्जों को शामिल करने की उद्योग की मांग पर विचार को एक समिति का गठन किया है. केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय ने यह जानकारी दी है. पांडेय ने मंगलवार को यहां वाहन पीएलआई पर एक सम्मेलन के मौके पर कहा, पीएलआई योजना के दायरे में अधिक वाहन कलपुर्जों को शामिल करने की हितधारकों की मांगों की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया गया है. इसकी अध्यक्षता भारी उद्योग मंत्रालय में एक अतिरिक्त सचिव करेंगे और इसमें 11 सदस्य होंगे.

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव बोले, दो करोड़ सालाना नौकरी का लक्ष्य पूरा होता दिख रहा है

मेक इन इंडिया के कारण निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कहा कि मेक इन इंडिया कार्यक्रम के कारण विनिर्माण-आधारित उत्पादों के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे देश में रोजगार के अवसर भी काफी बढ़े हैं. रेलवे, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि 2022-23 के निर्यात आंकड़ों के अनुसार, 762 अरब अमेरिकी डॉलर के कुल निर्यात में से 453 अरब अमेरिकी डॉलर विनिर्मित वस्तुओं से और 309 अरब अमेरिकी डॉलर सेवाओं से आए. उन्होंने कहा कि पहले निर्यात आंकड़ों में सेवा क्षेत्र का दबदबा हुआ करता था, लेकिन अब फार्मास्यूटिकल्स, मोबाइल फोन और माल ने इसकी जगह ले ली है. उन्होंने विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया कार्यक्रम को दिया. वैष्णव ने कहा, विनिर्माण आधारित निर्यात आम आदमी के जीवन पर असर डालता है. हम जापान और दक्षिण कोरिया की बात करें तो देखेंगे कि उन सभी ने अपनी आर्थिक यात्रा के दौरान विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित किया.

खेतों की सेहत बिगड़ी

देश की उपजाऊ भूमि की गुणवत्ता तेजी से घट रही है. इससे खेती-बाड़ी के क्षेत्र में हर वर्ष औसतन 3,654 रुपए प्रति हेक्टेयर का नुकसान हो रहा है. भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) के शोधकर्ताओं ने नुकसान का यह आकलन 2011-12 की कीमतों के आधार पर किया है. शोध अध्ययन के नतीजे जर्नल लैंड डिग्रडेशन एंड डेवलपमेंट में प्रकाशित हुए हैं. नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी (एनआरएसए) की माने तो देश में करीब 9.64 करोड़ हेक्टेयर जमीन गुणवत्ता में आ रही गिरावट से जूझ रहा है. जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के मुताबिक इसका दायरा करीब 12 करोड़ हेक्टेयर है. 21वीं सदी में भू-क्षरण बड़ी समस्या बनकर उभरा है. इस दौरान कृषि में आधुनिकरण का समावेश हुआ है और पैदावार बढ़ी, लिकन इसकी गुणवत्ता में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है.

उत्तर प्रदेश में ज्यादा क्षति

शोध से पता चला है कि राज्यों में भू-क्षरण के कारण सालाना होने वाले आर्थिक नुकसान में भारी असमानताएं हैं. एक ओर उत्तरप्रदेश में भूमि की गुणवत्ता में आ रही गिरावट से प्रति हेक्टेयर 15,212 रुपए का नुकसान हो रहा है. वहीं, दूसरी ओर केरल में यह नुकसान 7,489, पश्चिम बंगाल में 5,856, कर्नाटक में 5,843, असम में 5,168, महाराष्ट्र में 4,902, आंध्र प्रदेश में 4,741 और दिल्ली में 3,940 रुपए प्रति हेक्टेयर है. इसके विपरीत जम्मू-कश्मीर के किसानों को 105, मिजोरम में 283, पंजाब में 653 और मेघालय में 901, मणिपुर में 953 और उत्तराखंड में प्रति हेक्टेयर 968 रुपए का नुकसान झेलना पड़ रहा है.

बाढ़, सूखा व मानवीय गतिविधियां जिम्मेदार

भूमि की गुणवत्ता में कमी आने के कई कारण है. इनमें चरम मौसमी घटनाएं, विनाशकारी बाढ़ और विशेष रूप से सूखा शामिल है. यह मानवीय गतिविधियों के कारण भी होता है, जो मिट्टी की गुणवत्ता और भूमि की उपयोगिता को प्रदूषित करते हैं. शोधकर्ताओं ने कहा है कि भू-संरक्षण उपायों से भूमि की गुणवत्ता में आ रही गिरावट और आर्थिक नुकसान को रोका जा सकता है. भूमि संरक्षण प्रयासों के तहत भारत सरकार ने भी 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर जमीन बचाने का लक्ष्य रखा है.

भू-गिरावट वैश्विक चुनौती

भूमि की गुणवत्ता में आ रही गिरावट केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुकी है. यूएन कन्वेंशन टू कॉम्बैट डेजर्टिफिकेशन (यूएनसीसीडी) के आंकड़े बताते हैं कि 2015 से 42 करोड़ हेक्टयर उपजाऊ जमीन भू-क्षरण की भेंट चढ़ चुकी है. यह भूभाग करीब मध्य एशिया के बराबर है. इसकी वजह से दुनिया भर में खाद्य आपूर्ति की समस्या पैदा हो गई है. वैश्विक स्तर पर हर साल करीब 10 करोड़ हेक्टेयर स्वस्थ्य जमीन अपनी गुणवत्ता खो रही है. अगर ऐसा ही चलता रहा तो 2030 तक यह आंकड़ा 150 करोड़ हेक्टेयर भूमि तक पहुंच जाएगा.

ईपीएफओ का बड़ा निर्णय — आधार कार्ड को मान्य दस्तावेजों की सूची से बाहर कर दिया है

जन्म तिथि के लिए 'आधार कार्ड' की मान्यता खत्म

एजेंसी। नयी दिल्ली

श्रम मंत्रालय के अंतर्गत कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ''ईपीएफओ'' ने आधार कार्ड को लेकर एक बड़ा निर्णय लिया है. ईपीएफओ में किसी भी कार्य के लिए अब जन्म तिथि के प्रूफ के तौर पर आधार कार्ड की मान्यता खत्म कर दी गई है. मतलब, अब ''आधार कार्ड'' का इस्तेमाल, जन्म तिथि को अपडेट कराने या उसमें किसी त्रुटि को ठीक कराने के लिए नहीं हो सकेगा. ईपीएफओ ने आधार कार्ड को अपने मान्य दस्तावेजों की सूची से बाहर कर दिया है. ''कर्मचारी भविष्य निधि संगठन'' द्वारा इस संबंध में 16 जनवरी को एक सर्कुलर जारी किया गया है. भारतीय

विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ''यूआईडीएआई'' की तरफ से आधार कार्ड को लेकर उक्त निर्देश जारी करने के लिए कहा गया था. उसके बाद ही ईपीएफओ ने जन्मतिथि में बदलाव के लिए आधार कार्ड की मान्यता खत्म करने का निर्णय लिया है. इसके बाद आधार कार्ड को ईपीएफओ के मान्य दस्तावेजों की लिस्ट से हटा दिया गया है.

दसवीं कक्षा का सर्टिफिकेट कर सकते हैं इस्तेमाल

ईपीएफओ के अनुसार, जन्म तिथि के लिए प्रूफ के लिए दसवीं कक्षा का सर्टिफिकेट इस्तेमाल किया जा सकता है. इतना ही नहीं, किसी सरकारी बोर्ड या यूनिवर्सिटी से जारी हुई अंक तालिका भी इस काम के लिए प्रयोग में लाई जा सकती है. स्कूल छोड़ने के वक्त जारी होने वाला प्रमाण पत्र और ट्रांसफर सर्टिफिकेट के माध्यम से भी जन्म तिथि में बदलाव हो सकेगा. इतना ही नहीं, अगर सिविल सर्जन ने ऐसा कोई मेडिकल प्रमाण पत्र जारी किया है, जिसमें जन्म तिथि अंकित है, तो उसे भी ईपीएफओ मान्यता देगा. साथ ही पासपोर्ट, पैन नंबर, डोमिसाइल सर्टिफिकेट और पेंशन दस्तावेज को भी मान्यता प्रदान की गई है. आधार कार्ड को केवल पहचान पत्र एवं निवास स्थान के प्रमाण पत्र के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए.

सुप्रीम कोर्ट ने दिया था फैसला

2018 में सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को लेकर एक अहम फैसला सुनाया था. अपने फैसले में शीर्ष अदालत ने कहा था कि आधार कार्ड का इस्तेमाल कहां पर होगा और कहां नहीं होगा. सर्वोच्च अदालत ने कहा था कि बैंक अकाउंट और मोबाइल नंबर को आधार से जोड़ने की कोई जरूरत नहीं है. यूजीसी, सीबीएसई, निफ्ट व कॉलेज आदि संस्थान, आधार कार्ड पर लिखे नंबर की मांग नहीं कर सकते हैं. स्कूल में दाखिले के लिए आधार नंबर का इस्तेमाल जरूरी नहीं होगा. सरकारी योजनाओं का लाभ देने से मना करने के पीछे इस तथ्य को कारण नहीं बनाया जा सकता कि बच्चे का आधार अपडेट नहीं है. निजी कंपनियां, आधार कार्ड की मांग नहीं कर सकती हैं. उस वक्त सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता वकील प्रशांत भूषण ने इसे एक ऐतिहासिक फैसला बताया था. भूषण का कहना था, आम आदमी को यह राहत देने वाला फैसला है.

पेज एक का शेष

जाके प्रिय न राम वैदेही...

कौन शंकराचार्य खिलाफ हैं, क्यों हैं, उनकी अभिलाषा क्या है, उनकी पृष्ठभूमि क्या है और राम मंदिर आंदोलन में उनका योगदान क्या है, इस पर बाद में कभी चर्चा होगी.

मंदिर सरकार नहीं बनवा रही, निर्माण के लिए पैसा बरस रहा है : लेकिन क्या अधूरे मंदिर में किसी देवता की प्राण प्रतिष्ठा का निर्णय किसी पार्टी की कार्यसमिति करेगी या धर्माचार्य करेंगे ? क्या मुहूर्त की गणना ज्योतिषाचार्यों के अतिरिक्त पार्टियों के नेता करेंगे ? श्रीराम ने रामेश्वर शिवलिंग की स्थापना किस मंदिर में की थी, उसकी प्राण प्रतिष्ठा किस धर्माचार्य ने करायी थी और मुहूर्त किसने तय किया था ? एक आरोप यह भी है कि सरकार मंदिर निर्माण पर पानी की तरह पैसा बहा रही है. सच तो यह है कि सरकार मंदिर निर्माण पर एक धेला खर्च नहीं कर रही है. पैसा बरस रहा है. आलम यह है कि हिसाब-किताब और जमा-खर्च की निगरानी के लिए बैंक के दर्जन भर कर्मचारी तैनात किये गये हैं. लेकिन यदि मंदिर निर्माण पर सरकारी पैसा खर्च हो भी रहा हो, तो कांग्रेस और उसके गंठबंधन के साथियों को एतराज करने का हक कैसे मिल गया ? जो लोग सरकारी पैसे से हज हाउस, दरगाहें, कब्रिस्तानों की चहारदीवारियां बनवाते रहे हैं, जो जालीदार टोपियां और पट्टीदार गमछे ओढ़ कर सरकारी पैसे से दावत-ए-इफ्तार की मौज लूटते रहे हैं, हज पर जाने के लिए सब्सिडी देते रहे हैं, वे मंदिर निर्माण पर सरकारी पैसे के इस्तेमाल पर सवाल कैसे उठा सकते हैं ?

कांग्रेस को सिर्फ नाम गांधी का चाहिए, काम हिंदू विरोध का है: बहरहाल राम मंदिर पर विवाद का मुख्य कारण यह है कि कांग्रेस को न तो राम मंदिर से कुछ लेना-देना है और न ही गांधी जी के रघुपति राघव राजा राम से. समाजवादी गिरोह के नेताओं ने भी राममनोहर लोहिया, आचार्य नरेंद्र देव आदि को तिलांजलि दे दी है. कांग्रेस अब सिर्फ नेहरूवादी है, जो स्वघोषित एक्सीडेंटल हिंदू थे. कांग्रेस को सिर्फ नाम गांधी का चाहिए, लेकिन काम हिंदू विरोध का ही करना है. नेहरू के समय ही कांग्रेस वामपंथियों की गिरफ्त में चली गयी थी. आज तो वह उनके मकड़जाल में ऐसे फंस गयी है कि देश के खिलाफ भी स्टैंड लेने में वह संकोच नहीं कर रही है. इस समय जब पूरी दुनिया में राष्ट्रवादी-दक्षिणपंथी विचारधाराएं हिलोरे ले रही हैं और वामपंथ सिसकियां भर रहा है, तब कांग्रेस वामपंथियों के सहारे भारत में क्या हासिल कर लेगी ? हां उन्होंने इतना जरूर किया है कि अपनी खुटचाल से कांग्रेस को गांधी, पटेल से बेताल्लुक कर दिया है. इसी प्रकार समाजवादी वंशवादी और घोर जातिवादी राजनीति की गिरफ्त में फंस कर लोहिया से बहुत दूर चले गये हैं.

हंसना और गाल फुलाना एकसाथ संभव ही नहीं : लोहिया जी रामायण मेला लगवाते थे. राम, कृष्ण और शिव पर लिखे उनके आलेख भारतीय साहित्य-संस्कृति की धरोहर हैं. लेकिन आज हमारे समाजवादी राम से विमुख हो गये हैं. वे भारतीय संस्कृति पर हमले बोल रहे हैं. राम को जन मन में प्रतिष्ठित करनेवाले तुलसीदास ने अकबर के जमाने में डंके की चोट पर लिखा- जाके प्रिय न राम वैदेही, तजिए ताहिं कोटि वैरी सम जद्यपि परम सनेही. यानी एक संत शिरोमणि ने संस्कृति सीता की रक्षा के लिए मुगल सत्ता को चुनौती दी थी, लेकिन आज सिर्फ और सिर्फ मुसलमानों के वोट के लिए हमारे नेता और दल राम मंदिर का न्योता ठुकरा रहे हैं. लोकसभा चुनाव का परिणाम क्या होगा, यह तो राम जानें, लेकिन कांग्रेस और समाजवादियों का निर्णय त्रासदी भी है और विडंबना भी. ऐसा इसलिए कहना पड़ रहा है, क्योंकि मकर संक्रांति के दिन कांग्रेस महासचिव अविनाश पांडेय, उत्तरप्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, सांसद दीपेंद्र हुड्डा, प्रवक्ता अखिलेश प्रताप सिंह सहित दर्जन भर बड़े नेताओं ने न केवल अयोध्या तट पर सरयू में डुबकी लगायी, राम के दर्शन भी किये और जयकारे भी लगाये. कांग्रेसियों का यह कार्यक्रम आगे भी जारी रहेगा. पता नहीं यह उनका निजी मामला है या सार्वजनिक या कोई राजनीतिक कर्मकांड ? अच्छा होता कि कांग्रेस और उसके गंठबंधन के साथी 22 जनवरी को अयोध्या जाते और बताते कि राम उनके भी उतने ही हैं, जितने भाजपा के. इससे भाजपा को अपनी रणनीति बदलनी पड़ती और इस मुद्दे को उतनी आंच नहीं मिलती, जितनी मिलने की संभावना कांग्रेस के बॉयकाट से बढ़ेगी. लेकिन हंसना और गाल फुलाना एकसाथ संभव ही नहीं है. इसी विरोधाभास की स्थिति पर तुलसीदास ने लिखा है- एक संग नहिं होहिं भुआलू, हंसब ठठाइ फुलाउब गालू. कांग्रेस का विरोधाभास अभी उसकी कितनी फजीहत कराएगा, देखते जाइए.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से लग्न में चंद्र गुरु का योग है. धन का आगमन होगा, पर किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है. यात्रा में सावधानी रखें, नुकसान हो सकता है. वाद-विवाद से प्रतिष्ठा में कमी आयेगी. जोखिम-जमानत के कार्य न करें.

वृषभ गलत जगह खर्च में वृद्धि होगी. विरोधी हार मानेंगे. राजकीय कार्यों में गति आएगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता मिलेगी. पुराने और बड़े निवेशादि लाभ देंगे. संतान की तरक्की से मन प्रसन्न रहेगा. मंदिर में अन्न का दान करें.

मिथुन भाई के लिए शाम का समय ठीक है. पर जल्द बाजी में लिए हुए निर्णय ठीक नहीं होंगे. यह नुकसान का कारण बनेगा. सोच-समझकर निर्णय लें. सुख के साधनों की चिंता हो सकती है. संपत्ति के कार्य सफल होंगे.

कर्क घर परिवार में सुख शांति होगी. भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा. आपके मेहनत के बल पर पराक्रम में वृद्धि होगी. विद्यार्थी वर्ग अल्प प्रयास से सफलता मिलेगी. निवेशादि से लाभ होगा. कोई बड़ा लाभ का योग है. मंदिर ने जल दान करें.

सिंह सोच विचार कर ही कार्य करें. ससुराल से लाभ होगा. भाग्य के बल से कार्य होगा. कोशिश करने से कार्य बनेंगे.कठिन परिश्रम द्वारा सफलता मिलेगी,किसी वाद विवाद से बचने का प्रयास करें. व्यापार-व्यवसाय में अचानक लाभ के योग हैं.

कन्या कोई कार्य करने या बोलने से पहले सोच समझ लें. खर्च बढ़ सकता है. पराक्रम वृद्धि होगी. निवेश करने के लिए समय सही है. आपकी मेहनत के बल पर रोजगार प्राप्ति हो सकती है. कोई छोटी यात्रा शुभ रहेगी. गौ माता का सेवा करें.

तुला प्रतिष्ठा बढ़ेगी. परिवार का सुख-सहयोग मिलेगा. निवेशादि से लाभ होगा. रोजगार प्राप्ति हो सकती है. बौद्धिक कार्य सफल होंगे. दूसरों की देखादेखी नहीं करें. पार्टनर से मतभेद होगा. कृष्ण के बालरूप का पूजन करें.

वृश्चिक संतान के कार्य बनने से मन खुश होगा. अचानक कार्य बनने के योग उपस्थित होंगे. कोई छोटी यात्रा शुभ होगी. निवेशादि लाभदायक रहेंगे, व्यापार अच्छा चलेगा. मानसिक उलझन होगा. हनुमानजी का पूजन अर्चन करें.

धनु शिक्षा में कुछ अड़चन का योग है. कार्य सावधानी से करें. ज्यादा आत्मविश्वास घातक है. व्यय बढ़ने से क्लेश हो सकता है. निर्णय सोच समझ कर लें, जोखिम न लें. प्रतिष्ठित व्यक्ति से भेंट हो सकती है. कोई कार्य बनने से लाभ होगा.

मकर कार्य का विरोध हो सकता है. रुका हुआ धन प्रयास करने पर वापस आएगा. कोई छोटी यात्रा शुभ रहेगी. निवेशादि से लाभ होगा. कार्य व्यवसाय में सफलता की संभावना है. गाय का घी ब्राह्मण को दान करें.

कुंभ राजकीय कार्यों की रुकावटें दूर होंगी. निवेशादि से लाभ होगा. शेयर बाजार से लाभ का योग है. नोकरी इन्टरव्यू में सफलता मिलेगी.रूके हुए काम बन सकते है. किसी गरीब को भरपेट भोजन दे. समय बहुत ही अनुकूल होगा.

मीन नेत्र रोग से बचें. कुछ क्रोध से भी हानि का योग है. किसी मंदिर में दर्शन पूजन का योग है. अध्यात्म के प्रति खर्च होगा. बिगड़ते कार्य बनने लगेंगे. सोचे हुए निवेशादि लाभ देंगे. कार्य व्यवसाय ठीक चलेगा. वाहन का प्रयोग सावधानी से करें.

22 को राजकीय अवकाश घोषित करने की मांग

रांची। झारखंड प्रदेश बीजेपी ने 22 जनवरी को झारखंड में राजकीय अवकाश घोषित करने की मांग की है. नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने राजकीय अवकाश घोषित करने की मांग मुख्यमंत्री से की है. कहा है कि 22 जनवरी का दिन करोड़ों हिंदुओ की आस्था से जुड़ा हुआ है. कई राज्यों की सरकार ने इस दिन अवकाश की घोषणा कर चुकी है. झारखंड सरकार को इस दिन अवकाश घोषित करना चाहिए. वहीं राष्ट्रीय सनातन एकता मंच एवं विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने भी राज्य सरकार से 22 जनवरी को राजकीय अवकाश घोषित करने की मांग की है.

डीजीपी आज करेंगे समीक्षा बैठक

रांची। डीजीपी अजय कुमार सिंह शुक्रवार सुबह 11.30 बजे जिले के एसएसपी व एसपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक करेंगे. इस समीक्षा बैठक में सीपीएमएस एप्लीकेशन के माध्यम से गवाहों को कोर्ट में ससमय उपस्थित करने और अनुसंधान में पायी जानी वाली त्रुटि पर चर्चा करेंगे. जानकारी के मुताबिक, सीपीएमएस एप्लीकेशन गूगल प्ले स्टोर और एप्पल एप्लिकेशन स्टोर पर उपलब्ध है. इस मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से वाद स्थिति, वाद सूची, कोर्ट के आदेशों को एक्सेस किया जा सकता है. ये सेवाओं को 24X7 उपलब्ध कराता है. यह न्यायपालिका के सदस्यों, अधिवक्ताओं, वादकारियों, पुलिस, सरकारी अभिकरणों और अन्य हितधारियों के लिए एक उपयोगी साधन है.

सहायक प्राध्यापकों ने वीसी को सौंपा ज्ञापन

रांची। रांची विश्वविद्यालय के आवश्यकता आधारित सहायक प्राध्यापक विवि के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा से मिले. मुलाकात करने गये शिक्षकों की संख्या लगभग 250 थी. कुलपति से मिलकर ज्ञापन दिया और कहा कि अतिथि शिक्षकों को आवश्यकता आधारित सहायक प्राध्यापकों के साथ मर्ज करने की घोषणा का विरोध किया है. विरोध करने गए शिक्षकों ने कहा कि आवश्यकता आधारित सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया अतिथि शिक्षकों से बिलकुल भिन्न है. इसलिए अतिथि शिक्षकों का विलय आवश्यकता आधारित सहायक प्राध्यापकों के साथ नहीं किया जाए. हालांकि कुलपति ने स्पष्ट कहा कि मेरी ऐसी कोई मनसा नहीं है और न ही मीडिया को कोई बयान दिया है.

बंधु की आदिवासी एकता महारैली को लेकर गहराता जा रहा विवाद

विशेष संवाददाता। रांची

आरएसएस से जुड़ी संगठन जनजातीय सुरक्षा मंच द्वारा दिसंबर में आयोजित डीलिस्टिंग महारैली की सफलता के फौरन बाद कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने अपने पुराने संगठन झारखंड जनाधिकार मंच के बैनर तले आदिवासी एकता महारैली की घोषणा कर दी. इस महारैली की तैयारी जोरों पर है. मगर इस महारैली को लेकर उभरा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. इसको लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है. महारैली समर्थक जहां से ईसाई-सरना आदिवासी एकता के तौर पर इसे प्रोजेक्ट कर रहे हैं. वही इसके विरोधी इसे ईसाई आदिवासियों की महारैली करार दे रहे हैं.

आदिवासियों की पहचान और सम्मान का सवाल महत्वपूर्ण : बंधु तिर्की

गुरुवार को महारैली की सफलता के लिए बंधु तिर्की ने तैयारी बैठक की. जिसमें उन्होंने कहा कि आदिवासियों की पहचान के साथ ही उनके सम्मान का सवाल सबसे अधिक महत्वपूर्ण है. झारखंड में आदिवासियों के सवाल और आदिवासियत के मुद्दे से किसी भी हाल में समझौता नहीं होगा. उन्होंने महारैली के प्रचार-प्रसार के लिये पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया. उन्होंने अपने-अपने क्षेत्र से अधिकाधिक संख्या में महारैली में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. गुरुवार की हुई बैठक में पंडरा, बनहोरा, हेसल, हेहल, बजरा, बरियातू, कठरगोदा के प्रमुख लोग शामिल हुए. बैठक में शिवा कच्छप, महादेव टोप्पो, बेलस तिर्की, फ्रांसिस तिर्की, लक्ष्मी नारायण मुंडा, संदीप तिर्की, दिनेश उरांव, ग्राम प्रधान सोमरा उरांव, सती तिर्की, अनीता उरांव, प्रमिला उरांव, नुरी तिर्की, दीपू सिन्हा, शामेल टोप्पो सहित महत्वपूर्ण पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया.

बंधु तिर्की आदिवासी समाज को गुमराह कर रहे हैं : जगरनाथ भगत

आदिवासी एकता महारैली के विरोध में गुरुवार को जनजाति सुरक्षा मंच की बैठक बरियातू रोड स्थित कार्यालय में हुई. बैठक में 4 फरवरी को ईसाइयों द्वारा आयोजित होने वाले आदिवासी एकता रैली का पुरजोर विरोध किया गया. मंच के जिला संयोजक जगरन्नाथ भगत ने कहा धर्मांतरित ईसाई लोग हम आदिवासियों के आरक्षण को छीन रहे हैं खा रहे हैं. अब इससे वंचित करने डीलिस्टिंग की मांग हम लोग कर रहे हैं तो इसे असंवैधानिक बताकर ईसाई मिशनरी और उनके प्रतिनिधि बंधु तिर्की मूल आदिवासी समाज को गुमराह कर रहे हैं. इस आदिवासी एकता रैली से मूल आदिवासी समाज को नुकसान है वे इस एकता रैली में शामिल न हो. जिला सहसंयोजक मनोज भगत ने कहा कि डीलिस्टिंग की मांग हमारी जायज है, जो होकर रहेगा. 4 फरवरी की रैली में आदिवासी समाज के लोग शामिल नहीं हों. इस मौके पर जनजाति सुरक्षा मंच के संदीप उरांव , मेघा उरांव , पिंकी खोया , सन्नी उरांव, हिन्दुवा उरांव, राजू उरांव आदि उपस्थित थे.

कृषि मेला : आदित्यपुर में 3000 से किसानों ने लगायी अपने उत्पादों की प्रदर्शनी

किसानों के एनपीए खातों के भी ऋण होंगे माफ : बादल पत्रलेख

संवाददाता।आदित्यपुर

झारखंड सरकार के कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के तत्वावधान में गुरुवार को जिला मुख्यालय के काशी साहू कॉलेज मैदान में प्रमंडल स्तरीय कृषि मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री बादल पत्रलेख, आदिवासी कल्याण सह परिवहन मंत्री चंपाई सोरेन एवं सांसद गीता कोड़ा ने दीप जलाकर किया. खराब मौसम के बावजूद इस मौके पर प्रमंडल के 3000 से अधिक किसानों द्वारा अपने उत्पादों का प्रदर्शनी लगाई गई थी, जिसका निरीक्षण अतिथियों द्वारा किया गया. मौके पर अतिथियों द्वारा किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि उपकरण का वितरण भी किया गया.

इस अवसर पर कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा कृषि सहकारिता के क्षेत्र में किसानों को आगे लाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है. सरकार पैसा खर्च कर रही है, धरातल पर किसानों को हकीकत में क्या लाभ मिलता है, इस कार्यक्रम के जरिए इसका अवलोकन भी हो रहा है. उन्होंने कहा कि ऐसा कार्यक्रम पूरे राज्य के सभी प्रमंडलों में किया जा रहा है, ताकि यह समझा जा सके कि किसान के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं से किस प्रकार से किसानों की आमदनी बढ़ रही है. उन्होंने कहा कि किसानों के 50,000 तक कृषि लोन माफ करा दिया गया है. इससे बहुत सारे किसानों को लाभ पहुंची है. परंतु इसमें सिर्फ स्टैंडर्ड अकाउंट ही शामिल हैं. उन्होंने कहा कि किसानों के एनपीए अकाउंट भी माफी योग्य है इस पर सरकार विचार कर रही है और जल्द ही एनपीए खाते के ऋष्ण भी माफ कर दिये जाएंगे.

किसानों को संबोधित करते हुए मंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है, किसानों को उचित प्रशिक्षण देते हुए नई तकनीक द्वारा उन्हें अपनी उपज का दोहरा लाभ देने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि उन्हें आर्थिक रूप से सबल किया जा सके. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार डैम एवं नदियों से पाइपलाइन के जरिए हर खेत में पानी पहुंचा रही है, ताकि किसानों को पूरे 12 महीना पानी मिल सके और इससे कम से कम साल में तीन बार फसल की उपज करायी जा सके. उन्होंने कहा कि राजनगर के ईचा खरकाई डेम में किसी प्रकार की विस्थापन नहीं होगा. एक भी गांव-परिवार विस्थापित नहीं होंगे. पाइपलाइन के जरिए सभी ग्रामीणों के खेतों में पानी जाएगी. कार्यक्रम में डीसी रवि शंकर शुक्ला, एसपी डॉ. विमल कुमार, ज़िला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा, जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो तथा अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे.

खास बातें

- किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि उपकरणों का वितरण
- उचित प्रशिक्षण देकर किसानों को दोहरा लाभ देने का प्रयास

राजीव अरुण बनें सीएम के अपर मुख्य सचिव

8 आईएएस अफसर इधर से उधर

संवाददाता ।रांची

राज्य सरकार ने आठ आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया है.

राजीव अरुण एक्का को सदस्य राजस्व पर्षद की जिम्मेवारी सौंपी गई है. साथ ही राजीव अरूण एक्का मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग और पंचायती राज विभाग के अपर मुख्य सचिव के भी प्रभार में रहेंगे. ग्रामीण कार्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह को स्वास्थ्य विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. मंत्रिमंडल सचिवालय की प्रधान सचिव वंदना दादेल को महिला बाल विकास का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. प्रधान स्थानिक आयुक्त मस्त राम मीणा को प्रधान सचिव योजना विकास विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गई है.पेयजल विभाग के सचिव मनीष रंजन को भू-राजस्व विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गई है.राजेश शर्मा को श्रम विभाग से स्थानांतरित करते हुए पेयजल विभाग का सचिव बनाया गया है. प्रशांत कुमार को वित्त विभाग का सचिव बनाया गया है. वहीं एटीआई के निदेशक के श्रीनिवासन को स्थानिक आयुक्त झारखंड भवन की जिम्मेवारी सौंपी गई है. वे एटीआई निदेशक के अतिरिक्त प्रभार में भी रहेंगे. कार्मिक विभाग ने गुरुवार को इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है.

तंबाकू से उजड़े कितने ही परिवार, युवा पीढ़ी गंभीर बीमारी का शिकार : दुखू

संवाददाता ।महुदा(धनबाद)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय व जिला एनसीडी सेल धनबाद के तत्वाधान में गुरुवार को जनकल्याण विकास केंद्र की ओर से तेलमच्चो स्थित सभागार में एनजीओ के सदस्यों, समाजसेवियों बुद्धिजीवियों एवं छात्र-छात्राओं के बीच स्वास्थ्य जागरूक्ता पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम में तंबाकू सेवन से मानव स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभावों से संबंधित समस्याओं के बारे में जानकारी दी गयी. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था के सचिव दुखू महतो ने कहा कि आज हमारे देश में तंबाकू के सेवन से देश के युवा पीढ़ी गंभीर बीमारी का शिकार हो रहे हैं.

तंबाकू के सेवन से कितने ही परिवार उजड़ रहा है एवं अपनी कमाई को नशीली पदार्थ के सेवन में लगा रहे हैं, जिसके कारण कितने ही घर उजड़ गये है, आज सभी युवाओं को शपथ लेनी चाहिए कि ना तो हम तंबाकू का सेवन करेंगे और ना ही किसी को सेवन करने के लिए प्रेरित करेंगे. तभी हमारा समाज आगे बढ़ेगा और हमारा देश तंबाकू मुक्त बन पायेगा.

विधायक मनीष जायसवाल बनाये गये भाजपा के प्रदेश के सह कोषाध्यक्ष

संवाददाता।हजारीबाग

भाजपा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपनी प्रदेश कमेटी का विस्तार करते हुए नई कमेटी की घोषणा कर दी. इसमें हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल को पहली बार प्रदेश कमेटी में जगह मिली है. उन्हें प्रदेश सह कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है. इधर विधायक मनीष जायसवाल को मिले नए दायित्व के बाद हजारीबाग के भाजपा कार्यकर्ताओं और उनके शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई. गुरुवार की सुबह विधायक आवासीय परिसर और विधायक सेवा कार्यालय में विधायक मनीष जायसवाल से मिलने तादाद में लोग पहुंचे और अपने- अपने तरीके से उन्हें शुभकामनाएं भेंट की. बुधवार को क्षेत्र भ्रमण के दौरान भी विधायक मनीष जायसवाल को शहर के सुभाष नगर और ग्रामीण क्षेत्र के बहेरी, सखिया, बेलामुंडवार के लोगों के बीच पहुंचे तो उन्होंने अंग- वस्त्र भेंटकर सम्मानित करते हुए भाजपा में नए दायित्व मिलने पर बधाई दी. यहां से जब विधायक मनीष जायसवाल, कटकमसांडी प्रखंड की कंडसार और कठौतिया पहुंचे तो यहां भी गर्मजोशी से उनका नागरिक अभिनंदन हुआ और लोगों ने अपने तरीके से बधाई दी. विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने जो जिम्मेवारी दी है, उसका पूरा निष्ठापूर्वक निर्वहन करूंगा.

उर्दू विकास मंच ने वित्त मंत्री को सौंपा ज्ञापन

लोहरदगा । झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा बिहार झारखंड अलग होने से पूर्व के उर्दू शिक्षकों के 4401 पद को समाप्त करने की कोशिश के विरोध में गुरुवार को उर्दू विकास मंच का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को यहां वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव से मिला एवं उन्हें अपनी मांग से संबंधित ज्ञापन सौंपा. प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व मंच के अध्यक्ष हाजी शकील अहमद कर रहे थे. ज्ञापन में उर्दू शिक्षक पद 3712 को मरणशील घोषित नहीं करने और इन पदों पर बहाली करने का आग्रह किया गया है. उस पर मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव त्वरित कार्रवाई करते हुए परियोजना निदेशक से दूरभाष पर वार्ता की तथा वस्तुस्थिति से अवगत हुए। साथ ही इस विषय पर सकारात्मक पहल करने का निर्देश भी दिए। प्रतिनिधि मंडल में उर्दू विकास मंच के सचिव फिरोज राही और इमा इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल मो. एजाज आदि शामिल थे.

कैनवास पर सीता और हनुमान के साथ उतरे भगवान श्रीरामचंद्र

संवाददाता ।बरकट्ठा

प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर चहुंओर उत्साह का आलम है. जिले के बरकट्ठा में उल्लास देखने को मिल रहा है.

जिला शिक्षा पदाधिकारी की पहल पर डिवाइन पब्लिक स्कूल परिसर में विद्यार्थियों के बीच 'हमारे राम' थीम पर चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए. उनके जज्बे के कारण कैनवास पर भगवान राम, माता सीता व हनुमान प्रकट हुए. छात्रों ने भगवान राम के साथ साथ उनके धनुष को भी शानदार तरीके से कैनवास पर उकेरा प्रखंड क्षेत्र में हर वर्ग के लोग राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर पूजा अर्चना करने व दीपोत्सव मनाने की तैयारी में जुटा है. विद्यालय परिवार भी इस उत्सव का हिस्सा बना कैनवास पर अभिव्यक्ति के लिए विद्यार्थी मचल उठे कोमल हाथों से कैनवास पर आड़े तिरछे इस तरह लकीर खींचते और मिटाते रहे कि भगवान राम प्रकट हो गए.

शहादत दिवस पर शेख भिखारी को श्रद्धांजलि

लोहरदगा। शहादत दिवस पर स्वाधीनता संग्राम के अमर शहीद शेखभिखारी को यहां हिरही चौक मन्हो के शहीद स्मारक स्थल पर पहुंच कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी. आजसू पार्टी की केंद्रीय महासचिव सह लोहरदगा विधानसभा प्रभारी नीरू शांति भगत ने स्मारक स्थल पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया. उन्होंने शहीद शेख भिखारी जी को याद करते हुए कहा कि आज हम सबों को उनके आदर्शों पर चलकर समाज को एक नई दिशा देनी होगी. इस मौके पर आजसू पार्टी के जिला प्रधान सचिव विलियम कुजूर, आजसू पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष शाहिद अंसारी, आजसू के वरिष्ठ नेता इकरामुल अंसारी, आजसू नगर कमेटी के उपाध्यक्ष तौहीद कुरेशी, गुड्डू खान, ओबीसी जिला मोर्चा के अध्यक्ष नरेश साहू, मनोज गुप्ता मन्ना, इबरार अंसारी ,तबारक अंसारी, मुस्तफा खलीफा, हफीजुल अंसारी ,मेराज अंसारी सहित सैकडो ग्रामीण उपस्थित थे।

न्याय की आस डेढ़ दशक पूर्व महेंद्र सिंह, रमेश मुंडा और सुनील महतो की नक्सलियों ने कर दी थी हत्या

झारखंड के तीन बड़े राजनेता के हत्या आरोपियों को अबतक नहीं मिल पायी सजा

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड के तीन बड़े राजनेता के हत्या हुए डेढ़ दशक से ज्यादा समय बीत गये. लेकिन अब तक इन हत्या आरोपियों को सजा नहीं मिल पायी है. इन राजनेताओं में तमाड़ के तत्कालीन विधायक रमेश सिंह मुंडा, जमशेदपुर के तत्कालीन सांसद सुनील महतो और बगोदर के तत्कालीन विधायक महेंद्र सिंह शामिल हैं. इन सभी राजनेताओं की हत्या नक्सलियों ने की थी. तीनों हत्या मामलों की जांच सीबीआई, एनआईए जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियां कर रही हैं.

महेंद्र सिंह हत्याकांड की सीबीआई कर रही जांच : गौरतलब है कि बगोदर के तत्कालीन विधायक महेंद्र सिंह की 16 जनवरी 2005 को नक्सलियों ने हत्या कर दी थी. जब वो चुनावी दौरे के क्रम में सरिया थाना क्षेत्र के दुर्गी धवैया से लौट रहे थे. 27 फरवरी 2005 को इस हत्याकांड की जांच सीबीआई लखनऊ क्राइम ब्रांच ने शुरू की.

सीबीआई ने 22 दिसंबर 2009 को पहली चार्जशीट दायर की. 16 दिन बाद यानी सात जनवरी 2010 को सीबीआई टीम ने इस मामले में दूसरी चार्जशीट दायर की. 19 सितंबर 2011 को इस मामले में सीबीआई के विशेष कोर्ट में आरोप गठन हुआ. इसके बाद ट्रायल शुरू हुआ. अभी गवाही की प्रक्रिया चल रही है.

सांसद सुनील महतो हत्या मामले में भी सीबीआई जांच अधूरी

जमशेदपुर के पूर्व सांसद सुनील महतो को 4 मार्च 2007 की शाम (होली के दिन) नक्सलियों ने घाटशिला के बाघुड़िया गांव में गोली मारकर हत्या कर दी थी. इस हत्याकांड के 15 साल बाद भी सीबीआई जांच पूरी नहीं हो पायी है. हत्या का सूत्रधार कौन है, सीबीआई अब तक उस तक नहीं पहुंच पायी है. हत्या के पीछे राजनीतिक साजिश थी या नक्सलियों को सुपारी किलर की तरह उपयोग किया गया, इन सभी बिंदुओं की जांच सीबीआई कर चुकी है. कुछ लोगों से कई राउंड की पूछताछ भी हो चुकी है, लेकिन नतीजा कुछ सामने नहीं आया. गौरतलब है कि इस हत्याकांड में शामिल नक्सली विकास महतो को डुमरिया के भीतर आमदा ग्रामीणों ने जहर खिलाकर मार डाला था. उसके पास से सांसद के बॉडीगार्ड से लूटी गयी इंसास राइफल भी बरामद हुई थी. जबकि हत्या में शामिल नक्सली राहुल उर्फ रंजीत पाल बंगाल पुलिस के समक्ष सरेंडर कर चुका है. लेकिन राहुल उर्फ रंजीत पाल को सीबीआई ने पूछताछ के लिए रिमांड पर नहीं लिया.

एनआईए कर रही जांच

बुंडू के एसएस हाई स्कूल में नौ जुलाई 2008 को एक समारोह के दौरान तमाड़ के तत्कालीन विधायक रमेश सिंह मुंडा सहित चार लोगों की हत्या कर दी गयी थी. इसके बाद रांची पुलिस ने कुछ दिनों तक पूरे मामलों की जांच की. बाद में यह मामला सीआईडी को ट्रांसफर कर दिया गया था. जिसके बाद एनआईए ने 28 जून 2017 को उक्त मामले को टेकओवर कर कांड संख्या 11/2017 दर्ज किया. जिसमें प्राथमिकी दर्ज कर राष्ट्रीय जांच एजेंसी पूरे मामले की पड़ताल कर रही है. इस मामले में एनआईए तीन अप्रैल 2018 को पूर्व मंत्री राजा पीटर, कुख्यात नक्सली कुंदन पाहन व विधायक के अंगरक्षक शेष नाथ खरवार सहित 15 अभियुक्तों पर चार्जशीट दाखिल की थी.

नहीं रहे सेवानिवृत्त प्राध्यापक सह वरिष्ठ पत्रकार डॉ. शैलेश

संवाददाता। हजारीबाग

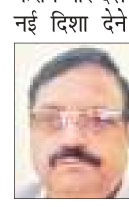

करीब चार दशक तक पत्रकारिता को नई दिशा देने वाले विनोबा भावे विश्व विद्याल य हजारीबाग से कामर्स संकाय से सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. शैलेश शर्मा नहीं रहे. उन्होंने मेदांता अस्पताल नई दिल्ली में 18 जनवरी की अहले सुबह करीब तीन बजे आखिरी सांस ली. उनके आकस्मिक निधन पर झील परिसर स्थित प्रेस क्लब हजारीबाग में शोकसभा आयोजित की गई. पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और परिजनों को दुःख सहने की क्षमता प्रदान करने की ईश्वर से कामना की. सभी पत्रकारों ने उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया. प्रेस क्लब हजारीबाग के अध्यक्ष उमेश प्रताप उन्हें अभिभावक, मार्गदर्शक बताते हुए उनके साथ गुजारे लंबे पल को याद कर भावुक हो गए. उन्होंने कहा कि उनके निधन से पत्रकारिता जगत में जो शून्यता आयी हैं, उसकी भरपाई आसान नहीं है. श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए क्लब के सचिव मिथिलेश मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार सह विभावि के सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. प्रसन्न मिश्र, कोषाध्यक्ष अमरनाथ पाठक, कार्यकारिणी सदस्य बबलू कुमार, विजय पांडेय, अधिवक्ता सह पत्रकार अमित मिश्रा, अनवर फिदवी, आरिफ, मंटू कुमार पांडेय समेत कई पत्रकारों ने गहरी संवेदना जताई.

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : पहले दौर में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारत के सुमित नागल दूसरे दौर में हारे

सुमित नागल का सफर थमा, बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी दूसरे दौर में

भाषा । मेलबर्न

भारत के सुमित नागल का शानदार सफर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में चीन के जुनचेंग शांग के हाथों गुरुवार को मिली हार के साथ समाप्त हो गया. वहीं बोपन्ना व एबडेन की जोड़ी दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रही. नागल ने पहले दौर के मुकाबले में शीर्ष 30 में शामिल खिलाड़ी को पराजित किया था और गुरुवार को भी आक्रामक अंदाज में शुरूआत की लेकिन वह दो घंटे 50 मिनट तक चले मुकाबले में 18 साल के वाइल्डकार्ड से प्रवेश करने वाले शांग से 2-6 6-3 7-5 6-4 से हार गये. शांग ने तीसरे सेट के बाद से अच्छी सर्विस की और मैच में 'बैकहैंड बॉल्स' से परेशानी के बावजूद जीत हासिल की. इसके बावजूद 26 वर्षीय नागल मेलबर्न पार्क से खुशनुमा याद के साथ बाहर होंगे क्योंकि हरियाणा के झज्जर के इस खिलाड़ी ने पहले क्वालीफायर से मुख्य ड्रा में जगह बनायी और फिर दुनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर बुबलिक पर जीत हासिल की.

बोपन्ना-एबडेन ने डकवर्थ व पोलमैंस की जोड़ी को हराया : युगल ड्रॉ में भारतीय खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन ने शुरूआती सेट में 5-0 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जेम्स डकवर्थ और मार्क पोलमैंस की स्थानीय टीम को पराजित किया.

विजय सुंदर प्रशांत और अनिरूद्ध चंद्रशेखर की भारतीय जोड़ी को हंगरी के मार्टन फुक्सोविक्स और फैबियन मारोजसान की जोड़ी से 3-6 4-6 से हार झेलनी पड़ी. एन श्रीराम बालाजी और रोमानिया के विक्टर व्लाड कोर्निया शुक्रवार को अपना अभियान इटली के माटियो अर्नाल्डी और आंद्रिया पेलेग्रिनो के खिलाफ शुरू करेंगे.

नागल को मिलेंगे करीब 95 लाख रुपये

नागल को ऑस्ट्रेलिया ओपन में अपने इस प्रदर्शन से 180,000 आस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 95 लाख रुपये) मिलेंगे. उनका 2024 टूर का ज्यादातर बजट इस राशि से पूरा हो जाना चाहिए.

18 साल के चीन के जुनचेंग शांग से हारे नागल

02 घंटे 50 मिनट तक चले मुकाबले में 2-6, 6-3, 7-5, 6-4 से हारे नागल

कार्लोस अल्कराज जीते

स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने इटली के लोरेंजो सोनेगो को 6-4, 6-7, 6-3, 7-6 से हराया

स्वियातेक ने कोलिंस को हराया

शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने तीसरे सेट में 4-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2022 की उपविजेता डेनियेले कोलिंस को 6- 4, 3- 6, 6-4 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश किया. स्वियातेक ने शुरूआत अच्छी की और पहला सेट जीत लिया लेकिन अमेरिका की कोलिंस ने दूसरा सेट जीतकर वापसी की. वह तीसरे सेट में भी आगे थी लेकिन स्वियातेक ने अपना सारा अनुभव लगाकर उस पर विराम लगाया. स्वियातेक ने पहले दौर में 2020 ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सोफिया केनिन को हराया था जबकि कोलिंस ने 2016 की विजेता एंजेलिक कर्बर को मात दी थी.

ब्रीफ खबरें

खिलाड़ियों को नहीं होगी परेशानी: आईओए

नयी दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने गुरुवार को बीते अनुभव से सीख लेने का दावा किया और कहा कि आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए कई व्यवस्थायें की गई है ताकि उन्हें बड़े टूर्नामेंट के दौरान 'लॉजिस्टिक' चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़े. इन उपायों में खिलाड़ियों विशेषकर गोल्फरों की रहने की व्यवस्था शामिल हैं. इनमें खेल गांव में भारतीय खिलाड़ियों की जरूरत के हिसाब से 'रिहैब' उपकरण लगाना और पेरिस जाने वाले खिलाड़ियों को मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए विशेषज्ञों को रखना भी शामिल है.

भारत ए पर इंग्लैंड लायंस का पलड़ा भारी

अहमदाबाद । रजत पाटीदार के नाबाद शतक के बावजूद इंग्लैंड लायंस ने पहले अनधिकृत टेस्ट के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को भारत ए पर शिकंजा कस लिया. पाटीदार ने 132 गेंद में 18 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 140 रन बनाये लेकिन भारत ए टीम दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर आठ विकेट पर 215 रन ही बना सकी. इंग्लैंड लायंस ने पहली पारी आठ विकेट पर 553 रन पर घोषित की थी. भारत ए अभी भी 338 रन से पीछे है. तेज गेंदबाज मैथ्यू फिशर ने इंग्लैंड के लिये चार विकेट लिये जबकि मैथ्यू पॉट और कैलम पार्किंसन को दो दो विकेट मिले.

एमैच्योर्स गोल्फ में 7वें स्थान पर अवनि

मेलबर्न । भारत की अवनि पार्श्वनाथ ने दो डबल बोगी से उबरकर पांच बर्डी लगाये लेकिन आखिर में एक बोगी के साथ ऑस्ट्रेलियाई एमैच्योर गोल्फ चैंपियनशिप के तीसरे दौर के बाद संयुक्त सातवें स्थान पर रही. अवनि ने लगातार दूसरी बार दो ओवर 75 स्कोर किया. विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर काबिज अवनि का कुल स्कोर तीन ओवर 222 है. महिला वर्ग में एमेलिया हैरिस पांच अंडर 68 के स्कोर के साथ शीर्ष पर है. जापान की मामिका शिंची दूसरे स्थान पर है. भारत की हीना कांग कट में प्रवेश से चूक गई.

क्रिकेट : अंडर-19 विश्व कप की शुरुआत आज से

ऊंची उड़ान भरने को आतुर है भारत की युवा ब्रिगेड

11 फरवरी को होगा फाइनल मुकाबला

भाषा । ब्लोमफोंटन

क्रिकेट को भविष्य के सितारे देने वाला अंडर-19 विश्व कप शुक्रवार से जब यहां शुरू होगा तो कइयों के मुस्तकबिल बनेंगे और कई ख्वाब हकीकत का रूप लेंगे जबकि विरोधी टीमों का जोर पांच बार के चैंपियन भारत का दबदबा तोड़ने पर होगा. यह सर्वविदित है कि अंडर-19 विश्व कप ने ही क्रिकेट जगत को कई भावी सितारे दिये हैं. युवराज सिंह 2000 में, रोहित शर्मा 2006 में, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा 2008 में, ऋषभ पंत और ईशान किशन 2016 में और शुभमन गिल 2018 में इसी टूर्नामेंट से चमके. लेकिन कई ऐसे भी हैं जो जूनियर स्तर की सफलता को सीनियर स्तर पर दोहरा नहीं सके जिनमें उन्मुक्त चंद, रविकांत शुक्ला, मनीष पांडे, यश धुल और कमलेश नागरकोटी शामिल हैं. सभी की नजरें भारतीय टीम पर लगी होंगी जिसके कप्तान पंजाब के उदय सहारन हैं. भारत को शनिवार को पहले मैच में बांग्लादेश से खेलना है. ग्रुप ए में भारत और बांग्लादेश के अलावा अमेरिका और आयरलैंड भी है. यह टूर्नामेंट 11 फरवरी तक चलेगा जब बेनोनी में फाइनल खेला जायेगा.

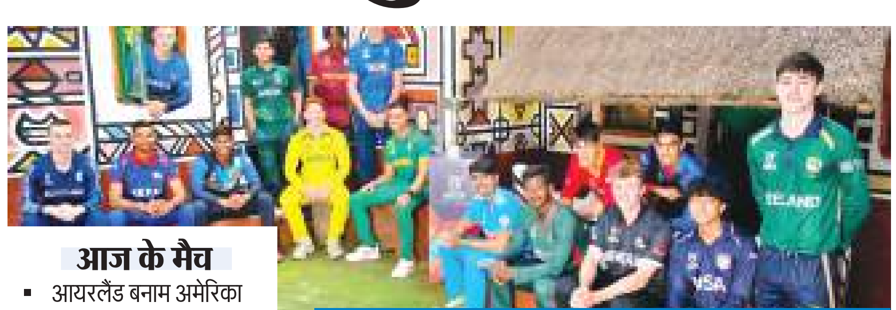

आज के मैच

- आयरलैंड बनाम अमेरिका
- वेस्टइंडीज बनाम द. अफ्रीका

खास बातें

- पंजाब के उदय सहारन होंगे भारतीय टीम के कप्तान
- शनिवार को बांग्लादेश से पहला मैच खेलेगा भारत

भारतीय टीम राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में कई शिविरों के बाद यहां आई है और इसने दो ही टूर्नामेंट (एशिया कप और दक्षिण अफ्रीका में त्रिकोणीय श्रृंखला) खेले हैं. एशिया कप में भारत सेमीफाइनल में हार गया जिसमें बांग्लादेश ने उसे चार विकेट से मात दी. उसके बाद हालांकि दक्षिण अफ्रीका में त्रिकोणीय श्रृंखला भारत ने अपराजेय रहकर जीती जिसमें अफगानिस्तान तीसरी टीम थी. फाइनल बारिश की भेंट होने से भारत और दक्षिण अफ्रीका संयुक्त विजेता रहे.

भारत ने सर्वाधिक बार जीता है अंडर-19 विश्व कप

भारतीय टीम ने सर्वाधिक पांच बार अंडर-19 विश्व कप का खिताभ जीता है. भारत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा तीन और पाकिस्तान ने दो बार अंडर 19 विश्व कप जीता है. बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड एक एक बार विजयी रहे . भारतीय टीम में अर्शिन कुलकर्णी भी हैं जो आईपीएल में अनुबंध पाने वाले इस टीम के दो खिलाड़ियों में से हैं. महाराष्ट्र प्रीमियर लीग की खोज अर्शिन ने टूर्नामेंट में नौ छक्के लगाये थे. वहीं चेन्नई सुपर किंग्स ने अरावेली अश्विन के साथ करार किया है जिसने नवंबर में चार देशों की श्रृंखला में 93 गेंद में 163 रन बनाये थे. पिछले साल कूच बेहार ट्रॉफी में प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रहे मुशीर खान और कप्तान उदय सहारन पर भी नजरे होंगी. गेंदबाज राज लिम्बानी ने हाल ही में नेपाल के खिलाफ सात विकेट लिये थे.

चार ग्रुप में बांटी गयी हैं 16 टीमें

सोलह टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है और हर ग्रुप से शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स में पहुंचेंगी जिसमें 12 टीमों को दो पूल में बांटा जायेगा. इनसे शीर्ष दो दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी जो बेनोनी में ही छह और आठ फरवरी को होगा.

- **ग्रुप ए :** बांग्लादेश, भारत, आयरलैंड, अमेरिका
- **ग्रुप बी :** इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज
- **ग्रुप सी :** ऑस्ट्रेलिया, नामीबिया, श्रीलंका, जिम्बाब्वे
- **ग्रुप डी :** अफगानिस्तान, नेपाल, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान

एसजीएफआई अंडर-14 फुटबॉल

झारखंड ने चंडीगढ़ को 11-0 से हराया

खेल संवाददाता । रांची

झारखंड की मेजबानी में आयोजित 67वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता 2023-24 के अंतर्गत अंडर-14 बालक-बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता के लीग मुकाबले रांची के खेलगांव स्थित बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम, मोरहाबादी के मंदिर मैदान और फुटबॉल स्टेडियम में खेले गए. झारखंड और चंडीगढ़ के बीच शुक्रवार को खेले गए मैच में झारखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चंड़ीगढ़ 11-0 से हराया. वहीं बालिक वर्ग में झारखंड को बिहार के हाथों हार का सामना करना पड़ा. झारखंड की टीम को बिहार ने 6 गोल से हराया. एक अन्य मुकाबले में कर्नाटक ने आईपीएससी बालिक टीम को 7-1 से हराया. वहीं मणिपुर और कर्नाटक के बीच खेले गए मुकाबले में मणिपुर ने 4-1 से जीत दर्ज की. उत्तराखंड और केंद्रीय विद्यालय के बीच खेले गए मैच में उत्तराखंड की टीम ने केंद्रीय विद्यालय की टीम को 4-0 से शिकस्त दी.

मोहन बागान औक ईस्ट बंगाल के बीच मुकाबला आज

भुवनेश्वर । मोहन बागान सुपर जाइंट्स और ईस्ट बंगाल सुपर कप फुटबॉल के मैच में शुक्रवार को आमने सामने होंगे तो नजरें सेमीफाइनल में जगह बनाने पर लगी होंगी. दोनों के ग्रुप ए में छह छह अंक है और गोल औसत भी प्लस दो का है लेकिन ईस्ट बंगाल ने ज्यादा गोल दागे हैं. ईस्ट बंगाल के कोच कार्लेस कुआद्रात ने मैच से पूर्व कहा कि दोनों टीमें काफी उत्साहित हैं. हमें पता है कि फुटबॉल में ड्रॉ के लिये खेलने पर आप हार जाते हैं. हम जीत के लिये ही खेलेंगे. दोनों टीमों को उन भारतीय खिलाड़ियों की कमी खलेगी जो एएफसी एशियाई कप में राष्ट्रीय टीम का हिस्सा हैं. इस सत्र में दोनों टीमों के बीच यह तीसरा मुकाबला होगा.ईस्ट बंगाल ने डूरंड कप में मोहन बागान को 1-0 से हराया था.

वॉर्नर, बोल्ट, ब्रावो खेलेंगे अंतरराष्ट्रीय लीग टी-20

आज शारजाह व गल्फ जाइंट्स के बीच होगा मुकाबला

- 34 मैच खेले जाएंगे टूर्नामेंट में
- 17 फरवरी को खेला जाएगा फाइनल

भाषा । नयी दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर, न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट और वेस्टइंडीज के डेरेन ब्रावो समेत कई बड़े खिलाड़ी यहां शुक्रवार से शुरू हो रही छह टीमों की डीपी विश्व इंटरनेशनल लीग टी-20 के दूसरे सत्र में भाग लेंगे. टूर्नामेंट में 34 मैच खेले जायेंगे और फाइनल 17 फरवरी को दुबई में होगा. दुबई में 15, अबुधाबी में 11 और शारजाह में आठ मैच खेले जायेंगे. भारत के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने भी मुंबई इंडियंस अमीरात के साथ करार किया है. मुंबई अमीरात (रिलायंस इंडस्ट्रीज) के अलावा अन्य टीमों में अबुधाबी नाइट राइडर्स (कोलकाता नाइट राइडर्स), डेजर्ट वाइपर्स (लांसर कैपिटल), दुबई कैपिटल्स (जीएमआर), गल्फ जाइंट्स (अडानी स्पोर्टर्सलाइन) और शारजाह वारियर्स (कैप्री ग्लोबल) शामिल है. वॉर्नर, बोल्टऔर ब्रावो के साथ इसमें सुनील नारायण, आंद्रे रसेल, कोरी एंडरसन, दासुन शनाका, रहमानुल्लाह गुरबाज, सैम बिलिंग्स, क्रिस वोक्स और मार्टिन गुप्टिल भी खेलेंगे. टूर्नामेंट जी के 10 चैनलों (एंड पिक्चर्स, जी सिनेमा, जी अनमोल सिनेमा, जी जेस्ट, जी गंगा, जी सिनमालु, एंड फ्लिक्स आदि) पर दिखाया जायेगा. पहला सत्र गल्फ जाइंट्स ने जीता था.

इंडिया ओपन : वितिदसार्न उलटफेर का शिकार

आन से यंग क्वार्टर फाइनल में

भाषा । नयी दिल्ली

विश्व चैंपियन और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग ने गुरुवार को यहां तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में जीत के साथ इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया लेकिन पुरुष एकल में विश्व चैंपियन कुनलावुत वितिदसार्न उलटफेर का शिकार होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए. एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता दक्षिण कोरिया की आन से यंग ने अमेरिका की 2018 की चैंपियन बेइवेन झैंग को दूसरे दौर के मुकाबले में 21-19, 14-21, 21-14 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया. वितिदसार्न को पहला गेम जीतने के बावजूद हांगकांग के ली च्युक यियू के खिलाफ बेहद कड़े मुकाबले में 21-16, 20-22, 21-23 से हार का सामना करना पड़ा.

- आन से यंग ने बेइवेन झैंग को हराया
- ली च्युक यियू से हारकर बाहर हुए वितिदसार्न

क्वाफा में प्रियांशु, सात्विक-चिराग भी जीते

- क्वार्टर फाइनल में प्रणय की भिड़ंत चीनी ताइपे के वैंग जू वेई और उनके हमवतन सू ली यैंग के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगी

भाषा । नयी दिल्ली

विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय ने गुरुवार को यहां पहला गेम गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए हमवतन भारतीय प्रियांशु राजावत को हराकर इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दूसरी वरीय पुरुष युगल जोड़ी भी आसान जीत के साथ अंतिम आठ में प्रवेश करने में सफल रही. दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने अपने अनुभव का पूरा फायदा उठाते हुए दुनिया के 30वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशु को दूसरे दौर के मुकाबले में एक घंटा और 16 मिनट में 20-22, 21-14, 21-14 से हराया. क्वार्टर फाइनल में प्रणय की भिड़ंत चीनी ताइपे के वैंग जू वेई और उनके हमवतन सू ली यैंग के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगी. एशियाई खेलों की चैंपियन सात्विक और चिराग की दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी ने ल्यु चिंग याओ और यैंग पो हान की चीनी ताइपे की दुनिया की 25वें नंबर की जोड़ी के खिलाफ सीधे गेम में 21-14, 21-15 से जीत दर्ज की.

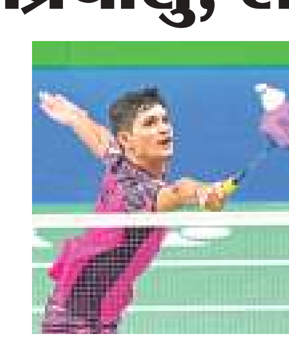

सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए सात्विक और चिराग की भिड़ंत किम एस्ट्रूप और एंडर्स स्कारूप रासमुसेन की डेनमार्क की पांचवीं वरीय जोड़ी से होगी जिन्होंने चेन बो चैंग और ल्यु यी की चीन की जोड़ी को कड़े मुकाबले में 13-21, 22-20, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया.

क्रिकेट भारत के मुख्य कोच ने अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में मिली जीत पर जाहिर की खुशी

टी-20 विश्व कप से पहले कई विकल्प का होना अच्छा है : द्रविड़

भाषा । बेंगलुरू

भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में 3-0 से मिली जीत पर प्रसन्नता जताई है, क्योंकि कि कई युवा खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन से टीम को जून में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिये कई विकल्प मिल गए हैं. भारत ने पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद 11 टी-20 खेले हैं. कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिये जाने के कारण टीम प्रबंधन को जितेश शर्मा और शिवम दुबे जैसे युवा खिलाड़ियों को आजमाने का मौका मिला. द्रविड़ ने कहा कि वनडे विश्व कप के बाद अलग अलग खिलाड़ियों ने खेला है. इसके कई कारण रहे लेकिन यह अच्छा है कि विश्व कप से पहले हमारे पास विकल्प है. उन्होंने कहा कि हमे कुछ पहलुओं पर काम करना होगा और इस पर विचार कर रहे हैं . जून में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले यह इस प्रारूप में भारत का आखिरी मैच था. द्रविड़ ने कहा कि एक टीम के रूप में अब हमें उतने मैच नहीं खेलने हैं.आईपीएल है और इन खिलाड़ियों पर सभी की नजरें होंगी.

खास बातें

- भारतीय टीम ने 3-0 से जीती थी टी-20 श्रृंखला
- जून में टी-20 विश्व कप की होगी शुरुआत

रिटायर्ड हर्ट या रिटायर्ड आउट, रोहित ने दिखाई जबर्दस्त सूझबूझ

अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे और आखिरी टी-20 मैच में पहले सुपर ओवर की आखिरी गेंद से पहले जब भारतीय कप्तान पवेलियन लौटे तो सभी के जेहन में यह सवाल था कि रोहित रिटायर्ड हर्ट हुए हैं या रिटायर्ड आउट. दरसल ने रोहित ने जबर्दस्त सूझबूझ और टीम भावना का प्रदर्शन किया. भारत को मैच जीतने के लिये आखिरी गेंद पर दो रन चाहिये थे और वह चाहते थे कि विकेटों के बीच दौड़ में बेहतर रिंकू सिंह मैदान पर आयें. दूसरे सुपर ओवर में रोहित फिर रिंकू के साथ पारी का आगाज करने उतरे. नियमों के अनुसार एक बल्लेबाज रिटायर्ड आउट हो जाये तो दूसरे सुपर ओवर में वह दोबारा बल्लेबाजी के लिये नहीं आ सकता. ऐसे में रोहित दूसरे सुपर ओवर में बल्लेबाजी के लिये कैसे उतरे. एक मैच अधिकारी ने बाद में बताया कि विरोधी कप्तान या कोच को कोई ऐतराज नहीं हो तो बल्लेबाज दूसरे सुपर ओवर में फिर आ सकता है.

टी-20 विश्व कप टीम आठ-दस खिलाड़ियों का स्थान पक्का: रोहित

जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये भारत की टीम अभी तक तय नहीं है लेकिन कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि उन्हें दस खिलाड़ी पता है जो उस टीम का हिस्सा होंगे. रोहित ने कहा कि कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ी विश्व कप टीम में शायद जगह नहीं बना सकें लेकिन पेशेवर खेल में ऐसा होता है. उन्होंने कहा कि जब हम वनडे विश्व कप खेल रहे थे तब हमने टी-20 में कई लड़कों को आजमाया. उन्होंने अच्छा भी खेला लेकिन टीम की घोषणा हुई तो कुछ बाहर रह गए. उनके लिये यह निराशाजनक था लेकिन हमारा काम टीम के सामने हर चीज स्पष्ट रखना है.

गोल्फ :

स्नेहा ने डब्ल्यूपीजीटी के दूसरे चरण का खिताब जीता

भाषा । मुंबई

स्नेहा सिंह ने गुरुवार को यहां हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के दूसरे चरण के अंतिम दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्र का अपना पहला खिताब जीता. पिछले साल हीरो ऑर्डर ऑफ मेरिट की विजेता रहीं स्नेहा ने अंतिम दौर की शुरूआत ईगल से की और समापन भी ईगल से. इससे उन्होंने सात अंडर 63 का कार्ड खेला. स्नेहा ने इस तरह बीती रात शीर्ष पर चल रही हिताशी बख्शी (68) को एक शॉट से पछाड़कर खिताब जीता. स्नेहा बीती रात हिताशी से चार शॉट पीछे चल रही थीं.

स्नेहा (68, 73, 63) का कुल स्कोर छह अंडर 204 का रहा. हिताशी सत्र के दूसरे चरण में फिर उप विजेता रहीं, उनका कुल स्कोर पांच अंडर 205 का रहा. रिद्धिमा दिलावड़ी दो अंडर 68 के कार्ड से तीसरे स्थान पर रहीं.

- स्नेहा सिंह ने इस सत्र में अपना पहला खिताब जीता
- स्नेहा सिंह ने अंतिम दौर की शुरूआत ईगल से की और समापन भी ईगल से किया

नयी दिल्ली में गुरुवार को आगामी 26 जनवरी को होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह का पूर्वाभ्यास किया गया. इसमें सेना के जवानों ने हैरतअंगेज प्रदर्शन किया. लोक कलाकारों ने नृत्य की प्रस्तुति दी और सैनिकों ने मार्चपास्ट भी किया. फोटो : पीटीआई

ब्रीफ खबरें

हुती विद्रोहियों के ठिकानों पर बरसाई मिसाइलें

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने यमन में हुती विद्रोहियों के कब्जे वाले स्थानों पर बुधवार को मिसाइलें बरसाईं. अमेरिकी ने यह जानकारी दी. प. एशिया में इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध के मध्य में यमन के हुती विद्रोहियों पर अमेरिकी सेना की ओर से किया गया यह चौथा ऐसा हमला है. गत शुक्रवार को भी अमेरिकी व ब्रिटेन के युद्धपोतों व युद्धक विमानों ने यमन में हुती विद्रोहियों के इस्तेमाल किए जाने वाले 60 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया था.

हत्या मामले में गवाह ने यासिन को पहचाना

जम्मू। जेकेएलएफ के प्रमुख यासीन मलिक ने अपना 'फेरन' उठाकर हथियार निकाला और भारतीय वायुसेना कर्मियों के एक समूह पर गोलियां चला दीं. एक प्रत्यक्षदर्शी ने गुरुवार को सीबीआई की विशेष अदालत के समक्ष यह गवाही दी और बताया कि 25 जनवरी 1990 को श्रीनगर में क्या हुआ था. हमले में वायु सेना के चार कर्मियों की मौत हो गयी थी. वायु सेना के पूर्व कर्मी राजवार उमेश्वर सिंह आतंकी हमले में बच गए थे.

मंदिर निर्माण के बाद दर्शन करुंगा : दिग्विजय

सतना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा है कि यूपी के अयोध्या में मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद वह भगवान राम के दर्शन के लिए वहां जाएंगे. अयोध्या में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए उनकी पार्टी द्वारा निमंत्रण को अस्वीकार करने के कुछ दिनों बाद उन्होंने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में ऐसा कहा. कांग्रेस ने भाजपा-आरएसएस पर चुनावी लाभ के लिए इसे राजनीतिक परियोजना बनाने का आरोप लगाया है.

जयपुर के एक होटल में तेंदुआ घुसा

जयपुर। जयपुर के एक हेरिटेज होटल में गुरुवार सुबह कर्मचारियों के एक कमरे में तेंदुआ घुस गया जिसके बाद वन विभाग और स्थानीय चिड़ियाघर की टीम ने उसे बेहोश कर सुरक्षित बाहर निकाल लिया. होटल प्रशासन की ओर से वन विभाग को इस बारे में सूचित किया गया था. होटल के प्रवक्ता ने बताया कि तेंदुआ सुबह होटल के प्रवेश द्वार से स्टाफ के कमरे जा घुसा. तेंदुआ डरा हुआ प्रतीत हो रहा था और उसने किसी पर हमला नहीं किया.

नाइजीरिया में भीषण विस्फोट, 3 की मौत

अबुजा। नाइजीरिया के दक्षिण-पश्चिमी राज्य ओयो के घनी आबादी वाले शहर इबादान में हुए विस्फोटों में तीन लोगों की मौत हो गई और 77 अन्य घायल हो गए. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. विस्फोट के बाद मलबे के नीचे लोगों के फंसे होने की आशंका है और उन्हें निकालने के लिए बचावकर्मी अभियान चला रहे हैं. अधिकारियों ने बताया कि इबादान में मंगलवार देर शाम करीब पौने आठ बजे एक जोरदार धमाका हुआ.

पाकिस्तान ने हमले के 24 घंटे के अंदर ईरान को दिया करारा जवाब

पाकिस्तान ने भी की एयरस्ट्राइक

एजेंसी। लाहौर

पाकिस्तान ने एयर स्ट्राइक का जवाब एयर स्ट्राइक से दिया है. हमले के 24 घंटे के अंदर पाकिस्तान ने ईरान में कई आंतकी ठिकानों पर हमला किया है. पाकिस्तान का दावा है कि वायुसेना ने बुधवार रात पूर्वी ईरान में सरवन शहर के पास बलूच आतंकवादी समूह (बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और बलूचिस्तान लिबरेशन फोर्स (बीएलएफ)) पर कई हवाई हमले किये हैं. ये बलूच आतंकवादी समूह ईरान में रहकर पाकिस्तान के खिलाफ साजिश रचते हैं और हमले करते हैं. पाकिस्तान का दावा है कि ईरान इस तरह के संगठनों को आश्रय देकर उनकी मदद करता है. हालांकि ईरान इसका हमेशा खंडन करता है. बता दें कि ईरान ने बीते मंगलवार को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में आतंकी संगठन जैश अल अदल के ठिकानों पर हमला किया था. इस एयर स्ट्राइक में दो बच्चों की मौत हुई थी. वहीं इस एयर स्ट्राइक में कई लोग घायल भी हुए थे. इस हमले से कई घरों को नुकसान पहुंचा था. मिली जानकारी के अनुसार, ईरान ने जैश अल अदल के बलूचिस्तान स्थित ठिकानों पर हमला किया था.

पाक के आतंकी संगठन जैश अल अदल के ठिकानों पर ईरान ने किया था हमला

ईरान के प्रभारी राजदूत को किया तलब : ईरान के हमले के बाद पाकिस्तान ने अपनी भड़ास निकाली थी. पाकिस्तान ने ईरान के इस कृत्य को उसके 'हवाई क्षेत्र का अकारण उल्लंघन' बताते हुए कड़ी निंदा की थी. बयान में कहा कि ईरान ने पाकिस्तानी क्षेत्र के अंदर हमला किया है. इसकी हम कड़ी निंदा करते हैं. यह पूरी तरह से पाकिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन है. यह घटना अस्वीकार्य है. पाकिस्तान ने चेतावनी दी कि इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं. पाकिस्तान ने ईरान के प्रभारी राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब किया था.

बलूच करते हैं पाकिस्तान का विरोध

दरअसल बलूचिस्तान की सीमा उत्तर में अफगानिस्तान और पश्चिम में ईरान से सटी हुई है. बलूचिस्तान हमेशा से ही खनिज संसाधानों से संपन्न प्रांत रहा है. इस इलाके से पाकिस्तान खनिज संसाधनों का दोहन करता था. जिसका बलूच नागरिक विरोध करते थे. इसके बाद पाकिस्तान ने चीन को इसकी अनुमति दे दी. जिसका विरोध और बढ़ गया है. इसी विरोध के कारण बीएलए और बीएलएफ जैसे संगठन पाकिस्तानी सैन्य बलों तथा चीनी सैनिकों को निशाना बनाता रहे हैं.

पाकिस्तान से आतंकी गतिविधियों को अंजाम देता जैश अल अदल

जैश अल-अदल सुन्नी आतंकवादी संगठन है, जो मुख्यत: पाकिस्तान बॉर्डर पर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देता है. यह आतंकवादी संगठन 2012 में बना है. यह संगठन ईरान के अंदर लगातार हमले करता रहा है. कई बार ईरानी बॉर्डर पुलिस की किडनैपिंग भी की है. जैश अल अदल को ईरान में जैश अल धुल्म के नाम से भी जाना जाता है.

दोनों देशों के नेताओं के मुलाकात के कुछ देर बाद किया था हमला

बता दें कि स्विटजरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का आयोजन किया गया था. जिसमें ईरानी के विदेश मंत्री अमीर अब्दुल्लाह्यान और पाक के केयरटेकर पीएम अनवर उल हक काकर ने भी हिस्सा लिया था. दावोस में दोनों नेताओं ने मुलाकात की थी और आतंकवाद से निपटने को लेकर चर्चा की थी. दोनों नेताओं के मुलाकात के कुछ ही देर बाद ईरान ने पाकिस्तान पर हमला कर दिया.

थौबल में उग्रवादियों व सुरक्षा बलों में मुठभेड़, 3 जवान घायल

एजेंसी। इंफाल

मणिपुर के थौबल जिले में बुधवार देर रात उग्रवादियों व सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हो गयी. इस मुठभेड़ में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के तीन जवान घायल हो गये. घायल जवानों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है. मुठभेड़ के बाद जिला प्रशासन ने थौबल में कर्फ्यू लगा दिया है. घायलों में कांस्टेबल गौरव कुमार, एएसआई सोबराम सिंह और एएसआई रामजी शामिल हैं. इससे पहले बुधवार को ही राज्य में तेंगनोउपल जिले के सीमावर्ती शहर मोरेह में उग्रवादियों ने सुरक्षा बलों के एक वाहन पर हमला किया था. इस हमले में मणिपुर पुलिस के दो कमांडो शहीद हो गये थे.

पुलिस मुख्यालय में भी तोड़फोड़ व गोलीबारी की

जानकारी के अनुसार, उग्रवादियों ने बुधवार देर रात थौबल जिले के खंगाबोक में तीसरी भारतीय रिजर्व बटालियन को निशाना बनाया. वहीं थौबल पुलिस मुख्यालय में भी तोड़फोड़ और गोलीबारी की. सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए सभी को खदेड़ डाला. इस गोलाबारी में बीएसएफ के तीन जवान घायल हो गये. सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मुठभेड़ के बाद जिला प्रशासन ने थौबल में कर्फ्यू लगा दिया है. हालांकि स्वास्थ्य, मीडिया, अदालतों के कामकाज करने वाले, हवाई अड्डे पर जाने वाले सहित आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को इससे अलग रखा गया है.

प. बंगाल में ईडी की छापेमारी

भाषा। कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के स्कूलों में भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में कोलकाता और उसके आसपास सात स्थानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की. एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि घोटाले में कथित तौर पर 'बिचौलिए के रूप में काम करने वाले' लोगों के आवासों और कार्यालयों पर छापे मारे जा रहे हैं. ईडी के अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ये बिचौलिये धन इकट्ठा करते थे और इसे विभिन्न ठिकानों पर स्थानांतरित करते थे। हम उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए आवासों और कार्यालयों पर छापेमारी कर रहे हैं. बड़ी संख्या में केंद्रीय बलों के साथ, ईडी अधिकारियों ने कोलकाता के न्यू टाउन और नयाबाद में छापेमारी अभियान शुरू किया.

भारत जोड़ो न्याय यात्रा

कतार छोड़ राहुल से मिलने पहुंचीं महिलाएं

भाषा। जोरहाट

असम के जोरहाट जिले में गुरुवार को एक नयी सरकारी योजना के फॉर्म लेने के लिए एकत्र हुईं सैकड़ों ग्रामीण महिलाएं कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मिलने के लिए कतारों से बाहर निकल गईं. गांधी क्षेत्र में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का नेतृत्व कर रहे हैं. गांधी दोपहर में पड़ोसी शिवसागर जिले से मरियानी शहर पहुंचे और उन्होंने देखा कि सैकड़ों ग्रामीण महिलाएं योजना के लिए फॉर्म लेने के वास्ते नाकाचारी क्षेत्र में एक सरकारी केंद्र पर कतारों में खड़ी हैं.

गांधी के काफिले को गुजरते देख सभी महिलाएं अपनी कतारों से बाहर निकल आईं और कांग्रेस सांसद से मिलने के लिए सड़क की ओर दौड़ पड़ीं. जैसे ही काफिला रुका और गांधी बस से बाहर आए, कई महिलाएं उनकी ओर गईं और पैर छुए, लेकिन उन्होंने (गांधी ने) उन्हें ऐसा करने से रोकने की कोशिश की. इसके बाद महिलाओं ने उनके साथ तस्वीरें खिंचवाने का आग्रह किया जिस पर वह तुरंत सहमत हो गए. आगे बढ़ने से पहले गांधी ने उनके साथ कुछ समय बिताया और उनका हालचाल पूछा.

खास बातें

- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने वीडियो साझा किया
- सीएम के कार्यक्रम में आईम महिलाएं राहुल से मिलीं

गरीबी कम होने का आंकड़ा गलत : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने पिछले नौ साल में 24.82 करोड़ लोगों के बहुआयामी गरीबी से बाहर निकलने संबंधी आंकड़े को गलत करार देते हुए गुरुवार को कहा कि नीति आयोग का परिचर्चा पत्र वैश्विक मानकों से हटकर तैयार किया गया है. पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यह दावा भी किया कि सरकार ने 25 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज और दूसरी योजनाओं से वंचित करने की साजिश रची है. नीति आयोग के परिचर्चा पत्र के अनुसार, देश में बहुआयामी गरीबी 2013-14 में 29.17 प्रतिशत थी, जो 2022-23 में घटकर 11.28 प्रतिशत रही. इसके साथ इस अवधि के दौरान 24.82 करोड़ लोग इस श्रेणी से बाहर आये हैं. पीएम मोदी ने इस आंकड़े को उत्साहजनक करार दिया था.

वैश्विक दक्षिण और उत्तर के बीच पुल है भारत : स्मृति ईरानी

भाषा। दावोस

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने गुरुवार को कहा कि भारत खुद को वैश्विक दक्षिण और वैश्विक उत्तर के बीच एक पुल के रूप में देखता है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा भागीदार है जिस पर विस्तारित ब्रिक्स समूह के सभी सदस्य भरोसा कर सकते हैं. ईरानी ने विश्व व्यापार मंच की यहां चल रही सालाना बैठक में 'विस्तार में ब्रिक्स' विषय पर आयोजित एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को ब्रिक्स सहित विभिन्न वैश्विक मंचों पर समावेशी विकास और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की ताकत के लिए एक एजेंडा तय करने पर गर्व है. हम खुद को वैश्विक उत्तर और वैश्विक दक्षिण के बीच एक पुल के रूप में देखते हैं. ब्रिक्स समूह में पहले ब्राजील, रूस, भारत, चीन एवं द. अफ्रीका सदस्य थे, लेकिन पिछले साल इसमें सऊदी अरब, ईरान, इथियोपिया, मिस्र, अर्जेंटीना व यूएई को भी शामिल करने पर सहमति बनी थी.

खास बातें

- 'विस्तार में ब्रिक्स' विषय पर सत्र का आयोजन किया
- विश्व व्यापार मंच के कार्यक्रम में शामिल हुईं स्मृति ईरानी

अदन खाड़ी में वाणिज्यिक जहाज पर ड्रोन हमला

नयी दिल्ली। अदन की खाड़ी में मार्शल द्वीप के ध्वज वाले एक वाणिज्यिक जहाज पर बुधवार रात ड्रोन हमला हुआ, जिसके तुरंत बाद भारतीय नौसेना ने जवाबी कार्रवाई की. अधिकारियों ने बताया कि जहाज पर नौ भारतीयों सहित चालक दल के 22 सदस्य सवार थे. अधिकारियों ने बताया कि भारतीय नौसेना के मिसाइल विध्वंसक 'आईएनएस विशाखापत्तनम' ने 'जेनको पिकार्डी' जहाज से एक आपात संदेश मिलने के एक घंटे के भीतर जवाबी कार्रवाई की. वाणिज्यिक जहाज पर पोर्ट अदन से 60 समुद्री मील दक्षिण में हमला किया गया. उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना के ईओडी विशेषज्ञ जहाज का निरीक्षण करने के लिए गुरुवार सुबह उसपर गए.

सर्दी की मार उत्तर, पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में कोहरे के कारण रेल यातायात प्रभावित

कड़ाके की ठंड, शीतलहरी व घने कोहरे से थमी जिंदगी

भाषा। नयी दिल्ली

उत्तर और पूर्वोत्तर भारत में कुछ स्थानों पर घने कोहरे के कारण दृश्यता का स्तर शून्य रहा, जिससे रेल यातायात प्रभावित रहा. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों में दिखाई दिया कि बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में कोहरे में कुछ कमी आई है. वहीं पंजाब, हरियाणा, पश्चिम राजस्थान, बिहार, दिल्ली, पश्चिम उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा और असम के कुछ हिस्सों में 'घने' से 'बेहद घना' कोहरा छाया रहा. भारतीय रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली 18 रेलगाड़ियां छह घंटे तक की देरी से चल रही हैं. सुबह पांच बजकर 30 मिनट पर पटियाला, अमृतसर, अंबाला, हिसार, बीकानेर और पूर्णिया में दृश्यता का स्तर 25 मीटर और चुरू, गंगानगर, झांसी, रांची, पारादीप और लखीमपुर में 50 मीटर था. दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे के पास पालम वेधशाला में दृश्यता का स्तर 50 मीटर तक सीमित था. सुबह साढ़े आठ बजे तक यह सुधरकर 350 मीटर हो गया. उत्तर और पूर्वोत्तर भारत में सुबह-सुबह कोहरा छाए रहने के कारण पिछले एक पखवाड़े में सड़क, रेल और हवाई यातायात काफी प्रभावित रहा.

कश्मीर में ठंड का प्रकोप बढ़ा

श्रीनगर। कश्मीर में ज्यादातर स्थानों पर रात के तापमान में गिरावट आई है और एक दिन की राहत के बाद शीत लहर की स्थिति फिर से लौट आई है. अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि श्रीनगर शहर में बुधवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के मुकाबले शून्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस कम है. उन्होंने बताया कि काजीगुंड में तापमान शून्य से 4.2 डिग्री नीचे दर्ज किया गया, जबकि उत्तरी कश्मीर के गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट में तापमान शून्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया. दक्षिण कश्मीर में अनंतनाग जिले के पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 5.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया. अधिकारियों ने बताया कि कोकेरनाग शहर में न्यूनतम तापमान शून्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस नीचे और कुपवाड़ा में शून्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया. उन्होंने कहा कि कश्मीर में मौसम शुष्क बना हुआ है और बर्फबारी नहीं होने से रात में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है जबकि दिन अपेक्षाकृत गर्म हैं. श्रीनगर में दिन का तापमान साल के इस समय के सामान्य से आठ डिग्री अधिक है.

गुट निरपेक्ष आंदोलन के सम्मेलन में प्रतिनिधित्व करेंगे जयशंकर

भाषा। नयी दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर शुक्रवार से युगांडा की राजधानी कंपाला में होने वाले गुट निरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) के दो-दिवसीय शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे. विदेश मंत्रालय ने जयशंकर की युगांडा और नाइजीरिया- दोनों देशों की यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि भारत इस समूह के अग्रणी और संस्थापक सदस्यों में से एक के रूप में गुट निरपेक्ष आंदोलन के सिद्धांतों और मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध है. मंत्रालय ने कहा कि युगांडा के नेतृत्व में यह सम्मेलन 120 से अधिक विकासशील देशों को महत्वपूर्ण ऐतिहासिक महत्व वाले मंच पर एक साथ लाता है. विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन 21 और 22 जनवरी को कंपाला में होने वाले 'जी-77 तीसरे दक्षिण शिखर सम्मेलन' में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे. विदेश मंत्रालय ने कहा, विदेश मंत्री एस. जयशंकर 19 से 20 जनवरी को कंपाला में होने वाले गुट निरपेक्ष आंदोलन के 19वें शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे. शिखर सम्मेलन का विषय साझा वैश्विक समृद्धि के लिए गहन सहयोग है.

अयोध्या में राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह से पहले किए जा रहे श्री हनुमान 1008 कुंडीय महायज्ञ के दौरान भक्तों ने की कुंडों की परिक्रमा

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर तैयारी पूरी

सजी अयोध्या, कलाकृतियों से पटी सड़क

भाषा । अयोध्या

उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित नवनिर्मित राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह से ठीक पहले नगरी पूरी तरह सज-धजकर तैयार हो चुकी है और यहां भगवान राम तथा उनके धनुष एवं बाणों को चित्रित करने वाली कलाकृतियों से सुसज्जित फ्लाईओवर पर लगी स्ट्रीटलाइट और पारंपरिक 'रामानंदी तिलक' विषय पर आधारित डिजाइन वाले सजावटी लैंपपोस्ट चहुंओर छटा बिखेर रहे हैं. राम मंदिर में 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य गणमान्य हस्तियां उपस्थित रहेंगी. इस महासमारोह में महज चार दिन शेष हैं और अयोध्या की ओर जाने वाली सभी सड़कें धार्मिक भावनाओं में रंग गयी हैं. लखनऊ से अयोध्या जाने वाले राजमार्ग पर जब आप यात्रा करेंगे, तो जगह-जगह राम मंदिर के विशाल पोस्टर लगे हुए पाएंगे. इन पोस्टर पर

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की तिथि के साथ-साथ ''शुभ घड़ी आई, विराजे रघुराई'' जैसे नारे छपे हुए हैं और इस तरह के पोस्टर से अयोध्या की सड़कें भी अटी पड़ी हैं. राजमार्ग पर पड़ने वाले ज्यादातर होटल और ढाबों पर अयोध्या आने वाले भक्तों का स्वागत करते हुए बैनर लगे हुए दिखाई दिए, जिनपर भगवान राम की तस्वीर मौजूद थी. इनके अलावा भगवान राम की तस्वीर वाले भगवा झंडों के साथ नये मंदिर की तस्वीरें भी लगी हुई हैं. फैजाबाद शहर से अयोध्या में प्रवेश करने पर आपको अपने आस-पास की फिजा में आध्यात्मिक अनुभूति का अहसास होता है. अयोध्या में भगवान राम तथा उनके धनुष एवं बाणों को चित्रित करने वाली कलाकृतियों से सुसज्जित फ्लाईओवर पर लगी स्ट्रीटलाइट छटा बिखेर रहे हैं.

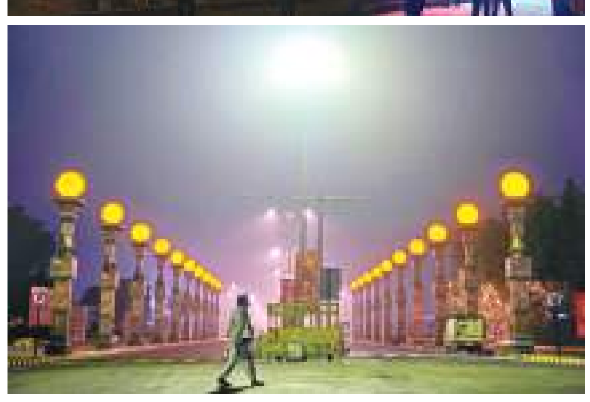

सजावटी लैंप सड़कों पर बिखेर रही है चमक

धर्म पथ के दोनों छोरों पर ''सूर्य स्तंभ'' स्थापित किए गए हैं, जो इस मार्ग की भव्यता को बढ़ा रहे हैं, जबकि मार्ग के शुरू और समाप्ति पर ''रामानंदी तिलक'' और अन्य प्रतीक वाले डिजाइन वाले सजावटी लैंप पोस्ट इस मार्ग की शोभा बढ़ा रहे हैं, यही वजह है कि यहां आने पर आध्यात्मिक अनुभूति का अहसास होता है. शाम तक, सड़क के दोनों किनारों और धर्म पथ के बीचोबीच (डिवाइडर) स्थित ये अनुकूलित लैंप पोस्ट और सूर्य-थीम वाले स्तंभ, चालू होने पर, एक चमकदार तस्वीर पेश करते हैं. शाम होते-होते सड़क के दोनों किनारों और धर्म पथ के मध्य किनारे पर लगे ये लैंप पोस्ट और सूर्य-थीम वाले खंभे जब रोशनी से जगमगाते हैं तो किसी का भी मनमोह लेते हैं.

राम पथ व धर्म पथ बना हुआ है आकर्षण का केंद्र

अयोध्या शहर में राम पथ और धर्म पथ दो मुख्य रास्ते हैं, जो इस वक्त आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं, विशेष तौर पर यहां की साजो-सज्जा मनमोहक है. राम पथ, फैजाबाद शहर के सहादतगंज से अयोध्या शहर के नया घाट चौराहे तक 13 किलोमीटर की दूरी वाला मार्ग है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राम पथ और धर्म पथ दो ऐसे मार्ग हैं, जिन्हें आप कला के बेहतरीन नमूने के तौर पर देख सकते हैं. इन्हें प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले अच्छी तरह से सजाया गया है. इन दोनों सड़कों के किनारे स्थापित सजावटी लैंप पोस्ट के डिजाइन लोगों की आस्था का सम्मान करते हुए अयोध्या के विकास को दर्शाते हैं. राम पथ और धर्म पथ, ये दोनों मार्ग लता मंगेशकर चौक पर आकर मिलते हैं.

10 हजार 'चूड़ियां' ट्रस्ट को सौंपी गईं, भक्तों में बंटेगी

अयोध्या । फिरोजाबाद से 10 हजार से अधिक रंगबिरंगी चूड़ियां गुरुवार को अयोध्या पहुंचीं और राज्य के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह की मौजूदगी में श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंपी गईं. सिंह ने कहा किफिरोजाबाद अपने कांच उद्योग के लिए प्रसिद्ध है और इसकी चूड़ियां हर जगह प्रसिद्ध हैं. 10 हजार चूड़ियां मंदिर ट्रस्ट को सौंप दी गई हैं. इन्हें ट्रस्ट द्वारा भक्तों में वितरित किया जाएगा. उन्होंने कहा कि ये चूड़ियां हिंदू-मुस्लिम श्रमिकों की महीनों की मेहनत से तैयार होती हैं. इन चूड़ियों और कंगनों पर भगवान राम, माता सीता और भगवान हनुमान की तस्वीरें बनी हैं. समारोह में आने वाली महिलाओं में इनका वितरण निशुल्क किया जाएगा.

श्री हनुमान महा यज्ञशाला में पहुंचे जगद्गुरु रामभद्राचार्य और महायज्ञ करता भक्त.

ढाई सौ क्विंटल के पांच लाख लड्डू अयोध्या भेजे जायेंगे

उज्जैन । अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर मध्य प्रदेश के उज्जैन से 250 क्विंटल वजन के पांच लाख लड्डू शुक्रवार को वहां भेजे जायेंगे. उज्जैन के प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में चार लाख लड्डुओं को पहले ही पैक किया जा चुका है तथा एक लाख लड्डुओं को पैकेट में रखा जा रहा है. एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि प्रत्येक लड्डू का वजन लगभग 50 ग्राम है और पूरी खेप 250 क्विंटल की होगी. महाकालेश्वर मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचन्द जुनवाल ने बताया कि हमने चार लाख लड्डुओं को पैक कर लिया है. शुक्रवार को तीन से चार ट्रकों में इन्हें अयोध्या भेजा जाएगा. जुनवाल ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने घोषणा की थी कि लड्डू बाबा महाकाल के प्रसाद के रूप में 900 किमी दूर अयोध्या भेजे जाएंगे,इसके बाद मंदिर के 150 कर्मचारियों और सामाजिक संगठनों के लोगों ने पांच दिनों में लड्डू तैयार किए हैं.

नेपाल में हिंदू कर रहा प्राण प्रतिष्ठा का बेसब्री से इंतजार

काठमांडू । नेपाल में हिंदू समुदाय अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का उत्साहपूर्वक इंतजार कर रहा है. नेपाल के हिंदू विशेष तौर पर मधेश प्रांतवासी इस अवसर को बड़ी धूमधाम से मनाने की योजना बना रहे हैं. जनकपुर स्थित जानकी मंदिर कई सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों के साथ प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जश्न मनाने की तैयारी कर रहा है. जनकपुर को भगवान राम की पत्नी जानकी (सीता) जी का जन्मस्थान माना जाता है. भगवान राम की पत्नी सीता का दूसरा नाम जानकी है जो जनकपुर के राजा जनक की पुत्री थी. जनकपुर नेपाल की राजधानी से 220 किलोमीटर दूर दक्षिण-पूर्व में है. यह भारत के अयोध्या से लगभग 500 किमी पूर्व में है और दोनों देशों के प्राचीन रिश्तों का प्रतीक रहा है. स्थानीय लोगों ने बताया कि इस अवसर पर पूरे जनकपुर उपमहानगर में सफाई अभियान शुरू किया गया है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

सिरेमिक इंजीनियरिंग कर बना सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर । रजनीश प्रसाद

सिरेमिक इंजीनियरिंग एक प्रोफेशनल कोर्स है, जो प्रेसिपिटेशन और हीटिंग जैसी विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके क्रिस्टलीय संरचनाओं के साथ इनॉर्गेनिक और नॉन मैटेलिक को बनाने से संबंधित है. इन वस्तुओं का उपयोग मिसाइल नोज कोन्स, गैस बर्नर नोज़ल्स, बैलिस्टिक प्रोटेक्शन, न्यूक्लियर फ्यूल यूरेनियम ऑक्साइड पेलेट्स, बायोमेडिकल इंप्लांट्स और जेट इंजन टरबाइन ब्लेड्स बनाने में किया जाता है. सामान्य भाषा में सिरेमिक इंजीनियरिंग मटीरियल इंजीनियरिंग का ब्रांच है, जिसके अंतर्गत सिरेमिक मैटेरियल की मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइनिंग, गुणों और इसके उपयोगों का अध्ययन किया जाता है. इसमें इनऑर्गेनिक या गैर धातु पदार्थों से विभिन्न प्रक्रियाओं का उपयोग कर कई वस्तुएं तैयार की जाती हैं.

विदेश में टॉप यूनिवर्सिटीज

1. सरे विश्वविद्यालय, इंग्लैंड
2. पैनोनिया विश्वविद्यालय, हंगरी
3. आल्टो विश्वविद्यालय, फिनलैंड
4. केयू ल्यूवेन, बेल्जियम
5. प्रौद्योगिकी के कौनास विश्वविद्यालय, लिथुआनिया
6. प्रौद्योगिकी के ब्रनो विश्वविद्यालय, चेकिया
7. शेफील्ड विश्वविद्यालय, इंग्लैंड
8. शेफील्ड हॉलम विश्वविद्यालय, इंग्लैंड
9. न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया
10. मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, इंग्लैंड
11. सबानसी विश्वविद्यालय, तुर्की
12. कनाडा के रॉयल मिलिट्री कॉलेज, कनाडा
13. स्टैफोर्डशायर विश्वविद्यालय, इंग्लैंड

भारत के टॉप कॉलेज

1. नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला
2. आईआईटी बीएचयू (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय), वाराणसी
3. कलकत्ता विश्वविद्यालय
4. आंध्र विश्वविद्यालय
5. सिरेमिक ग्लास और सिरेमिक रिसर्च इंस्टिट्यूट, कोलकाता
6. अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई
7. राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी

भारत के विश्वविद्यालयों में आवेदन प्रक्रिया, इस प्रकार है

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- **यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूज़र नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.**
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं.
- **अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.**
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
- **यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंको के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.**

सिरेमिक इंजीनियरिंग कोर्सेज

पिछले कुछ वर्षों में छात्रों का अचानक से इस क्षेत्र की ओर झुकाव देखा जा सकता है. इस क्षेत्र में कई डिप्लोमा, ग्रेजुएट और मास्टर्स कोर्सेज उपलब्ध हैं, जिन्हें चुनकर छात्र अपने सपनों के कॅरियर की शुरुआत कर सकते हैं

जॉब प्रोफाइल्स

सिरेमिक इंजीनियर	कंस्ट्रक्शन मैनेजर
सिरेमिक टेक्नोलॉजिस्ट	प्रोडक्शन वर्कर
सिरेमिक डिजाइनर	प्रोफेसर
टेक्नीशियन	पॉलीमर केमिस्ट

सिरेमिक इंजीनियरिंग के लिए एंट्रेंस एग्जाम

- एनईआरआईएसटी इंट्रेंस टेस्ट
- एनआईटी एंट्रेंस टेस्ट
- जीएटीई
- आईआईटी जेईई

जॉब अलर्ट

1. मद्रास हाई कोर्ट ने टाइपिस्ट टेलीफोन ऑपरेटर कैशियर के पदों न्युक्ति निकाली है.

हाई कोर्ट का नाम – मद्रास हाई कोर्ट
पद नाम – टाइपिस्ट टेलीफोन ऑपरेटर कैशियर
पद संख्या – 33
योग्यता – डिग्री
नौकरी का स्थान – मद्रास हाई कोर्ट
आवेदन मोड – ऑनलाइन
फॉर्म भरने की तिथि – 15 जनवरी- 15 फरवरी 2024
ऑफिसियल साइट – https://www.hcmadras.tn.nic.in
एजुकेशन क्वालिफिकेशन – अभ्यर्थी के पास किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बैचलर की डिग्री होना अनिवार्य है
आयु सीमा – 18 से 37 वर्ष

2. आंध्रप्रदेश हाई कोर्ट ने सिविल जज (जूनियर डिविजन) के पदों के लिए रिक्तियां निकाली है.

संस्था – आंध्रप्रदेश हाई कोर्ट
पद नाम – सिविल जज
पद संख्या – 39
अधिसूचना – जारी
नौकरी का स्थान – आंध्रप्रदेश
आवेदन मोड – ऑनलाइन
फॉर्म भरने की तिथि – 31 जनवरी-1 मार्च 2024
ऑफिसियल साइट – https://aphc.gov.in
शैक्षणिक योग्यता – भारत में विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से विधि में स्नातक डिग्री उत्तीर्ण होना जरुरी है.
आयु सीमा – 21 से 35 वर्ष
आवेदन शुल्क – सामन्य पिछड़े वर्ग के लिए 1500 और एससी, एसटी, दिव्यांग के लिए 750 रुपए.
चयन प्रक्रिया –
कंप्यूटर बेस्ड स्क्रीनिंग टेस्ट (सीबीटी) ऑनलाइन लिखित परीक्षा
साक्षात्कार (इंटरव्यू)
मेरिट लिस्ट
दस्तावेज सत्यापन

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)